हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

पीएम ने नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता की

प्रधानमंत्री मोदी ने सभी मुख्यमंत्रियों से यूनाइट रहने की अपील की

नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल में पीएम मोदी ने कहा

केंद्र और राज्य टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं

पीएम से मिले हिमाचल के सीएम सुक्खू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को हुई। नई दिल्ली में बैठक का विषय 'विकसित राज्य के लिए विकसित भारत एट द रेट 2047 था।

बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव ▶▶ शेष पेज 5 पर

राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए

विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य बन रहा

विकास नवाचार और स्थिरता विकास का इंजन हो

नीतियां ऐसी हों कि नागरिकों के जीवन में बदलाव लाएं

पीएम मोदी ने कहा कि हमें अपने कार्यबल में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें ऐसे कानून और नीतियां बनानी चाहिए, जिससे उन्हें कार्यबल में सम्मानपूर्वक शामिल किया जा सके। हमें इस तरह काम करना चाहिए कि लागू की गई नीतियां आम नागरिकों के जीवन में बदलाव ला सकें। जब लोग बदलाव महसूस करते हैं, तभी यह बदलाव मजबूत होता है और बदलाव को एक आंदोलन में बदल देता है।

हमें विकास के लक्ष्य पर केंद्रित रहना चाहिए

उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में हमारे पास 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक बड़ा अवसर है। हमें एक लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। 2047 तक भारत को विकसित बनाना। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हर राज्य विकसित हो, हर शहर विकसित हो, हर नगर पालिका विकसित हो।

मुख्यमंत्रियों ने कहा

राज्यों की सशक्त भागेदारी बढ़ी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में राज्य के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शामिल हुए। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में 'विकसित राज्य-विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने के लिए आयोजित यह बैठक राज्यों की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

राज्य सरकारों के तीन उप समूहों का गठन होः नायडू

आंध्र के सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए राज्य सरकारों के तीन उप-समूहों के गठन का प्रस्ताव रखा। इससे ▶▶ शेष पेज 5 पर

3 दक्षिणी राज्यों के सीएम नहीं पहुंचे

एनडीए शासित पुडुचेरी सहित तीन दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों एन. चंद्रबाबू नायडू, एमके स्टालिन और ए. रेवंत रेड्डी ने बैठक में शिरकत की। कांग्रेस शासित कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैयानहीं पहुंचे। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने कैबिनेट सहयोगी के एन. बालगोपाल को भेजा। पुडुचेरी के सीएमभी नहीं पहुंचे।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद थी यह पहली बैठक

नीति आयोग की सर्वोच्च संस्था परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। ▶▶ शेष पेज 5 पर

1 सीएम नायब का अभिवादन

हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने वर्ष 2047 तक हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने और 50 लाख नए रोजगार सृजित करने के लक्ष्य की जानकारी दी। पीएम मोदी ने उनके विजन की सराहना की।

2 छग सीएम साय की प्रशंसा की

पीएम नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय का हाथ थामते हुए उनसे बातचीत की। पीएम मोदी को सीएम साय ने राज्य की योजनाओं पर आत्मविश्वास से राज्य की उपलब्धियों की जानकारी दी।

3 पंजाब सीएम से गर्मजोशी से मिले

आम आदमी पार्टी के के नेता पंजाब के सीएम भगवंत मान कई बार केंद्र पर राज्यों की उपेक्षा का आरोप लगाते रहे हैं, लेकिन नीति आयोग की बैठक में उन्होंने पीएम मोदी के समक्ष झुककर उनसे हाथ मिलाया। मोदी ने उनकी पीठ भी थपथपाई।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला

गुजरात - चेन्नई
दोपहर 3.30 बजे से

हैदराबाद - कोलकाता
शाम 7.30 बजे से

अभिनेता मुकुल देव का निधन, शोक में बॉलीवुड

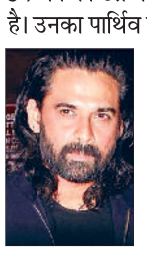

मुंबई। अभिनेता मुकुल देव का 54 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनका पार्थिव शरीर दिल्ली के दयानंद मुक्ति धाम लाया गया जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। दिवंगत अभिनेता के बड़े भाई राहुल देव ने अग्नि दी। इससे पहले मुकुल देव के अंतिम दर्शन के लिए उनके करीबी दोस्त भी पहुंचे हैं। पिछले कुछ समय से मुकुल बीमार चल रहे थे और हाल ही में उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था। हालांकि अस्पताल और परिवार की तरफ से निधन की वजह नहीं बताई गई है। मुकुल देव हिंदी, पंजाबी और साउथ फिल्मों के साथ टेलीविजन इंडस्ट्री में भी सक्रिय थे। मुकुल देव ने कई फिल्मों में भी काम किया।

सरकार ने लगाई मुहर : देश भर के 7 करोड़ ईपीएफओ ग्राहकों को मिला तोहफा

कर्मचारी भविष्य निधि के खाते में जमा राशि पर 8.25% की ब्याज दर बरकरार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि के खाते में जमा राशि पर 8.25% की ब्याज दर को मंजूरी दे दी है। इसके लिए बकायदा अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। अब ईपीएफओ ग्राहकों के खातों में इसके हिसाब से ब्याज जमा करेगा। इससे पहले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ने 28 फरवरी को मीटिंग में ब्याज दर को 8.25% बरकरार रखने का फैसला किया था।

इससे पहले वित्त-वर्ष 2023-24 के लिए ब्याज दर को 8.15% से 0.10% बढ़ाकर 8.25% किया गया था। वहीं 2022-23 में 8.10% से 0.05% बढ़ाकर 8.15% किया गया था। ईपीएफओ एक्ट के तहत कर्मचारी की बेसिक सैलरी प्लस महंगाई भत्ता का 12 फीसदी पीएफ अकाउंट में जाता है। वहीं, कंपनी भी कर्मचारी की बेसिक सैलरी प्लस महंगाई भत्ता का 12 फीसदी जमा करती है। कंपनी के 12 फीसदी हिस्से में से 3.67% पीएफ अकाउंट में जाता है और बाकी 8.33 फीसदी पेंशन स्कीम में जाता है। वहीं कर्मचारी के हिस्से का सारा पैसा पीएफ अकाउंट में जाता है।

कंपनी के 12 फीसदी हिस्से में से 3.67% पीएफ अकाउंट में जाता है और बाकी 8.33 फीसदी पेंशन स्कीम में जाता है। वहीं कर्मचारी के हिस्से का सारा पैसा पीएफ अकाउंट में जाता है।

अब ईपीएफओ ग्राहकों के खातों में इसके हिसाब से ब्याज जमा करेगा

2023-24 के लिए ब्याज दर को 8.15% से 0.10% बढ़ाकर 8.25 प्रतिशत किया गया था

पिछले वर्षों में कैसा रहा ब्याज दर?

इससे पहले 2022 में ईपीएफओ ने 2021-22 के लिए अपने सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए ईपीएफ पर ब्याज को घटाकर चार दशक से अधिक के निचले स्तर 8.1 फीसदी कर दिया था। 2020-21 में यह ब्याज दर 8.5 प्रतिशत थी। इससे पहले 2020-21 के लिए ईपीएफ पर 8.10 प्रतिशत ब्याज दर 1977-78 के बाद से सबसे कम थी। उस वक्त ईपीएफ ब्याज दर सिर्फ आठ प्रतिशत थी।

2020 से पहले कैसी थी ब्याज दर?

जबकि, ईपीएफओ ने 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को घटाकर सात साल के निचले स्तर 8.5 प्रतिशत कर दिया था, जो 2018-19 के लिए 8.65 प्रतिशत था। ईपीएफओ ने 2016-17 में अपने ग्राहकों को 8.65 प्रतिशत और 2017-18 में 8.55 प्रतिशत ब्याज दर प्रदान की थी। 2015-16 में ब्याज दर थोड़ी अधिक यानी 8.8 प्रतिशत थी। रिटायरमेंट फंड निकाय ने 2013-14 और 2014-15 में 8.75 प्रतिशत ब्याज दिया था, जो 2012-13 के 8.5 प्रतिशत से अधिक था। वर्ष 2011-12 में ब्याज दर 8.25 प्रतिशत थी।

कैसे तय होती है ईपीएफ ब्याज दर?

ईपीएफओ की सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) ब्याज दर पर फैसला करती है और फिर इसे वित्त मंत्रालय के पास मंजूरी के लिए भेजा जाता है। जब सरकार इस पर सहमति दे देती है, तब यह ब्याज ईपीएफओ ग्राहकों के खातों में जमा किया ▶▶ शेष पेज 5 पर

ईपीएफ से जुड़ी अहम बातें

- ईपीएफ पर ब्याज दर हर साल बदली जाती है।
- सरकार की मंजूरी के बाद ही ब्याज खातों में जोड़ा जाता है।
- ईपीएफ का पैसा सुरक्षित निवेश ऑप्शन माना जाता है।
- ईपीएफ धनराशि चेक करने के लिए उमंग एप या ईपीएफओ की वेबसाइट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आतंकवाद के मामले पर अमेरिका, बहरीन और कतर में मजबूती के साथ रखेंगे भारत का पक्ष, पाक को करेंगे बेनकाब

थरूर, पांडा और सुप्रिया सुले के नेतृत्व में विदेश रवाना हुए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पहलगाम हमले के जवाब में की गई ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के साथ आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त न करने की भारत की नीति अब पत्थर की लकीर में तब्दील होती हुई नजर आ रही है। क्योंकि वर्तमान में इसके बारे में केवल घरेलू स्तर पर ही नहीं चर्चा हो रही है।

बल्कि सरकार द्वारा गठित किए गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के कौने-कौने में मौजूद देशों के समक्ष प्रत्यक्ष रूप से पहुंचकर इसकी मजबूती से घोषणा भी कर रहे हैं। केंद्र के इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय आउटरीच मिशन के तहत शनिवार को तीन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश यात्राओं पर रवाना हुए। जिसमें कांग्रेस नेता और पूर्व विदेश राज्य मंत्री शशि थरूर की अगुवाई वाला प्रतिनिधिमंडल अमेरिका की यात्रा पर रवाना हुआ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाला ▶▶ शेष पेज 5 पर

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हो दुनियाः सुले

अपनी यात्रा पर रवाना होने से पहले दिल्ली हवाई अड्डे से दिए संदेश में एनसीपी (शरद पवार) नेता सुप्रिया सुले ने कहा कि हम कुल चार देशों की यात्रा करेंगे। जिसमें पूरी सच्चाई के साथ यह बताने की कोशिश की जाएगी कि भारत की कार्रवाई या लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ है। हमारे देश की यही इच्छा है कि पूरी दुनिया शांति और अमन के साथ रहे। इसके अलावा आतंकवाद के मामले पर सभी को एकजुटता से लड़ना चाहिए। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा, भारत आतंकवाद के सामने चुप नहीं रह सकेगा। हमें अपने देश के लिए, अपनी प्रतिक्रिया के लिए इस संदेश को दुनिया तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि दुनिया हमसे अपनी आंखें फेर ले यानी सच्चाई की जगह पर उदासीनता हावी हो जाए। हमारा यह मिशन शांति और आशा का है।

देश में आतंक मचाने, नागरिकों की हत्या करने वाले पाकिस्तान को भारत की दो टूक...

बीते 40 सालों में पाक प्रायोजित आतंकवाद में मारे गए भारत के 20 हजार नागरिक

यूएनएससी में बोले राजदूत पी. हरीश, ऐसे देश को 'नागरिकों की सुरक्षा' के मुद्दे पर कुछ भी बोलना शोभा नहीं देता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत तेजी के साथ सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान का काला सच सबके सामने उजागर करने में लगा हुआ है। जिसमें एक ओर उसके सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाकर अहम भूमिका निभा रहे हैं।

तो दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंच पर भारत के राजनयिक पाकिस्तान की हर कुटिल चाल को नाकाम करने में लगे हुए हैं। यहां मामला बीते शुक्रवार देर रात संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में 'सशस्त्र संघर्ष में नागरिकों की सुरक्षा' विषय पर आयोजित की गई एक खुली बहस से जुड़ा हुआ है। जिसमें यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि और वरिष्ठ राजदूत पी.हरीश ने पाकिस्तान की पूरी कलई खोलकर

रख दी। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ऐसा देश है जो नागरिकों और आतंकवादियों में कोई फर्क नहीं करता है। उसने ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया। जिसमें पाक की सेना, पुलिस और प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। ऐसे ▶▶ शेष पेज 5 पर

चार दशकों से पाक प्रायोजित आतंकवाद का सामना किया

हरीश ने कहा कि पाक प्रतिनिधि के झूठे, निराधार आरोपों का जवाब देने के लिए मुझे इस खुली बहस के दौरान विवश होना पड़ रहा है। हमने (भारत) अपनी सीमाओं पर चार दशकों से पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी हमलों का सामना किया है। जिसमें कुल 20 हजार भारतीय नागरिक मारे जा चुके हैं। पाक प्रायोजित आतंकवादी हमलों में वर्ष 26 नवंबर 2008 को मुंबई शहर पर हुआ आतंकी हमला और पिछले अप्रैल महीने में पहलगाम में हुआ हमला शामिल है। मौजूदा मई महीने की शुरुआत में भी पाकिस्तान की सेना ने जानबूझकर भारत के सीमावर्ती गांवों को निशाना बनाया। इन हमलों में भारत के 20 नागरिकों की जान चली गई। जबकि 6 दर्जन से अधिक लोग घायल हुए। सशस्त्र संघर्ष के दौरान महिलाओं, ▶▶ शेष पेज 5 पर

आतंकियों को देता राजकीय सम्मान

हरीश ने कहा कि हमने देखा है कि भारत की ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में मारे गए आतंकवादियों को कैसे पिछले दिनों पाकिस्तान ने राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी थी?

धार्मिक पूजा स्थलों को भी नहीं बख्शा

भारतीय राजदूत ने कहा, पाकिस्तानी सेना ने भारत के सीमावर्ती गांवों के अलावा गुरुद्वारों, मंदिरों, कॉन्वेंट जैसे पूजा स्थलों के साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों को भी निशाना बनाया। इस तरह के काम करने के बाद इस वैश्विक मंच पर उपदेश देना साफतौर पर ढोंग करने के समान है। पाक के हमलों में ज्यादातर आम नागरिकों को निशाना बनाया गया है। जिसका उद्देश्य साफ तौर पर भारत की प्रगति और मनोबल को तोड़ना रहा है। ऐसे देश का वैश्विक मंच पर कुछ भी बोलना उचित नहीं है। उन्होंने कहा, नागरिकों, मानवीय कार्यकर्ताओं पर कोई भी हमला वैश्विक मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मौजूदा कानूनी ढांचे की अनदेखी नहीं की जा सकती है।

भाजपा मंत्री के बेटों ने किया 71 करोड़ का घोटाला : सिसोदिया

नई दिल्ली। गुजरात में हुए एक महाघोटाले पर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के पंचायती राज मंत्री के बेटों ने कंपनियां बना कर दाहोद में मनरेगा का काम लिया, लेकिन काम नहीं किया और 71 करोड़ रुपए हड़प लिया। अब वे पुलिस की गिरफ्त में हैं, लेकिन भाजपा ने अपने मंत्री का न इस्तीफा लिया और न कोई कार्रवाई की। वहीं, अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में पंजाब की आप सरकार ने भ्रष्टाचार की जानकारी होते ही अपने विधायक को गिरफ्तार करा दिया। सिसोदिया ने कहा कि भाजपा इस मामले में बुरी तरह से एक्पोज हो रही है, क्योंकि मंत्री को पद पर बनाए रखा गया है और मामला न तो ईडी को दिया जा रहा है और न ही सीबीआई को। गुजरात पुलिस थोड़े दिन की लीपापोती करके उनके बेटों को निश्चित रूप से छोड़ देगी, यह हम सबको पता है।

घटना में कोई हताहत नहीं, दमकल की डेढ़ दर्जन गाड़ियों ने पाया काबू

फैक्टरी में भीषण आग के बाद विस्फोट से इमारत ढही

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

बवाना औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार तड़के एक फैक्टरी में भीषण आग लगने से विस्फोट हुआ जिससे इमारत ढह गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग की 17 गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

अग्निशमन सेवा के प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि आग लगने की सूचना तड़के चार बजकर 48 मिनट पर मिली थी। सूचना के बाद दमकल की 17 गाड़ियां सेक्टर दो में घटनास्थल पर भेजी गई। बहुमंजिला इमारत से घना काला धुआं निकलता दिखा। इसके बाद आग ने पूरे ढांचे के अपनी चपेट में ले लिया। कुछ देर बाद कई विस्फोट हुये जिसके चलते पूरी इमारत ढह गई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। विस्फोट होने से आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग घबरा गए और अपने घरों से बाहर निकल आए। अधिकारियों ने बताया कि चारों ओर मलबा बिखरा होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इमारत के संरचनात्मक मानकों और सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन की पड़ताल की जा रही है। आग को पूरी तरह से बुझाने और मलबा हटाने का कार्य दिनभर जारी रहा।

लाहौरी गेट इलाके में घर में आग लगने से तीन लोग झुलसे

नई दिल्ली। मध्य जिले के लाहौरी गेट इलाके में एक घर में आग लग जाने से 13 वर्षीय एक लड़के सहित तीन लोग झुलस गए। सभी को इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। आग किस वजह से लगी इसकी जांच पड़ताल चल रही है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने शनिवार को जानकारी दी कि आग की चपेट में आने से 13 वर्षीय अनस 50 प्रतिशत झुलस गया। 18 वर्षीय नबी अहमद 45 प्रतिशत और 30 वर्षीय शाहनवाज 40 प्रतिशत जले हैं। आग तड़के तीन बजकर 40 मिनट पर फर्श खाना इलाके में श्रद्धानंद मार्ग स्थित एक आवास में आग लगी थी। सूचना के बाद दमकल की पांच गाड़ियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। इमारत के भूतल पर स्थित बिजली के 15 मीटरों के एक बोर्ड में आग लगी थी और इसने पास में खड़ी एक मोटरसाइकिल को भी अपनी चपेट में ले लिया था। अग्निशमन कर्मियों ने सुबह चार बजकर 50 मिनट तक स्थिति पर नियंत्रण पा लिया। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में तीन लोग झुलस गए, जिन्हें पुलिस और अग्निशमन अधिकारियों ने उपचार के लिए एलएनजेपी अस्पताल पहुंचाया। आग लगने का कारण फिलहाल पता नहीं चल पाया है और इसकी जांच की जा रही है।

एमसीडी अधिकारी बन बुजुर्ग महिला से जबरन वसूली का आरोपी दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

दक्षिण जिला पुलिस ने डिफेंस कॉलोनी इलाके में खुद को एमसीडी अधिकारी बताकर एक बुजुर्ग महिला से जबरन वसूली करने के आरोप में 42 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम तौसिफ राजा बताया गया है। इस पर 50 हजार रुपये के चालान का डर दिखाकर मामला 25 हजार में सैटल करने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार तौसिफ राजा नामक व्यक्ति नौ मई को शिकायतकर्ता के घर गया था। उसने खुद को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का अधिकारी बताकर शिकायतकर्ता को धमकाया कि उसके घर की नालियां गंदी हैं, जिसके लिए उसे 50 हजार रुपये का चालान जारी किया जाएगा। राजा ने बिजली आपूर्ति काटने और महिला के बेटे की शादी में खलल डालने की धमकी देते हुए उससे मामला निपटाने के लिए 25 हजार रुपये मांगे। महिला ने डर के कारण रुपये दे दिए थे। 13 मई को राजा वापस आया और महिला से 50 लाख रुपये की मांग की। उसने फिर से शादी में बाधा डालने की धमकी दी। शिकायतकर्ता के पति ने मोदी मिल फ्लाईओवर के पास आरोपी को 1.5 लाख रुपये नकद दिए। हालांकि राजा ने और अधिक पैसे की मांग करते हुए परिवार को परेशान करना जारी रखा, जिसके बाद महिला ने डिफेंस कॉलोनी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। डीसीपी अंकित चौहान के अनुसार पुलिस ने मोबाइल कॉल रिकॉर्ड और 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद आरोपी को ओखला इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान राजा ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। चौहान ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोटरसाइकिल, अपराध में इस्तेमाल मोबाइल फोन और 28,500 रुपये नकद जब्त किए हैं। स्नातक की पढ़ाई पूरी कर चुका राजा पहले शाहीन बाग इलाके में प्रॉपर्टी एजेंट के तौर पर काम करता था। उसे इससे पहले 2018 में आईपी एस्टेट पुलिस थाने में दर्ज धोखाधड़ी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था।

कैंसर की नकली दवा आपूर्ति से जुड़ा आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने कैंसर की नकली दवाओं की आपूर्ति से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल मामले में तीन साल से फरार आरोपी को पश्चिम बंगाल के रानीगंज से गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम सबीर आलम बताया गया है। अदालत ने इसे भगौड़ा घोषित कर रखा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि सबीर आलम हाल ही में शादी के बाद हनीमून के लिए रानीगंज गया है। इसके बाद होटलों व गेस्ट हाउसों की जांच शुरू की। इसके बाद पश्चिम बंगाल के बर्धमान के कांदा बस अड्डे से आलम को दबोच लिया गया।

पुलिस के अनुसार इस तरह का मामला पहली बार नवंबर 2022 में सामने आया था, जब कैंसर की नकली दवा रखने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। जांच में एक बड़े गिरोह का पता चला, जिसमें दो चिकित्सकों सहित 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया। डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार सबीर आलम ने इस गिरोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह कोलकाता में कैंसर की नकली दवाओं के वितरण का समन्वय करता था और बांग्लादेश में आपूर्ति की व्यवस्था भी करता था। वहां दवाएं कथित तौर पर डॉ. रासेल को भेजी जाती थी। पुलिस के अनुसार आलम ने मरीजों से नकद वसूली की और अपनी हिस्सेदारी की रकम रखने के बाद बाकी पैसे डॉ. पबित्र नारायण प्रधान और शुभम मन्ना समेत गिरोह के अन्य सदस्यों को भेजे थे।

निहाल विहार में अधेड़ की चाकू से वार कर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

निहाल विहार में शुक्रवार को अधेड़ उम्र के शख्स की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक का नाम राजेश मित्तल (50) बताया गया है। वह कुंवर सिंह नगर में रहते थे। शव को पोस्टमॉर्टम के लिये मोर्चरी भिजवाया गया है। पुलिस हत्या के पीछे का मकसद पता लगाने के लिए संदिग्धों से पूछताछ कर ही है। शुरुआती जांच में पता चला कि घरेलू कलेश के बाद हुये झगड़े में अपराध को अंजाम दिया गया है।

मिली सूचना के अनुसार शुक्रवार को राजेश मित्तल निवासी एफ 99, कुंवर सिंह नगर, गली नंबर 17, निहाल विहार को अस्पताल लाने पर मृत घोषित कर दिया गया था। उन पर चाकू से वार किया गया था। मृतक राजेश मित्तल अपनी भाभी और भतीजी के साथ उक्त पते पर रहता था। मृतक का बड़ा भाई और 10-12 साल पहले घर छोड़कर चला गया था। राजेश मित्तल बेरोजगार था। उन्हें भतीजी और पड़ोस में रहने वाली उनकी चचेरी बहन अस्पताल लेकर गई थी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि झगड़े के दौरान घर पर केवल राजेश मित्तल और दो महिलाएं ही मौजूद थी। घटना के क्रम और अपराध के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

हत्या मामले में वांछित गोगी गिरोह का बदमाश मुठभेड़ में किया अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने रोहिणी इलाके में एक हल्की मुठभेड़ के बाद राजस्थान में हत्या के मामले में वांछित गोगी गिरोह के एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी का नाम विकास उर्फ साका बताया गया है। यह मुठभेड़ देर रात बरवाला चौक के पास हुई।

पुलिस के अनुसार विकास की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिलने पर बरवाला इलाके में ट्रैप लगाया गया था। विकास चोरी की एक मोटरसाइकिल पर सवार था। जब उसे रुकने का इशारा किया गया, तो उसने पुलिस टीम पर गोली चला दी। इसके बाद पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। एक गोली विकास के दाहिने पैर में लगी, जिसके बाद उसे काबू कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से एक पिस्तौल, तीन कारतूस, एक मोबाइल फोन और चोरी की मोटरसाइकिल जब्त की गई है। पूछताछ के दौरान पता चला कि विकास गोगी गिरोह का प्रमुख सदस्य है, जो राजस्थान के अलवर में अपहरण और हत्या के एक मामले में वांछित था। विकास और उसके चचेरे भाई पर अलवर जिले में एक व्यक्ति की गला घोंटकर हत्या करने और बाद में उसके शव को जलाने का आरोप है।

इस संबंध में हरियाणा में गुमशुदगी की एक शिकायत दर्ज की गई थी। आरोपी के मोबाइल फोन में कुछ संदिग्ध मैसेज मिले है, जिनकी जांच की जा रही है। इस बदमाश पर हरियाणा में हत्या समेत पांच मामले दर्ज पाये गये हैं।

मिशन लाइफ अभियान के तहत विद्यालयों में बने 'इको क्लब' के नाम बदले जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने दिल्ली के सभी विद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने मौजूदा 'इको क्लब' का नाम बदलकर 'इको क्लब्स फॉर मिशन लाइफ' करें। शिक्षा निदेशालय ने अपने बयान में कहा गया कि विद्यार्थियों में पर्यावरण की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शुरू गए राष्ट्रीय अभियान के तहत 31 अगस्त तक इनकी पुनः स्थापना की जाए। एक बयान में कहा गया है कि समग्र शिक्षा पहल के तहत यह कदम 'मिशन लाइफ' (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप है, जो 2021 में स्कॉटलैंड के ग्लासगो में जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक वैश्विक आंदोलन है। शिक्षा उपनिदेशक एवं समग्र शिक्षा-दिल्ली द्वारा जारी परिपत्र में विद्यालयों को पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुरू किये जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने का निर्देश दिया गया है। बयान में कहा गया है कि यह अभियान पिछले वर्ष के वृक्षारोपण अभियान का अगला चरण होगा और इसे पूरे देश में एक जन आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित किया जाएगा। निर्देश के अनुसार, इको क्लब की गतिविधियां अब 'मिशन लाइफ' के सात विषयों पर केंद्रित होंगी - ऊर्जा बचाओ, जल बचाओ, एकल उपयोग प्लास्टिक को ना कहो, टिकाऊ खाद्य प्रणालियों को अपनाओ, अपशिष्ट को कम करो, स्वस्थ जीवन शैली अपनाओ और ई-कचरा कम करो।

विकसित भारत के लिए विकसित खेती की जानकारी देगी सरकार : केवीके

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

80 से अधिक गांवों की होंगी भागीदारी

डॉ राणा ने बताया कि इस अभियान में लगभग 80 से अधिक गांवों की भागीदारी होगीं एवं 50 हजार से अधिक किसानों का वैज्ञानिकों से सीधा संवाद स्थापित होगा। इस अभियान के दौरान प्रत्येक दिन दो टीम 3 गांवों में कार्यक्रमों का आयोजन करेगी, जिसमें 600 से अधिक किसानों की भागीदारी होगी एवं हर टीम में 4-5 विषय विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, विभिन्न विभागों की अधिकारी, नन्वोमेषी किसान आदि शामिल होगें।

दिल्ली सरकार के विकास विभाग की दिल्ली एवं कृषि इकाई के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) ने भी देशभर के साथ दिल्ली देहात इलाके में 29 मई से 12 जून, 2025 तक विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाने के लिए तैयारी कर ली है। केवीके में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. डी. के. राणा ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसमें भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) के वरिष्ठ वैज्ञानिक भी कार्यक्रम में शामिल होकर किसानों के साथ नवीनतम जानकारी साझा करेगें। विकसित भारत के लिए विकसित खेती अभियान के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली के तीन प्रमुख जिले दक्षिण-पश्चिम जिला, उत्तर-पश्चिम जिला तथा उत्तरी जिला के विभिन्न गांवों के 40 जगहों को चयनित किया है।

■ **पूसा कृषि संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक भी होंगे शामिल**

कपिल सांगवान गिरोह का सदस्य पकड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जेल में बंद गैंगस्टर कपिल सांगवान के गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है जो सांगवान के इशारे पर उसके दुश्मनों को खत्म करने की साजिश रच रहा था। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कपिल सांगवान के गिरोह को नंदू गिरोह के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान सोमबीर सिंह उर्फ फिल्मी (40) के रूप में हुई है और उसे गुप्त सूचना पर छह मई को ताजपुर खुर्द गांव में डिफेंस एन्क्लेव रोड के पास स्कूटर चलाते समय गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमबीर को हाल ही में ककरोला गांव में गोलीबारी से जुड़े एक मामले में जमानत मिली थी। अधिकारी ने बताया कि रिहा होने के बाद सोमबीर ने एक हथियार खरीदा और दुश्मनों को निशाना बनाने के लिए अपने गिरोह के सरगना से आदेश मिलने का इंतजार कर रहा था। पुलिस के अनुसार सोमबीर का हत्या, हत्या के प्रयास, भूमि हड़पने की गतिविधियों सहित विभिन्न अपराधों में शामिल होने का लंबा इतिहास रहा है। पुलिस ने बताया कि सोमबीर ज्यादातर द्वारका और बाहरी दिल्ली के इलाकों में अपराध को अंजाम देता था। वह सोमबीर 2010 में कपिल सांगवान-ज्योति बाबा गिरोह में शामिल हुआ और कई चर्चित आपराधिक घटनाओं में शामिल रहा। अधिकारी ने बताया कि आरोपी के पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और चार गोलियां बरामद की गई हैं। उन्होंने बताया कि सोमबीर ने गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर हाल ही में एक प्लॉट पर अवैध कब्जा करने के लिए गोलीबारी की थी।

सरगना समेत पांच लोगों को किया गिरफ्तार

नेपाल से आई पांच करोड़ की हेरोइन जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने नेपाल से भारत पहुंची पांच करोड़ कीमत की हेरोइन जब्त की है। इस सिलसिले में ड्रग तस्कर गिरोह के सरगना समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार यह एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल है। इनसे सात किलोग्राम बढ़िया क्वालिटी की अफीम, 03.537 किलोग्राम बढ़िया क्वालिटी की चरस और 625 ग्राम कच्ची हेरोइन बरामद हुई। बरामद कच्ची हेरोइन उत्तर पूर्वी राज्यों से तस्करी कर लाई गई थी। बरामद ड्रग्स दिल्ली और अन्य नजदीकी राज्यों में सप्लाई के लिए लाई गई थी। ड्रग तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए कार में ड्रग्स छिपाने के लिए गुप्त जगह बनाई हुई थी।

डीसीपी अमित कौशिक के अनुसार स्पेशल सेल की ट्रांस यमुना रेंज ने नेपाल और मणिपुर से तस्करी करके दिल्ली पहुंच रही ड्रग्स को दो ऑपरेशन में जब्त किया गया। ऑपरेशन एक के तहत सूचना मिली थी कि हरियाणा निवासी जसमेर सिंह द्वारा संचालित एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट नेपाल से दिल्ली और एनसीआर में नशीले पदार्थ अफीम और चरस की तस्करी में शामिल है। जसमेर सिंह अपने सहयोगियों के साथ बुराड़ी में अपने सहयोगी को भारी मात्रा में नशीले पदार्थ अफीम और चरस देने आ सकता है। पुलिस ने जसमेर और उसके सहयोगी को बुराड़ी अथॉरिटी के पास दबोच लिया। इसकी निशानदेही पर उसके दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार किया गया था और इनके कब्जे से कुल 1.879 किलोग्राम अफीम बरामद हुई थी। जसमेर के अलावा पकड़े गये अन्य लोगों के नाम राज कुमार, काला और संजय रावत है। ऑपरेशन दो के तहत एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर मोहन लाल को गिरफ्तार किया गया। वह स्पेशल सेल के एक मामले में वांछित था। इसके खिलाफ गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) भी जारी किया जा चुका था। इसकी स्कार्पियों कार की डिक्की में दाई तरफ के रियर क्वार्टर पैनल के अंदर बनी गुप्त जगह से 625 ग्राम कच्ची हेरोइन बरामद की गई। इसके गिरोह के सदस्य पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर से राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली और एनसीआर में मादक पदार्थ हेरोइन और अफीम की तस्करी करते हैं।

खादी ग्रामोद्योग भवन
24, रीगल बिल्डिंग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
KHADI GRAMODYOG BHAWAN
24, Regal Building, Connaught Place, New Delhi-110001
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
KHADI AND VILLAGE INDUSTRIES COMMISSION
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises, Govt of India
Web: www.kvic.gov.in | kgbnewdelhi.kvic@gov.in | Ph: 011-45576408

अस्थायी बंद के लिए सार्वजनिक सूचना

हम अपने मूल्यवान ग्राहकों को सूचित करना चाहते हैं कि खादी ग्रामोद्योग भवन, 24 रीगल बिल्डिंग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली 21 मई 2025 से शुरु होने वाले नवीकरण कार्य के लिए अस्थायी रूप से बंद किया गया है। नवीकरण अवधि के दौरान खादी ग्रामोद्योग भवन को खादी लाउंज, ए1, बाबा खड़क सिंह मार्ग कनॉट प्लेस नई दिल्ली-01 में स्थानांतरित कर दिया गया है। इससे होने वाली किसी भी असुविधा के लिए हम क्षमा चाहते हैं और आपकी समझदारी और निरंतर सहयोग की सराहना करते हैं।

नवीकरण अवधिः संभवतः 3 महीने

किसी भी अपडेट के लिए:- कृपया KVIC की वेबसाइट पर जाएँ:- www.kvic.gov.in
खादी इंडिया उत्पादों की खरीदारी के लिए: कृपया केवीआईसी ई-कॉमर्स पोर्टल वेबसाइट पर जाएँ:- www.khadiindia.gov.in

आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।
खादी ग्रामोद्योग भवन, नई दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **वली फ्लूज पुत्र श्री मघदर अली निवासी फ्लैट नं. 304, तृतीय तल, टॉवर-ओ, गोल्डन पाम्स स्टूडियो, सैक्टर-168, नौएडा, उ.प्र. व रूम नं. 102-103, प्लॉट नं. 3016 तिप्पी इन्न सूट्स 002 सैक्टर-46, गुरूग्राम हरियाणा/दूसरा पता म. नं. सी-60, जीएफ, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली** ने केस **एफआईआर नं. 141/2022 अन्तर्गत धारा 419/420/379/34 आईपीसी व एफआईआर नं. 340/2022 अन्तर्गत धारा 419/420/379/34 आईपीसी व एफआईआर नं. 422/2022 अन्तर्गत धारा 419/420/379/34 आईपीसी व एफआईआर नं. 283/2022 अन्तर्गत धारा 419/420/379/34 आईपीसी थाना सरिता विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **वली फ्लूज** मिल नही रहा है, और मुझे समाधानाप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **वली फ्लूज** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 141/2022 अन्तर्गत धारा 419/420/379/34 आईपीसी व एफआईआर नं. 340/2022 अन्तर्गत धारा 419/420/379/34 आईपीसी व एफआईआर नं. 422/2022 अन्तर्गत धारा 419/420/379/34 आईपीसी व एफआईआर नं. 283/2022 अन्तर्गत धारा 419/420/379/34 आईपीसी थाना सरिता विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **वली फ्लूज** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.08.2025** को या उससे पहले हाजिर हे।

आदेशानुसार
अरिदमन सिंह चीमा
महानगर दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी
दक्षिण-पूर्व जिला, कमरा नं.-510
साकेत न्यायालय, नई दिल्ली

DP/6519/SE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोनू उर्फ जूडी, पुत्र पन्ना लाल निवासी ए-48, गली नंबर 2, हिंद विहार प्रेम नगर-III, दिल्ली** ने **ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 10474/2018 भा.द.सं. की धारा 379/411 के तहत, थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **मोनू उर्फ जूडी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **मोनू उर्फ जूडी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 10474/2018 भा.द.सं. की धारा 379/411 के तहत, थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोनू उर्फ जूडी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.06.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री रितिका जैन
एलडी. न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, उत्तर-पश्चिम
कोर्ट नं.105, रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/6419/OD/2025

मुख्यमंत्री ने नीति आयोग की बैठक में 'विकसित दिल्ली' का रोडमैप किया प्रस्तुत

यमुना की सफाई और हर घर नल से जल हमारी प्राथमिकता : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

यमुना की सफाई, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और हर घर नल से जल हमारी प्राथमिकता है। यह बातें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को नीति आयोग की बैठक में दिल्ली का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि इस मसले पर वे हमारे साथ हैं। हम केंद्र सरकार के इसलिए भी आभारी हैं कि दिल्ली में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए पूरा सहयोग करने का आश्वासन मिला है। सीएम ने नीति आयोग की दसवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में दिल्ली की योजनाओं की जानकारी दी। सीएम ने बताया कि दिल्ली सरकार ग्रीन इकोनॉमी को साकार करने के लिए चरणबद्ध और ठोस प्रयास कर रही है। राजधानी में सभी सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जा रहे हैं, ताकि स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके। वर्तमान में दिल्ली की केवल 10 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकता स्थानीय उत्पादन से पूरी होती है। इस अंतर को कम करने हेतु हम हर वर्ष 750 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हरित उत्पादकता मॉडल को अपनाया जा रहा है, जिसमें स्वच्छ ईंधन, ऊर्जा कुशल मशीनरी और अर्थव्यवस्था प्रणालियों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, दिल्ली को जीरो वेस्ट कॉलोनी की ओर ले जाने हेतु वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, प्लास्टिक वेस्ट रिसाइकिल यूनिट्स, ई वेस्ट मैनेजमेंट तथा इको पार्क जैसे अनेक नवीन और पर्यावरण-संवेदनशील प्रोजेक्ट्स पर कार्य किया जा रहा है। दिल्ली सरकार का यह प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ी पहल है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ, स्वच्छ और सतत भविष्य प्रदान करने की ओर ठोस कदम है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री तथा नीति आयोग के सहयोग से न केवल 2047 तक दिल्ली को स्वच्छ, समावेशी और सशक्त बनाएंगे, बल्कि इसे विश्व की श्रेष्ठतम शहरी व्यवस्थाओं के मॉडल में भी स्थापित करेंगे। सीएम ने बैठक जानकारी दी कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत दिल्ली ने केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई 78 हजार रुपए/प्रति 3 किलोवाट सब्सिडी के अलावा 30 हजार रुपये प्रति उपभोक्ता की अतिरिक्त राशि अपनी ओर से टॉप-अप के रूप में दी है, ताकि अधिक से अधिक लोग सोलर एनर्जी अपनाएं। सीएम ने कहा कि संकल्प है कि वर्ष 2047 तक दिल्ली को शून्य उत्सर्जन शहर के रूप में स्थापित किया जाए। सीएम ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी नागरिक समय पर उपचार के अभाव में अपनी जान न गंवाए। इसी दिशा में दिल्ली सरकार ने आयुष्मान भारत, वय वंदना योजना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर तथा प्रधानमंत्री जन औषधि योजना जैसी केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं को अपने बजट से अतिरिक्त समर्थन देकर लागू किया है।

सीएम ने कहा कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मार्गदर्शन में राजधानी की शिक्षा व्यवस्था को 21वीं सदी की जरूरतों के अनुरूप ढालने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि शिक्षा के माध्यम से हम छात्रों को नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वालों के रूप में तैयार करें। वहीं मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी में उद्योगों और सेवा इकाइयों के लिए एक सक्षम और समर्थ तैयार करने हेतु विभिन्न नीतिगत पहलों पर कार्य कर रही है।

हमारा लक्ष्य 2047 तक सभी के लिए पौष्टिक भोजन, स्वच्छ जल आपूर्ति मिले

मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 2047 तक दिल्ली को दुनिया के नक्शे पर सबसे चिरस्थायी और रहने लायक शहर बनाने के लिए हमारा का लक्ष्य है कि दिल्ली में सभी के लिए पौष्टिक भोजन, स्वच्छ जल आपूर्ति मिले। समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्वभौमिक स्वास्थ्य सुरक्षा, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार, उच्च तकनीकी अनुसंधान की राजधानी के साथ-साथ कचरा मुक्त व वैश्विक सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र बने।

की जा रही है नए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स की स्थापना

सीएम ने नीति आयोग की बैठक में बताया कि दिल्ली सरकार ने हर घर नल से जल सुनिश्चित करने हेतु एक समग्र और चरणबद्ध योजना तैयार की है। इस दिशा में कार्य प्रारंभ हो चुका है और राजधानी में कई नए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स की स्थापना भी की जा रही है, ताकि नागरिकों को स्वच्छ और सतत जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। यमुना नदी का पुनर्जीवन और जल संरक्षण के लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग जैसी योजनाएं हमारी शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल हैं। यमुना को साफ करने के लिए 40 नए एसटीपी बनाए जाएंगे।

प्रदूषण फ्री दिल्ली हमारी अगली प्राथमिकता में शामिल

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण फ्री दिल्ली हमारी अगली प्राथमिकता है, और इसी दिशा में दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक परिवहन को 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक मोड पर लाने का लक्ष्य तय किया है। इस परिवर्तन की शुरुआत दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरकनेक्टर (देवी) जैसे अभिनव प्रोजेक्ट से की गई है, और वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2000 नई इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का लक्ष्य रखा गया है। राजधानी के तीनों कूड़े के पहाड़ों के निस्तारण का कार्य भी केंद्र सरकार के सहयोग से तेजी से जारी है।

सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल

नर्सिंग अर्दली भर्ती में भ्रष्टाचार के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में सरकार और सरकारी टेंडर बदलते ही युवाओं को नौकरी बचानी भारी पड़ रही है और ऐसा ही एक मामला दिल्ली देहात के नरेला स्थित सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल से सामने आया है। यहां एक मई 2025 को नर्सिंग अर्दली (एनओ) के लिए नया टेंडर हुआ और इनमें से पुराने कर्मियों को इसलिए नौकरी से हटा दिया क्योंकि उन्होंने ठेका कंपनी की मांग को पूरा नहीं किया और करीब एक दर्जन से अधिक एनओ को बाहर का रास्ता दिखा दिया। वहीं, इस संबंध में पीड़ित लोगों ने बताया कि इस मामले में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से भी मिले और दयनीय आर्थिक स्थिति के बारे में बताया लेकिन वहां से सिर्फ आश्वासन मिला है और कुछ नहीं। नौकरी से हटाए गए एनओ ने एक ऑडियो क्लिप भी जारी की है जिसमें अस्पताल के उप चिकित्सा अधीक्षक (डीएमएस) पर बड़ी राशि लेकर एक नए कर्मचारी को भर्ती करने के आरोप भी लगे हैं। वहीं, इस संबंध में अस्पताल प्रशासन ने ठेका कंपनी के संबंध में किनारा करते हुए कहा कि इस संबंध में कुछ नहीं कह सकते हैं।

ठेका कंपनी ने की थी 15 हजार की मांग

अस्पताल से हटाए गए इन लोगों ने बताया कि ठेका कम्पनी ने हमें नोएडा कार्यालय बुलाया और 15 हजार रुपए की अवैध मांग की और बाकी 40-50 एनओ ने पूरी भी कर दी। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता और न्याय की पूरी तरह से अनदेखी की गई है और बिना किसी पूर्व सूचना, किसी स्पष्ट कारण के हम पुराने एवं अनुभवी कर्मियों को कार्य से अचानक हटा दिया। यह श्रम कानूनों और संवैधानिक अधिकारों का भी उल्लंघन है।

सिफारिश और पैसों के बल पर हुई हैं नई भर्ती

हटाए गए लोगों ने बताया कि हमारी जगह जिन नए लोगों की भर्ती हुई है, वो सिफारिश और पैसों के बल पर हुई हैं और इनमें से कुछ योग्यताएं भी पूरी नहीं करते हैं। एक ही स्थान के 5-7 लोगों की सीधी भर्ती हुई है। नई भर्ती में ऐसे कई एनओ हैं जो अस्पताल का कार्य तक ठीक से नहीं आता, यह अस्पताल की सेवाओं और जनहित के साथ खिलवाड़ भी है। जब भी नया ठेका रिन्यू होता है, ठेकेदार 30 हजार से 40 हजार रुपये की अवैध मांग करता है। जो यह राशि नहीं दे पाते, उन्हें बाहर कर दिया जाता है।

एसीबी ने सिक्योरिटी गार्ड्स के ठेकेदार को पकड़ा था रंगे हाथ

हटाए गए कर्मियों ने बताया कि कुछ माह पहले एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने इसी अस्पताल में सिक्योरिटी गार्ड्स के ठेकेदार के खिलाफ छापा मारा था और रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था और उन्हें गिरफ्तार किया गया था। मुख्यमंत्री से निवेदन किया कि कोई भी जांच एजेंसी इस मामले में जांच कर सकती है।

खबर संक्षेप

भाजपा की डबल इंजन सरकार होने के बावजूद दिल्ली करती है असुरक्षित महसूस : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भाजपा सरकारों को घेरते हुए आरोप लगाए है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद राजधानी अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है। आज हालात यह है कि पुलिस की निष्क्रियता के कारण दिल्ली आपराधिक राजधानी के नाम से जानी पहचानी जाती है। कानून व्यवस्था को लेकर यादव ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर चिंता जताई है। यादव ने बताया कि आज राजधानी में बेरोकटोक ड्रग, शराब व अन्य नशीले पदार्थ पुलिस की नाक के नीचे दिल्ली के युवाओं तक खुलेआम पहुंच रहे है जिसके चलते राजधानी में अपराधिक दर लगातार बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों से अपराधों में हुई बढ़ोतरी के चलते अपराधों में हजारों युवाओं के धंसने के कारण उनके परिवार तक बर्बाद हो रहे है। जबकि पुलिस नशीले पदार्थों पर रोक लगाने में नाकाम साबित हो रही है।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने की एक्ट को पंजाबी में प्रकाशित करने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी ने दिल्ली सरकार से मांग की है कि गुरुद्वारा एक्ट को पंजाबी भाषा में प्रकाशित किया जाए। इस बारे में कमेटी के अल्पसंख्यक सेल के चेयरमैन सरदार जसविंदर सिंह जॉली ने बताया कि हमारी मांग है कि गुरुद्वारा कमेटी के एक्ट को पंजाबी भाषा में प्रकाशित किया जाए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में हमने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री परवेश वर्मा और दिल्ली गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय को पत्र लिखा है। जॉली ने बताया कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा एक्ट 1971 अब तक केवल अंग्रेजी और हिंदी में ही उपलब्ध है। इसलिए हमारी मांग है कि इस एक्ट का अनुवाद पंजाबी भाषा में भी कया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाबी में इसका अनुवाद उपलब्ध न होने के कारण जिन लोगों को अंग्रेजी और हिंदी भाषा नहीं आती उन्हें भारी परेशानी उठानी पड़ती है। अगर सरकार एक्ट को पंजाबी में अनुवाद करवा देगी तो पंजाबी भाषी लोग आसानी से एक्ट को पढ़ व समझ सकते है। जबकि वर्तमान में इस स्थिति में सिख समुदाय को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली में गहराते जल संकट पर नेता विपक्ष आतिशी ने सीएम से मांगा मिलने का समय

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते जल संकट और पानी की किल्लत को लेकर नेता विपक्ष आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता को चिट्ठी लिखकर मिलने का समय मांगा है। नेता विपक्ष आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता को लिखी अपनी चिट्ठी में कहा कि टैंकरों के सामने लाइन में खड़ी महिलाएं, बाल्टी और मटकों के साथ इंतज़ार करते बच्चे ये दृश्य अब दिल्ली की नई पहचान बनते जा रहे हैं, क्या ऐसी दिल्ली का सपना भाजपा ने दिल्लीवालों को दिखाया था? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पानी की सप्लाई ठप, जनता परेशान है लेकिन सरकार और मंत्री मौन है। दिल्ली में भाजपा की चार इंजन की सरकार इसके बावजूद भी दिल्ली की जनता पानी जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए भी मोहताज है। उन्होंने कहा कि मई के महीने में ये हाल है, तो गर्मी बढ़ने पर क्या होगा। आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी विधायक आपसे समय लेकर मिलना चाहते हैं, ताकि वे पूरी दिल्ली में जनता को हो रही पानी की समस्याओं को आपके सामने रख सकें।

आप ने दिल्ली में गढ़ा है भीषण जल संकट का झूठ : सचदेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं का एक राजनीतिक विमर्श है कि एक झूठ हर दिन और इसी के अंतर्गत शनिवार को नेता विपक्ष आतिशी मार्लेना ने दिल्ली में भीषण जल संकट का झूठ गढ़ा है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को आप पर निशाना साधते हुए यह बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि मई का अंतिम सप्ताह चल रहा है, गर्मी अपने चर्म पर है उसके बावजूद दिल्ली में कहीं भी कोई बहुत बड़े जल संकट की चर्चा नहीं है जिसका कारण है कि दिल्ली सरकार ने एक ओर समर एक्शन प्लान पर कार्य कर कॉलोनियों में जल वितरण पर कार्य किया तो वहीं सरकार ने टैंकरों में जी.पी.एस. लगवा कर चलवाये हैं ताकि जल टैंकर जहां भेजा जाए वहीं पहुंच कर समय पर लोगों की आवश्यकता पूरी करे।

दिल्ली में नहीं है जल संकट

सचदेवा ने कहा है कि हम यह दावा नहीं करते कि जल की कमी नहीं है पर जल संकट नहीं है। दिल्ली वाले भलीभांति जानते हैं कि दिल्ली में जल की कमी का मूल कारण गत दस वर्ष की अरविंद केजरीवाल सरकार के द्वारा जल भंडारन कपैसिटी बढ़ाने और पानी की चोरी एवं बर्बादी रोकने की विफलता है जबकि भाजपा सरकार ने समर एक्शन प्लान बना कर कमी को संकट में बदलने से रोका है।

पहले टैंकर अभाव के चलती रहते थे समाचार

सचदेवा ने कहा है कि काश मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को काल्पनिक जल संकट पर पत्र लिखने से पहले आतिशी मार्लेना याद रखती कि गत वर्ष इन्हीं दिनों में अखबार उनकी सरकार के जल की कमी को लेकर बयानों के साथ ही आरडब्ल्यूए के जल संकट पर विरोध और झुग्गी क्लस्टरों में टैंकर अभाव के समाचारों से भरे रहते थे जबकि आज कहीं ऐसी कोई खबर दिखाई नहीं देती।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली देहात के नरेला स्थित आर. के. इंटरनेशनल स्कूल के इंटरैक्ट क्लब ने रोटरी क्लब सोनीपत के सहयोग से एक सफल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह आयोजन समाज सेवा और मानवीय संवेदनाओं का एक प्रेरणादायक उदाहरण बना, जिसमें विद्यालय स्टाफ, अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस पुनीत कार्य की शुरुआत दीप प्रज्वलन समारोह से हुई, जो जीवन और आशा के प्रतीक के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों के रूप में विद्यालय के चेयरमैन नरेंद्र कृष्ण शर्मा, एमडी सुनीता शर्मा, निदेशक आकाश शर्मा और ऐश्वर्या शर्मा, रोटरी क्लब की ओर से दीपक गुप्ता सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

कबाड़ में लगाई जा रही है आग, लोग को हो रही है परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली देहात के कई इलाकों में दिन और रात के समय कबाड़ जलाने की घटनाएं सामने आ रही है जिसके चलते आसपास के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर खतरनाक सीमा पार कर चुका है, जिससे लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है और बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। दिल्ली सरकार लगातार प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठा रही है, लेकिन इसके बावजूद कुछ लोग अब भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। ऐसे ही मामले बाहरी दिल्ली के बवाना विधानसभा के बवाना की जेजे कॉलोनी के एफ और जी ब्लॉक से और नरेला विधानसभा के सिंघोला से ताजपुर मार्ग से सामने आए हैं।

कांग्रेस का नशे के खिलाफ जन जागरूकता अभियान आज से शुरू, पूरी दिल्ली में चलेगा कार्यक्रम

नई दिल्ली। राजधानी में बढ़ते नशे व अन्य अपराधों को लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी केंद्र व दिल्ली सरकार पर हमलावर नजर आ रही है। सरकार को घेरने व लोगों को जागरूक करने के लिए प्रदेश कांग्रेस नशे के खिलाफ आज रविवार को दिल्ली में जन जागरूकता अभियान रैली निकालेगी। इस बारे में प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बताया कि दिल्ली नशे के दलदल में फंस चुकी है, अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। ऐसे में कांग्रेस रविवार को दिल्ली में अपराध और नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान की शुरुआत करेगी। उन्होंने बताया कि गत 15 मई को सभी जिला समितियों की बैठकों में और 20 मई, 2024 को प्रदेश कमेटी ने कार्यकारिणी बैठक में सर्वसम्मति से संकल्प लिया कि कि दिल्ली कांग्रेस को राजधानी में युवाओं के बीच अपराधों और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ एक जागरूकता अभियान पूरी दिल्ली में चलाएगी। यादव ने कहा कि कांग्रेस हमेशा अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी को समझने के साथ समाज की बेहतरी के लिए सामाजिक भूमिका निभाना अपना कर्तव्य समझती है। जिसके तहत 25 मई 2025 रविवार से अपराधों और ड्रग व नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान की शुरुआत बादली विधानसभा से होने जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके बाद यह जागरूकता अभियान दिल्ली के सभी ब्लॉकों में अलग-अलग तारीखों में निकाले जाएंगे और प्रत्येक पुलिस स्टेशन में अपराध और नशे पर लगाम लगाने के लिए ज्ञापन दिए जाएगें।

इंद्राज ने दिव्यांगों को वितरित किए ट्राई साइकिल व अन्य उपकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सशक्त दिव्यांग, समर्थ भारत' संकल्प की दिशा में दिव्यांगों को सम्मानजनक और सुविधाजनक जीवन देने के लिए दिल्ली सरकार उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने और आधुनिक उपकरण देने की दिशा में सतत काम कर रही है। यह बात शनिवार को दिल्ली के समाज कल्याण विभाग मंत्री रविंद्र इंद्राज ने दिव्यांगों को ट्राई साइकिल व अन्य उपकरणों के वितरण समारोह में कही।

गौरतलब है कि समाज कल्याण विभाग मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने शनिवार को सुगम्य सहायक योजना के तहत दिव्यांगों को ट्राई साइकिल व अन्य उपकरणों का वितरण कर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम का आयोजन जिला समाज कल्याण कार्यालय (उत्तर पूर्व) दिलशाद गार्डन में हुआ। मंत्री इंद्राज ने कहा कि केंद्र सरकार ने हाल ही में केन्द्रीय आवास सुविधाओं में भी दिव्यांगों को आरक्षण दिया है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट और इंफ्रास्ट्रक्चर उनके अनुकूल बन रहे हैं। केंद्र और दिल्ली सरकार दिव्यांगजनों के आत्मबल, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण प्रयास कर रही हैं।कार्यक्रम में दिव्यांगों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, श्रवण यंत्र, वॉकर, ब्रेल किट, स्मार्ट फोन, स्मार्ट स्टिक और अन्य उपकरण दिए गए।

रात को बढ़ जाती है परेशानी, चालक परेशान

दिल्ली के मुख्य टोल प्लाजा की तीन लेन बंद

दया राम ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 स्थित कुंडली-सिंघु बॉर्डर से दिल्ली में प्रवेश करते समय दिल्ली नगर निगम के टोल प्लाजा की तीन लेन बंद होने के चलते वाणिज्यिक वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हरियाणा के सोनीपत की तरफ से प्रवेश करने वाले इन चालकों ने बताया कि यहां टोल की वसूली होती है लेकिन सुविधाएं नहीं हैं। सभी लेन को चालू नहीं किया गया है जिसके चलते यहां निर्धारित समय से अधिक समय लग जाता है और कभी कभी तो आधा घंटा तक लग जाता है। बता दें कि देश की राजधानी दिल्ली स्थित मुख्य प्रवेश मार्गों से यातायात जाम को खत्म करने के लिए दिल्ली नगर निगम ने रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन डिवाइस (आरएफआईडी) स्थापित किये हुए हैं लेकिन यहां सभी दस लेन संचालित नहीं हो रही है और इनमें से तीन लेन तो बंद ही रहती है। इस संबंध में निगम के टोल विभाग के अधिकारी से जानकारी मांगी तो उन्होंने इसे लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई।

बता दें कि यहां टोल प्लाजा की लेनों की निगरानी करने वाला कोई नहीं है और नो इंट्री खुलने के बाद यहां प्रवेश के बाद से ही लंबा यातायात जाम लग जाता है। वाहन चालकों ने बताया कि यहां टोल प्लाजा का मार्ग भी बदहाल है। बता दें कि आरएफआईडी डेटाबेस को फास्टैग से जोड़ दिया गया है और 1 सितंबर, 2021 से दिल्ली के सभी 124 टोल नाकों पर आरएफआईडी टैग वाले वाणिज्यिक वाहनों का प्रवेश अनिवार्य कर दिया गया है।

अभी ध्यान नहीं दिया तो आसपास में होगा जलभराव

बता दें कि यहां टोल प्लाजा के पास बारिश के पानी की निकासी के लिए कोई व्यवस्था नहीं है और बारिश के दौरान करीब एक से दो फीट तक पानी जमा हो जाता है।

परिवहन विभाग कर रहा तैयारी

दिल्ली की छोटी 'देवी बसें' अब तीन रंगों में आंएगी नजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अभी तक एक ही कलर यानी रंग में नजर आ रही छोटी देवी डीईवीआई (दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटर कनेक्टेड) बसों का नजारा जल्द ही बदलने वाला है। परिवहन विभाग इन बसों को अब तीन रंगों में रंगने की तैयारी कर चुका है और आने वाले कुछ दिनों में दिल्ली की सड़कों पर दौड़ रही छोटी इलेक्ट्रिक बसों का रंग बदल जाएगा। जिसके बाद यह बसें भीड़ भाड़ में भी दूर से अलग ही नजर आएगी। परिवहन विभाग के सूत्रों की मानें तो लगभग यह तय हो चुका है कि इन बसों को संतरी, पीले और हरे रंग में रंगी जा सकती है। बकायदा इसको लेकर परिवहन विभाग अब तक दो अगल अगल आदेश भी जारी किए जा चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली सरकार की तरफ से इन बसों को पहले नारंगी (संतरी) रंग में रंगने को अंतिम रूप दिया गया था। लेकिन बाद में परिवहन मंत्री की तरफ से परिवहन विभाग को जो निर्देश मिला उसमें इस छोटी देवी बसों को तीन रंगों में रंगने की बात कही गई थी। जिसके बाद परिवहन विभाग ने इन बसों का संतरी रंगों में रंगने की तैयारी शुरू कर दी है। अगर सब कुछ सही रहा तो संभव है कि आने वाले दिनों में देवी बसें तीन रंगों में रंगी नजर आने लगे।

खबर संक्षेप

एम कॉम कोर्स सत्र 2025-26 से शुरू

फरीदाबाद। अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार, उच्च शिक्षा विभाग चंडीगढ़ से प्राप्त पत्र के अनुसार राज्य के कन्या महाविद्यालय नचौली फरीदाबाद में सत्र 2025-26 से एम कॉम कोर्स शुरू करने की अनुमति प्रदान कर दी है। महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अर्चना वर्मा ने बताया कि पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स का दाखिला शेड्यूल जारी होते ही एम कॉम में दाखिले शुरू हो जाएंगे।

आतंक के खात्मे का अग्निकांड' का विमोचन

गुरुग्राम। प्रसिद्ध सैन्य इतिहासकार डॉ. टी.सी. राव द्वारा लिखित बहुप्रतीक्षित पुस्तक 'ऑपरेशन सिंदूरः आतंक के खात्मे का अग्निकांड' का विमोचन गुरुग्राम में हुआ। यह पुस्तक अंग्रेज़ी और हिंदी दोनों भाषाओं में प्रकाशित की गई है। यह पुस्तक विशेष रूप से उन सशस्त्र बलों के वीर जवानों को समर्पित की गई है जो आज भी सीमा पर सतर्क प्रहरी बनकर राष्ट्र की रक्षा में तैनात हैं। गुरुग्राम में पत्रकारों के बीच पुस्तक का विमोचन करने के दौरान डॉ. टीसी राव ने बताया कि इस महत्वपूर्ण कृति में भारत-पाकिस्तान संबंधों का स्वतंत्रता के बाद से लेकर 07 मई 2025 तक का पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया गया है।

दोस्त का फोन हैक कर युवती से 96 हजार ठगे

गुरुग्राम। साइबर क्राइम साउथ एरिया में जालसाजों ने लंदन में रहने वाली दोस्त का फोन हैक करके एक युवती से 96 हजार रुपए की ठगी कर ली। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। गुरुग्राम में रहने वाली सीमा गोरोवारा ने बताया कि 19 मई को रात 8.21 बजे उनके मोबाइल पर एक वाट्सऐप कॉल आई।

जीडीए में आरटीआई समीक्षा बैठक

गाजियाबाद। जीडीए में सूचना के अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए शनिवार को समीक्षा बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता जीडीए के अपर सचिव पीके सिंह ने की। बैठक में प्राधिकरण के सभी जन सूचना अधिकारियों एवं सहायक जन सूचना अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान आरटीआई के अंतर्गत प्राप्त प्रकरणों की संख्या, निस्तारित प्रकरणों की स्थिति तथा लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। जिसमे अब तक कुल 1694 आरटीआई प्रकरण प्राप्त हुए थे, जिनमें से 971 प्रकरणों का निस्तारण संबंधित विभागों द्वारा किया जा चुका है। जबकि 722 प्रकरण अभी लंबित हैं। इन लंबित प्रकरणों में से 637 प्रकरण ऐसे है जो आरटीआई अधिनियम में निर्धारित समय सीमा को पार कर चुके हैं, जिनके शीघ्र निस्तारण के लिए अपर सचिव ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया और लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण पर बल दिया गया।

सीएम योगी बोलेः नगर निगम भूगर्भ जल संरक्षण हेतु किया जा रहा कार्य काबिले तारीफ

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराई गई ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड की कार्रवाई, पेरिस में गाजियाबाद निगम सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा भूगर्भ जल संचयन तथा शोधित जल के सदुपयोग के लिए चल रहे कार्यों के क्रम में भारत का पहला ग्रीन म्युनिसिपल बॉण्ड प्रोजेक्ट सफल हो रहा है।। वसुंधरा क्षेत्र में बन रहे 40 एमएलडी के टर्शरी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र को शोधित जल आपूर्ति का कार्य प्रबलता से चल रहा है।

जिसकी प्रशंसा अंतर्राष्ट्रीय स्थल पर हुई है। पेरिस में आयोजित कार्यक्रम में ग्लोबल वाटर अवार्ड गाजियाबाद को मिला है। वी ए टेक वबाग लिमिटेड ने इसे प्राप्त किया , नगर आयुक्त वविक्रमादित्य मलिक ने ग्लोबल वाटर अवार्ड मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करते उनको यह अवार्ड भेंट किया । साथ ही गाजियाबाद नगर निगम द्वारा जल संचयन तथा शोधित जल के उपयोग किये जा रहे कार्यों के अवगत कराया।

सीएम ने नगर निगम के कार्यों की प्रशंसा की

मुख्यमंत्री ने भी गाजियाबाद नगर निगम के कार्यों की प्रशंसा की है। साथ ही शहर हित में भूगर्भ जल संरक्षण के लिए चल रहे कार्यों को भी सराहागया । मुख्यमंत्री ने नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक को। कहा कि साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र की भांति अन्य औद्योगिक क्षेत्र को भी शोधित जल उपलब्ध कराया जाए तथा भूगर्भ जल संरक्षण की कार्यवाही को बढ़ाया जाए। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा भूगर्भ जल संरक्षण के क्रम में ग्रीन म्युनिसिपल बॉण्ड प्रोजेक्ट के द्वारा साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र की जलापूर्ति का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है । जिस प्रकार साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र शोधित जल का उपयोग करते हुए भूगर्भ जल का संरक्षण करेगी।

टीएसटीपी प्लांट तैयार

नगर आयुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री की योजनाओं के क्रम में गाजियाबाद नगर निगम शहर हित में ग्रीन म्युनिसिपल बॉण्ड प्रोजेक्ट को पूर्ण करने की स्थिति में है जिसके क्रम में 40 एमएलडी का टीएसटीपी प्लांट तैयार हो चुका है। जिसकी लागत लगभग 319 करोड़ है। जिसके माध्यम से जल को शोधित करते हुए औद्योगिक क्षेत्र के लिए उपयोगी बनाया जा रहा है । जिसमें कई विदेशी उपकरणों का उपयोग भी किया गया है ।

फाइनल मुकाबले में दिल्ली ने मध्य प्रदेश को 24-0 से बुरी तरह हराया

टैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से कार्यक्रम का आयोजन

स्पेशल अचीवर्स व्हीलचेयर बास्केटबॉल टूर्नामेंट के समापन पर पहुंचे राज्यमंत्री राजेश नागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

निशक्त जनों की सेवा को लेकर आयोजित होने वाले कार्यक्रम बहुत कम लोग करते है, लेकिन में तारीफ करता हूं स्पेशल अचीवर्स चैरिटेबल ट्रस्ट की जो समर्पण भाव से इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर समाज की भलाई के कार्य करती है। यह बात हरियाणा के राज्यमंत्री राजेश नागर ने बतौर मुख्स अतिथि मानव रचना कैम्पस सूरजकुंड रोड़ में आयोजित दो दिवसीय स्पेशल अचीवर्स व्हीलचेयर बास्केटबॉल टूर्नामेंट के समापन अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कही।

इस मौके पर स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह संगठक सतीश कुमार, विश्व हिन्दु परिषद् दिल्ली प्रांत के कार्यकारी अध्यक्ष कपिल खन्ना, वृदां खन्ना, महापौर प्रवीण जोशी, केबीनेट मंत्री विपुल गोयल के भतीजे अमन गोयल, स्पेशल अचीवर्स चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा, चेयरपर्सन माधवी हंस, संस्था के ट्रस्टी पंकज हसं और ट्रस्टी टेकचंद नंदराजोग/टोनी पहलवान, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा, पंकज सिन्हा, अनिल यादव, राघवेन्द्र सिंह, अमित मान, विनोद कुमार, जेके गुप्ता, जयप्रकाश नौटियाल व विनय गोयल इंटरनेशनल स्कूल के एमडी, अनुराग गर्ग भी मौजूद थे।

निशक्तजन समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा

फाईनल मुकाबले में दिल्ली ने मध्य प्रदेश को 24-0 से जबरदस्त शिकस्त दी। फाईनल मैच से पहले हुए सेमिफाईनल मैच में दिल्ली ने हरियाणा को व मध्य प्रदेश ने उत्तर प्रदेश को हराया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए राजेश नागर ने कहा कि निशक्त जन समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वे समाज सेवा के हर क्षेत्र में बराबर के भागीदार हो सकते है, जरूरत है तो बस इनकी प्रतिभा पहचानकर इनका मार्गदर्शन करने की। महापौर प्रवीण जोशी ने कहर कि कार्यक्रम देखकर ऐसा नहीं लगता कि यहां कोई निशक्त है। एक सक्षम आदमी जिसके पास शक्ति है वो भी इस तरह के कार्य नहीं कर सकता, फिर क्यों इन्हें हीन समझा जाता है।

इस ट्रस्ट में दिव्यांगों की सभी जरूरतें आसानी से पूरी हो सकेंगी

स्पेशल अचीवर्स चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा चेयरपर्सन माधवी हंस ने कहा कि स्पेशल एचीवर्स को बनाने का उद्देश्य जहां दिव्यांग व्यक्तियों की सभी जरूरतें आसानी से पूरी हो सकें और उन्हें एक खुशहाल, स्वस्थ और सार्थक जीवन जीने में सक्षम बनाया जा सके संस्था के ट्रस्टी पंकज हंस और ट्रस्टी टेकचंद नंदराजोग टोनी पहलवान ने कहा कि दो दिवसीय व्हीलचेयर बास्केटबॉल टूर्नामेंट को सफल बनाने में सभी का धन्यवाद खासकर मानव रचना एजूकेशन इस्टीटयूट के वाईस प्रेसीडेंट अमित भल्ला का जिन्होनें प्रतियोगिता के लिए स्थान मुहैया कराकर इन उभरते हुए खिलाड़ियों को अपना सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

परीक्षा में आज मोबाइल और गैजेट्स पर पूरी तरह पाबंदी

जिले के 63 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएगी यूपीएससी परीक्षाः डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विस प्रीलिमिनरी परीक्षा आज फरीदाबाद में दो पालियों में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद में 63 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

परीक्षा दो शिफ्टों में आयोजित की जाएगी प्रातः 9.30 से 11.30 पेपर-1, तथा दोपहर 2.30 से 4.30 पेपर-2, परीक्षा की लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है।

परीक्षा में मोबाइल और गैजेट्स पर पूरी तरह पाबंदी

इंस्पेक्टिंग ऑफिसर दिनेश ने स्पष्ट किया कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में कोताही बरतने वालों के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों पर समय की पाबंदी और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों को परीक्षा सत्र शुरू होने से 30 मिनट पहले केंद्र में प्रवेश करना अनिवार्य होगा।

बल्लभगढ़ के विकास के लिए जमकर खजाने का मुंह खोला, 36 लाख की लागत से होगा कार्य

विधायक मूलचंद शर्मा ने चार नए ट्यूबवैलों की सौगात क्षेत्रवासियों को दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

विधायक मूलचंद शर्मा ने शनिवार को बल्लभगढ़ क्षेत्र के लोगों को 36 लाख की लागत से लगने वाले चार नए ट्यूबलों की सौगात दी है।

विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी, प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा बल्लभगढ़ के विकास के लिए जमकर खजाने का मुंह खोला है और

जल्द ही अन्य बड़े प्रोजेक्ट भी बल्लभगढ़ विधानसभा में शुरू किए जाने हैं साथ ही जल्द ही बल्लभगढ़ में बनकर तैयार हुए ऑडिटोरियम का भी लोकार्पण प्रदेश के मुख्यमंत्री करेगें। उन्होंने कहा कि बल्लभगढ़ में मोहना रोड एलिवेटेड पुल निर्माण कार्य तेज गति के साथ चला हुआ है। विधायक मूलचंद ने कहा कि गर्मी का मौसम है और उसी को देखते हुए सेक्टर-2 में दो ट्यूबवेल और सेक्टर 64 और सेक्टर-65 में एक-एक ट्यूबवेल लगवाया जाएगा।

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा यह ट्यूबवेल लगाए जाएंगे जो जल्द लगकर तैयार होंगे और लोगों भरपूर पानी देगे। सेक्टर वासियों ने विधायक मूलचंद शर्मा का फूल मालाओं से स्वागत किया और सेक्टर में सड़क निर्माण कार्य सहित अन्य कार्य करने का भी सेक्टर वासियों ने धन्यवाद किया। विधायक मूलचंद शर्मा ने इस मौके पर उपस्थित हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के एसडीओ और जेई को सख्त हिदायत दी है कि यह कार्य जल्द कराया जाए और सेक्टरों की साफ -सफाई व्यवस्था को भी दुरुस्त कराया जाए उन्होंने कहा कि जो पार्क बिना चार दिवारी के हैं उनकी चार दिवारी भी जल्द कराई जाएगी।

पत्नी के कई दिन गायब रहने से नाराज था पति

पति ने चौराहे पर सरेआम पत्नी पर फेंका तेजाब लोगों ने की पिटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के थाना कवि नगर थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर चौराहे पर एक पति ने अपनी पत्नी पर सरेआम तेजाब फेंक दिया। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि जिस वक्त पति ने अपनी पत्नी के ऊपर तेजाब फेंका, उस वक्त चौराहे पर मौजूद लोगों की नजर उस पर पड़ गई और लोगों ने उसे दबोच लिया।

लोगों ने उसकी जबरदस्त तरीके के पिटाई की और पुलिस को सौंप दिया। एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार के दोपहर को पुलिस को सूचना मिली कि शास्त्री नगर चौराहे पर एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर तेजाब फेंक दिया है। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और लोगों ने आरोपी युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी का नाम विश्वजीत करमाकर है। जो अपने परिवार के साथ महेंद्रा एनक्लेव में रहता है। श्री सिंह ने बताया कि विश्वजीत की पत्नी कुछ दिन पहले गायब हो गई थी। काफी तलाश में पर वह नहीं मिली लेकिन कुछ ही दिन बाद में खुद वापस लौट आ गई।

हिरासत में लेकर पूछताछ की

तभी से लेकर पति-पत्नी के बीच अनबन चल रही थी और आए दिन विवाद होता रहता था। इसी के चलते आज विश्वजीत ने शास्त्री नगर चौराहे पर जब उसकी पत्नी पहुंची तो उसने उसपर तेजाब फेंक दिया जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह अपनी पत्नी से इसीलिए नाराज था कि वह कहां गई थी पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और विश्वजीत को हिरासत में लेकर उस गहन पूछताछ की जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग के प्रबंध निदेशक रिपुदमन सिंह ढिल्लो ने किया आईसीयू वार्ड का शुभारंभ

प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सार्थक अभियान जारीः रिपुदमन सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

स्वास्थ्य विभाग के प्रबंध निदेशक रिपुदमन सिंह ने राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एक होटल में अधिकारियों के साथ बैठक कर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने बीके अस्पताल के द्वितीय तल पर नवनिर्मित आठ बेड के आईसीयू वार्ड का उद्घाटन भी किया। उद्घाटन के दिन ही आईसीयू वार्ड में तीन मरीजों को भर्ती किया गया। इनमें से दो मरीज पथरी के ऑपरेशन हेतु तथा एक महिला पेट दर्द की समस्या के कारण भर्ती की गई।

स्वास्थ्य विभाग के प्रबंध निदेशक रिपुदमन सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य सभी जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना है। इसी उद्देश्य से सार्थक नामक एक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभिन्न विभागों के उप निदेशक जिलों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति का मूल्यांकन कर रहे हैं। इस अभियान के तहत आठ उप स्वास्थ्य निदेशकों के नेतृत्व में 24 सदस्यीय टीम ने सेक्टर-30, सेक्टर-3 स्थित एफआरयू एवं बीके अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाई गई खामियों को जल्द दूर करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि गंभीर मरीजों को आईसीयू की सुविधा में किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए बीके अस्पताल में आठ बेड का आईसीयू वार्ड प्रारंभ किया गया है।

योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गिरते लिंगानुपात को लेकर बहुत ही गंभीर है। उन्होंने जिला में लिंगानुपात सुधारने, अंतरराज्यीय छापेमारी तेज करने और एमटीपी सेंटरों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही, टीबी नियंत्रण, डेंगू नियंत्रण, बच्चों के टीकाकरण और इम्युनाइजेशन जैसी स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

रेफर मुक्त अभियान संघर्ष समिति ने एनआईटी के विधायक सतीश फागना को ज्ञापन सौंपा

फरीदाबाद। रेफर मुक्त फरीदाबाद संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल ने एनआईटी-86 के विधायक सतीश फागना के निवास पर जाकर मुलाकात की और हरियाणा विधानसभा सदन के पटल व मुख्यमंत्री नायब सैनी की डबुआ कालोनी में आयोजित जनआर्शीवाद सभा में फरीदाबाद में ट्रोमा सेंटर व सिविल अस्पताल बादशाह खान में सुविधाएं बढ़ाने की आवाज उठाने को लेकर धन्यवाद प्रेषित किया। आज रेफरमुक्त संघर्ष समिति ने उनको नया मांगपत्र सौंपा तथा सिविल अस्पताल बादखान की सारी समस्याओं को उनसे एक-एक कर सांझा किया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी इमरान, पुत्रः** मोहम्मद रफीक, **पताः** मकान नं. बी–25, गली नंबर 1/5 इंद्रा विहार, **दिल्ली FIR No. 591/2006, U/s: 392/394/411/34 IPC, पुलिस थाना गोकुलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमरान,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमरान,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **इमरान, FIR No. 591/2006, U/s: 392/394/411/34 IPC, पुलिस थाना गोकुलपुरी, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.06.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
कनिका अग्रवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं. 22 प्रथम तल उत्तर पूर्व
जिला कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6463/NE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया नामः **अजय उर्फ नानू, पुत्रः स्वर्गीय रवि कुमार, निवासीः बी–1/1064, जेजे कॉलोनी, एमपीके, नई दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **E-FIR No.00260/2021 U/s. 379/411/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना कालिंदी कुंज, नई दिल्ली** में दर्ज किया गया है किया है (या किए जाने का संदेह है) और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **अजय उर्फ नानू** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि आरोपी **अजय उर्फ नानू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **E-FIR No.00260/2021 U/s. 379/411/34 IPC, थाना कालिंदी कुंज, नई दिल्ली** के आरोपी उक्त **अजय उर्फ नानू** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए दिनांक **26.06.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, आजाद सहरावत
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-10
कमरा संख्या 307, तीसरी मंजिल
दक्षिण पूर्व जिला
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/6498/SE/2025
(अदालती मामला)

जिले की 10 पंचायतों में 15 जून को प्रातः 8 बजे से शाम 6 बजे तक संपन्न कराए जाएंगे उपचुनाव

इच्छुक प्रत्याशी उक्त अवधि में प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक अपना नामांकन भर सकेंगे

30 मई तक जमा कर सकेंगे पंचायत उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र, आज से प्रक्रिया प्रारंभः जिला निर्वाचन अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला की 10 पंचायतों में उपचुनाव के लिए आज से नामांकन प्रक्रिया आरंभ हो गयी है जोकि 30 मई तक जारी रहेगी 25 मई रविवार व 29 मई राजपत्रित अवकाश को छोड़कर।

इच्छुक प्रत्याशी उक्त अवधि में प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक अपना नामांकन भर सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी विक्रम सिंह ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि जिला में

आगामी पंचायत उपचुनावों के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु संबंधित क्षेत्रों में रिटर्निंग अधिकारियों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। इन अधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया के सभी चरणों की निगरानी, नामांकन पत्रों की जांच, मतगणना तथा परिणाम घोषणा तक की संपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आयोग द्वारा निर्धारित दिशा.निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के उपरान्त जो प्रत्याशी अपना नामांकन वापिस लेना चाहते हैं वे 2 जून को दोपहर 3 बजे तक निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपने संबंधित रिटर्निंग अधिकारी को सूचित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अंतिम सूची में शामिल बचे हुए प्रत्याशियों को इसी दिन दोपहर 3 बजे के बाद चुनाव चिन्ह अलॉट किए जाएंगे।

इन पंचायतों में होंगे उपचुनाव

उपायुक्त विक्रम सिंह ने जानकारी दी है कि फरीदाबाद जिला के तीन ब्लॉकों के विभिन्न गांवों में आगामी पंचायती उपचुनाव आयोजित किए जाएंगे। ब्लॉक फरीदाबाद के अंतर्गत जसाना, मादलपुर, कवरा, फतेहपुर तगा एवं सिधोला गांवों में उपचुनाव कराए जाएंगे। इसी प्रकार ब्लॉक बल्लभगढ़ में लधियापुर, जकोपुर जवा एवं प्रह्लादपुर माजरा डीग तथा ब्लॉक तिगांव में कबूलपुर पट्टी परवरिश गांव में उपचुनाव संपन्न कराए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला में ये उपचुनाव 15 जून को संपन्न कराए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदान का समय प्रातः 8 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित किया है। डीसी ने बताया कि मतदान की प्रक्रिया व मतगणना का कार्य संपन्न होने के उपरांत चुनाव का रिजल्ट मतदान केंद्र पर ही घोषित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि किन्ही परिस्थितियों में यदि रिपोल कराया जाता है इसके लिए आयोग ने मतदान व रिजल्ट घोषित करने के लिए 17 जून की तिथि निर्धारित की है। डीसी ने कहा कि जिला में निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने हेतु प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

कृषि अनुसंधान के लिए मोदी सरकार में फंड की कमी नहीं आएगी: चौहान

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का पूरा अमला राज्यों के सहयोग से इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। इसी कड़ी में शिवराज सिंह चौहान ने पूसा कैंपस स्थित सुब्रहमण्यम हॉल में देशभर के कृषि वैज्ञानिकों से संवाद किया।

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में है। 29 मई को श्री जगन्नाथ की पावन धरती पुरी, ओडिशा से इस व्यापक अभियान का शुभारंभ होगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का पूरा अमला राज्यों के सहयोग से इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। शनिवार को इसी कड़ी में शिवराज सिंह चौहान ने पूसा कैंपस स्थित सुब्रहमण्यम हॉल में देशभर के कृषि वैज्ञानिकों से संवाद किया। इस अवसर पर कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी 113 संस्थानों, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के साथ ही देशभर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों व केंद्र-राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों-प्राध्यापकों ने बड़ी संख्या में सभागार में उपस्थित रहकर और वर्चुअल माध्यम से जुड़कर इस संवाद कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

खास बातें

- 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की तैयारियां अंतिम चरण में
- 29 मई से 12 जून तक देशव्यापी अभियान के जरिए लगभग 1.5 करोड़ किसानों से सीधा संवाद होगा

शिवराज ने ओरिएंटेशन प्रोग्राम के जरिए देशभर के कृषि वैज्ञानिकों से किया संवाद

सत्ता सुख के लिए नहीं, सेवा के लिए कृषि मंत्री बना

यहां केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि मैं सत्ता के सुख के लिए कृषि मंत्री नहीं बना हूं, बल्कि किसानों की सेवा के लिए, उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन की लागत घटाने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, देश में अन्न के भंडार भरने और भावी पीढ़ी के कृषि संबंधित हितों की रक्षा के लिए ही मेरा जीवन समर्पित है। चौहान ने कहा कि उर्वरक का संतुलित प्रयोग, स्थानीय परिस्थिति, सही शोध जानकारी होने और अच्छे बीजों से किसान को उत्पादकता बढ़ाने में निश्चित तौर पर मदद मिल सकती है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों, विभाग का अमला और किसान को जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि इस अभियान के जरिए इसे पूरा करते हुए किसानों से जुड़ने की एक बड़ी कोशिश होने जा रही है। यह अभियान 29 मई से 12 जून तक देशव्यापी स्तर पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें वैज्ञानिकों की टीमें गांव-गांव जाकर किसानों से सीधा संवाद करेगी। इस अभियान में 731 कृषि विज्ञान केंद्रों और आइसीएआर के 113 संस्थानों के वैज्ञानिक-विशेषज्ञ तथा राज्यों और अन्य कृषि विभाग का अमला भी शामिल रहेंगे। यह अभियान 700 से ज्यादा जिलों में आयोजित किया जाएगा।

खबर संक्षेप

गोपालगंज में बाइक की टक्कर से महिला की मौत

गोपालगंज। गोपालगंज जिले के भोरे थाना क्षेत्र के बनियाछापर गांव के पास शनिवार को एक तेज़ रफ्तार बाइक की ठोकर से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बाइक सवार युवक को पकड़ लिया और बंधक बना लिया। मृतका की पहचान फुलवरिया थाना क्षेत्र के गुठनहा गांव निवासी मोहन राम की पत्नी शांति देवी के रूप में हुई है।

राहुल गांधी 26 जून को कोर्ट में पेश होंगे

रांची। झारखंड के चाईबासा में एमपी-एमएलए कोर्ट ने मानहानि के एक मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने उन्हें 26 जून को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। कोर्ट ने राहुल के वकील की व्यक्तिगत पेशी से छूट मांगने की याचिका को खारिज करते हुए यह निर्देश जारी किया। याचिका भाजपा नेता प्रताप कटियार की ओर से दायर की गई है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अप्रैल-मई 2026 में होंगे

यूपी में शुरू हुई पंचायत चुनाव की तैयारी नए सिरे से गांवों का होगा परिसीमन

यूपी में पंचायत चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। यह चुनाव अगले साल अप्रैल और मई में हो सकते हैं। इसको लेकर गांवों का परिसीमन शुरू कर दिया गया है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियां जोरों से शुरू हो गई हैं। इन चुनावों से पहले गांवों के परिसीमन के लिए शुक्रवार को शासनादेश जारी कर दिया गया। इसमें कहा गया है कि पिछले पंचायत चुनाव के बाद तमाम ग्राम पंचायतों व राजस्व ग्रामों के शहरी क्षेत्र में शामिल होने से स्थिति बदली है। इसके मद्देनजर शासन ने सभी जिलों से ग्राम पंचायतों और राजस्व ग्रामों के आंशिक पुनर्गठन के प्रस्ताव 5 जून तक मांगे हैं। पंचायत चुनाव-2021 के बाद कई जिलों में नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद व नगर निगम के सृजन और सीमा विस्तार के चलते ग्राम पंचायतें और राजस्व ग्राम शहरी क्षेत्र में शामिल हो गए हैं। इससे कई ग्राम पंचायतों की जनसंख्या 1000 से कम हो गई है। जारी शासनादेश में कहा गया है कि शहरी क्षेत्रों में शामिल ग्राम पंचायतों को हटाने और बचे हुए राजस्व ग्रामों को नजदीकी ग्राम पंचायत में शामिल किया जाना जरूरी है।

ग्राम पंचायतों की पूर्व में जारी अधिसूचना को संशोधित किया जाना भी आवश्यक है। उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम के अनुसार, राज्य सरकार एक हजार आबादी वाले ग्राम या ग्रामों के समूह को पंचायत क्षेत्र घोषित कर सकती है। ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन में इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि अगर ऐसी ग्राम पंचायत जिसका एक राजस्व ग्राम नगरीय निकाय में शामिल हो गया है और केवल एक ही राजस्व ग्राम बचा है और वो ग्राम पंचायत बनाने का मानक पूरा नहीं करता है, तो उसे नजदीकी ग्राम पंचायत में शामिल कर दिया जाएगा। इसी तरह से कोई ग्राम पंचायत नगरीय क्षेत्र में शामिल हो गई है और उसका कोई शेष राजस्व ग्राम, ग्राम पंचायत बनाने के लिए मानक पूर्ण करता है तो उस दशा में उस राजस्व ग्राम को ग्राम पंचायत बनाया जा सकता है। एकल राजस्व ग्राम के नाम से गठित ग्राम पंचायत अगर आंशिक रूप से प्रभावित हुई है, पर उसकी जनसंख्या 1000 हो तो वह ग्राम पंचायत यथावत बनी रहेगी।

खास बातें

- गांवों के परिसीमन के लिए शासन ने आदेश जारी किया
- एक हजार आबादी वाले ग्राम या ग्रामों के समूह को पंचायत क्षेत्र घोषित कर सकती है सरकार

चार सदस्यीय समिति भेजेगी पुनर्गठन के प्रस्ताव

शासन ने ग्राम पंचायतों और राजस्व ग्रामों के आंशिक पुनर्गठन के लिए प्रत्येक जिले में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है। जिला पंचायत राज अधिकारी सदस्य सचिव और मुख्य विकास अधिकारी और अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत सदस्य होंगे। शासनादेश में यह भी कहा गया है कि डीएम अपने स्तर से यह भी सुनिश्चित कर लें कि किसी जिले में नगरीय निकाय के सृजन या सीमा विस्तार के बाद प्रभावित विकास खंड की संशोधित अधिसूचना जारी होने से न रह गई हो।

पंचायत चुनाव तक नगर निकायों के सृजन एवं विस्तार पर रोक

प्रदेश में पंचायत चुनाव तक नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद और नगर निगम के सृजन और सीमा विस्तार पर रोक लगा दी गई है। इस संबंध में प्रमुख सचिव, पंचायती राज अनिल कुमार की ओर से नगर विकास विभाग को आधिकारिक पत्र भेज दिया गया है। इसमें कहा गया है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अप्रैल-मई 2026 में होंगे। ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायतों के निर्वाचन का कार्यकाल अगले साल क्रमशः 26 मई, 19 जुलाई और 11 जुलाई को समाप्त हो रहा है। पंचायतों के लिए मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण कराया जाना प्रस्तावित हैं, जिसमें लगभग छह महीने का समय लगेगा।

बैठक में संगठित अपराध जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा होगी

सीएम सोरेन की अध्यक्षता में 27 मई को होगी विधि-व्यवस्था पर समीक्षा

एजेंसी ▶▶ झारखंड

झारखंड में विधि-व्यवस्था की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आगामी 27 मई 2025 को एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक राजधानी रांची में आयोजित की जाएगी, जिसमें राज्य के शीर्ष पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी, गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, तथा खुफिया एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बैठक में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध, नक्सल गतिविधियों और संगठित अपराध जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा की जाएगी। कुल मिलाकर 16 प्रमुख बिंदुओं को लेकर समीक्षा और रणनीति पर विचार-विमर्श होगा।

मुख्यमंत्री का सख्त रुख

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस संबंध में कहा है कि राज्य सरकार नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार हरसंभव कदम उठाएगी और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी।

नीतिगत बदलावों की संभावना

इस समीक्षा बैठक के बाद नई सुरक्षा नीतियों, प्रशासनिक निर्देशों और संरचनात्मक सुधारों की घोषणा किए जाने की संभावना जताई जा रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई हो।

बैठक के मुख्य एजेंडे में शामिल विषय

- *सीमावर्ती इलाकों में अवैध घुसपैठ और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा*
- *हाल की गंभीर आपराधिक घटनाओं का विश्लेषण और उनके निवारण की रणनीति*
- *नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती और संचालन योजना*
- *पुलिस बल की जवाबदेही, संसाधनों की उपलब्धता और क्षमताओं का आकलन*
- *महिला एवं बाल सुरक्षा, और तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों पर नियंत्रण*
- *थाना स्तर पर शिकायत निवारण प्रणाली की प्रभावशीलता की समीक्षा*

पेज एक का शेष

केंद्र और राज्य टीम इंडिया...

नहीं है। विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए। राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। वहां सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचे उपलब्ध कराने चाहिए। एक राज्य-एक वैश्विक गंतव्य।

राज्य सरकारों के...

काफी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि उनका राज्य इस राष्ट्रीय आकांक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। जीडीपी वृद्धि पर पहला उप-समूह निवेश, विनिर्माण, निर्यात और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखेगा। जनसंख्या प्रबंधन पर दूसरा उप-समूह भारत को वृद्धावस्था और कम प्रजनन क्षमता जैसी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयारी करते हुए अपने जनसांख्यिकीय लाभ का लाभ उठाने में मदद करेगा। तीसरा उप-समूह प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करेगा।

कैसे तय होती है ...

जाता है। पिछले कुछ सालों में ईपीएफ ब्याज दर में गिरावट आई है, जिससे कई कर्मचारियों को रिटायरमेंट बचत पर कम रिटर्न मिला है। ईपीएफ एक दीर्घकालिक बचत विकल्प है, जहां कर्मचारियों की सैलरी का एक हिस्सा जमा होता है और कंपनी भी उसमें योगदान देती है। लेकिन ब्याज दर घटने से रिटर्न पर असर पड़ता है।

थरूर, पांडा और सुप्रिया...

प्रतिनिधिमंडल बहरीन की राजधानी मनामा पहुंच गया है। इसके अलावा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी, शरद पवार) की नेता सुप्रिया सुले की अगुवाई वाला प्रतिनिधिमंडल ने कतर से अपनी यात्रा की शुरुआत की है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने चार प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को बीते शुक्रवार को उनकी यात्रा के संबंध में एक बैठक के जरिए विस्तार से जानकारी दी थी। यहां बता दें कि सात में से अब तक 6 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अपनी यात्रा पर रवाना हो चुके हैं। जबकि भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद की अगुवाई वाला अंतिम सातवां प्रतिनिधिमंडल रविवार (25 मई) को विदेश यात्रा के लिए निकलेगा।

इन प्रतिनिधिमंडलों में शामिल सदस्यः शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में एलजेपी (रामविलास) से शांभवी चौधरी, जेएमएम से डॉ.सरफराज अहमद, टीडीपी से जीएम हरीश बालयोगी, भाजपा से शशांक मणि त्रिपाठी, भुवनेश्वर कालिता, तेजस्वी सूर्या, शिवसेना मिलिंद देवड़ा और पूर्व राजदूत टीएस संधु शामिल हैं। सुप्रिया सुले के प्रतिनिधिमंडल में भाजपा से राजीव प्रताप रूडी, अनुराग सिंह ठाकुर, वी.मुरलीधरन, आप से विक्रमजीत सिंह साहनी, कांग्रेस से मनीष तिवारी, आनंद शर्मा, टीडीपी से लावु. श्री कृष्ण देवरायलु और पूर्व राजदूत सैयद अकबरुद्दीन शामिल हैं। इसके अलावा बैजयंत पांडा के प्रतिनिधिमंडल में भाजपा से निशिकांत दुबे, पी.कोन्याक, रेखा शर्मा, एआईएमआईएम से असदुद्दीन ओवैसी, नामित सांसद सतनाम सिंह संधु, कांग्रेस से गुलाम नबी आजाद और पूर्व राजदूत हर्षवर्धन श्रृंगला शामिल हैं।

भारत को मिला रूस, जापान, यूएई का साथः वहीं, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के उक्त प्रयासों के जरिए आतंकवाद को लेकर भारत को अब तक जापान, रूस और यूएई का साथ मिला है। द्रमुक नेता कनिमोझी ने रूस में कहा कि भारत की कार्रवाई केवल पाकिस्तान और उसके समर्थन से चल रहे आतंकी कैंपों को नेस्तनाबूद करने के लिए की गई थी। जिसमें उनके किसी भी सैन्य या नागरिक इलाके पर हमला नहीं किया गया। पाकिस्तान आतंकियों को बचाने के लिए झूठा प्रचार करने का विकल्प अपनाता है। लेकिन अब भारत पाकिस्तान द्वारा किए जाने वाले आतंकवादी हमलों तक उसके साथ बातचीत की मेज पर नहीं बैठेगा। उन्होंने संघर्षविराम को लेकर ट्रंप द्वारा श्रेय लेने के मामले पर कहा कि जब दो देशों के बीच ऐसा कुछ होता है। तो कई राष्ट्राध्यक्ष बातचीत करते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि स्वतंत्र देश स्वतंत्र रूप से अपना निर्णय लेते हैं। उनका दल रूस की यात्रा पूरी कर स्लोवेनिया के लिए रवाना हो गया। उधर, जेडीयू नेता संजय कुमार झा और शिवसेना (शिंदे) नेता श्रीकांत शिंदे की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल अपनी क्रमशः जापान और यूएई की यात्रा पूरी कर अगले पड़ाव की ओर अग्रसर हैं।

देश में आतंक मचाने...

देश का नागरिकों की सुरक्षा को लेकर कुछ भी कहना अंतरराष्ट्रीय समुदाय का अपमान है। खुली बहस संघर्ष क्षेत्रों में नागरिकों, मानवीय कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और यूएन कर्मियों पर खतरों पर केंद्रित थी।

यूं स्थगित किया सिंधु जल समझौताः भारतीय राजदूत ने कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौता (आईडब्ल्यूटी) तब तक स्थगित रहेगा। जब तक पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ अपना समर्थन देना पूरी तरह से बंद नहीं करता है। उन्होंने चार बिंदुओं के साथ बताया कि आखिरकार भारत ने आईडब्ल्यूटी को क्यों स्थगित किया। जिसमें, पहला-भारत 65 साल पहले इस समझौते में भरोसे के साथ शामिल हुआ था। लेकिन उसके बाद पाक द्वारा समझौते की भावना का उल्लंघन कर भारत के खिलाफ छेड़ी गई तीन लड़ाइयों और हजारों आतंकी हमले किए गए। दूसरा-65 वर्षों में जमीनी स्तर पर मूलभूत बदलाव आ चुके हैं। तीसरा- बांधों के ढांचे के निर्माण से जुड़ी तकनीक काफी बदल चुकी है और अंत में चौथा-समझौते में बदलाव को लेकर भारत द्वारा चर्चाओं के निवेदन को पाक द्वारा स्वीकार न किया जाना मुख्य हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के पीछे की वजहः गौरतलब है कि पाकिस्तान समर्थित लश्कर-ए-तैयबा के छद्म संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट द्वारा बीते अप्रैल महीने की 22 तारीख को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में किए गए आतंकी हमले में कुल 26 निर्दोष नागरिकों की उनका धर्म पूछकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। जिसमें 25 भारतीय और 1 नेपाली नागरिक शामिल था। भारत की सशस्त्र सेनाओं ने इसके जवाब में 7 मई की देर रात पाकिस्तान के बहावलपुर और मुरीदके के अलावा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद 9 आतंकवादी कैंपों को नष्ट कर दिया था। जिससे बौखलाए पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारत के सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया। जवाब में भारतीय सेना, वायुसेना ने अपने सटीक हमलों के जरिए पाकिस्तानी वायुसेना के दर्जनभर से अधिक हवाई अड्डों को ध्वस्त कर दिया। इससे घबराए पाक ने आखिर में भारत के सामने घुटने टेकते हुए 10 मई की शाम पांच बजे से गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए संघर्षविराम लागू किया। जो कि फिलहाल जस का तस कायम है।

---

107 पदों पर खुली आवेदन विंडो

बीएड विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का मौका

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने बीएड विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर के 107 पदों पर भर्ती के लिए एक बार फिर से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया चालू की है।

यह भर्ती पहले वर्ष 2022 में विज्ञापन संख्या-51 के तहत निकाली गई थी। लेकिन उच्च न्यायालय के आदेश के बाद इसे रद्द कर संशोधित रूप में दोबारा जारी किया गया है।

आवेदन कैसे करें

इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन से पहले विस्तृत विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़ना बेहद जरूरी है, ताकि सभी जरूरी शर्तों और दिशा-निर्देशों को समझकर सही तरीके से आवेदन किया जा सके।

कोर्ट के आदेश के अनुसार संशोधन

इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल याचिका पर सुनवाई के बाद यह पाया गया कि पहले निकाली गई भर्ती में बीएड विषय की शैक्षिक योग्यता (राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद) के मानकों के अनुसार नहीं थी। इसी आधार पर कोर्ट ने 2022 की भर्ती रद्द कर दी और निर्देश दिया कि योग्यताओं के अनुसार पुनः विज्ञापन जारी किया जाए। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए यह संशोधित विज्ञापन प्रकाशित किया है। योग्यता और आवेदन की शर्तें इस बार सिर्फ वे अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

खबर मिलते ही चीख पुकार मची

नहाते समय नहर में डूबे दो भाई, पुलिस गोताखोरों की मदद से तलाश में जुटी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी के श्रावस्ती में शनिवार की दोपहर नहाते समय दो भाई नहर में डूब गए। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। कुछ ही देर में लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस गोताखोरों की मदद से उनकी तलाश करने में जुटी है।

मामला हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के देवरा के माजरा भाटनदेवरा गांव का है। गांव निवासी सरवर (24) पुत्र शेर अली अपने छोटे भाई बसारत (22) के साथ दोपहर को राप्ती सरयू योजक नहर में नहाने गया था। दोनों ने अपनी चप्पल, कपड़ा, साबुन, तौलिया समेत अन्य सामान नहर के किनारे रख दिया। इसके बाद नहर में नहाने लगे। इसी समय पैर फिसलने से सरवार अचानक गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए बसारत भी गहरे पानी में उतर गया। कुछ ही देर में दोनों भाई नहर में डूब गए। पास में मवेशी चरा रहे चरवाहों ने देखा तो भागकर पहुंचे। उन्होंने गांव आकर इसकी सूचना ग्रामीणों और परिजनों को दी। खबर मिली तो परिजन और ग्रामीण भागकर पहुंचे। उधर सूचना पर नायब तहसीलदार विजय प्रकाश गुप्ता के साथ मौके पर थानाध्यक्ष सौरभ सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

जमथरा घाट पर पंचतत्व में हुए विलीन

राजकीय सम्मान के साथ हुआ शहीद लेफ्टिनेंट शशांक का अंतिम संस्कार

मुखाग्नि शहीद के पिता जंग बहादुर तिवारी ने दी

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

सिक्किम में शहीद लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी अयोध्या में पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका अंतिम संस्कार पवित्र सरयू के जमथरा घाट पर किया गया। मुखाग्नि शहीद के पिता जंग बहादुर तिवारी ने दी।

इस दौरान सेना के अफसरों ने शहीद के पिता को ढांढस बंधाया। इससे पहले शहीद के आवास से हजारों की संख्या में स्थानीय लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए। सेना के अधिकारियों ने जमथरा घाट पर श्रद्धांजलि देते हुए सलामी दी। रामनगरी के लाल शहीद लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी का पार्थिव शरीर शुक्रवार की रात उनके गद्दोपुर मझवा स्थित आवास पहुंचा। सेना के अधिकारी मिलिट्री हॉस्पिटल से पार्थिव शरीर लेकर उनके घर पहुंचे। शनिवार को सुबह से उनके घर पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। स्थानीय नागरिकों ने शशांक को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सेना के जवान पार्थिव शरीर को लेकर सरयू के जमथरा घाट पहुंचें। इस दौरान भारत माता की जय, शहीद शशांक अमर रहें...जैसे नारों से क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। वहां पर शहीद लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

लोगों ने शहीद शशांक तिवारी को दी श्रद्धांजलि

जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी गौरव ग्रोवर, डोगरा रेजीमेंट सेंटर के उच्चाधिकारियों और विधायक वेद प्रकाश गुप्त, रामचंद्र यादव, अमित सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, पूर्व मंत्री पवन पांडेय, पूर्व मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव समेत अन्य लोगों ने शहीद शशांक तिवारी को श्रद्धांजलि दी।

भविष्य की दुनिया बदल देगी
जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी

संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट

प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे
ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा कामः डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजनाः भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसानः सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षमः रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

गजल

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य

संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ू इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब।* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

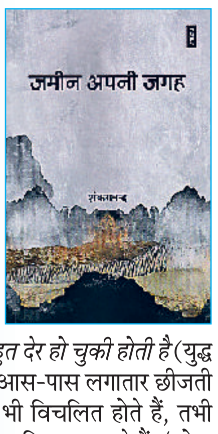

पुस्तकः जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकारः** शंकरानंद, **मूल्यः** 295 रुपए, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

तहसीलदार ने भिंड जिले का मृत्यु प्रमाणपत्र किया जारी, किए गए अटैच, ऑपरेटर की सेवा समाप्त

भिंड तहसीलदार के अजीबोगरीब आदेश से महकमे की हुई फजीहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भिंड जिले के तहसीलदार मोहन लाल शर्मा ने एक अजीबोगरीब आदेश जारी कर पूरे महकमे को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने माता, पिता, जिला, गांव सभी के नाम भिंड बताकर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया।

इस आदेश में तहसीदार ने कहा कि नाम भिंड, पिता का नाम भिंड, घर का पता भिंड की मृत्यु 8 नवंबर 2018 को हो गई, इसलिए इसे मृत्यु रजिस्टर में दर्ज किया जाए। हालांकि कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने इसे गंभीरता से लेते तहसीलदार को लैंड रिकार्ड में अटैच कर दिया, जबकि संबंधित ऑपरेटर को सेवा के अलग करने का निर्देश दिया है।

अलग खबर

कलेक्टर ने लिया एक्शन, नोटिस भी जारी

भिंड के रहने वाले आवेदक ने रजिस्ट्रार को दिया था आवेदन

दरअसल, भिंड के रहने वाले आवेदक गोविंद पुत्र रामहेत निवासी चतुर्वेदी नगर वार्ड 22 ने रजिस्ट्रार को आवेदन दिया था। इस आधार पर तहसीलदार/रजिस्ट्रार ने 5 मई को आदेश जारी किया कि मप्र जन्म व मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 1999 की कंडिका 9-3 के तहत निर्देश देने के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रार्थना पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र अन्य दस्तावेज एवं नगर निगम का अनापत्ति पत्र पर आधारित है। इससे संतुष्ट हूं कि श्री भिंड, पिता का नाम भिंड, माता का नाम भिंड, मृत्यु स्थान भिंड, घर भिंड पर दिनांक 18 नवंबर 2018 को हुआ है। अतः आदेश द्वारा निर्देशित करता हूं कि भिंड पुत्र भिंड के मृत्यु को मृत्यु रजिस्टर में दर्ज किया जाए। बताते हैं कि आदेश जारी होने के बाद यह पत्र वायरल हो गया। इसकी जानकारी जैसे ही वरिष्ठ अधिकारियों को हुई, इसके बाद इस पर तत्काल कार्रवाई की गई।

यह होना चाहिए था, यह हो गया

कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि इस तरह का गैर जिम्मेदाराना आदेश जारी करने पर तहसीलदार को लैंड रिकॉर्ड में अटैच किया गया है। जबकि ग़लत नाम भरने वाले ऑपरेटर को सेवा से पृथक करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं है, बल्कि मृत्यु पंजीयन में विलम्ब माफ करने के लिए पंजीयक को लिखा गया पत्र है। यह वस्तुतः अस्पताल को लिखा गया था, जो गलत होने पर पंजीयक को गलती इंगित कर लौटाना चाहिए था। किंतु ऐसा नहीं किया गया। इस मामले में प्रथम दृष्टया तहसीलदार की गलती मानी गई है। कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी भूमिका तय कर क्रमबद्ध तरीके से योजना बनाकर काम करें: शर्मा

महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में 2 हजार बहनें संभालेंगीं सुरक्षा से लेकर प्रचार तक की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में 31 मई को देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर जम्बूरी मैदान में होने वाले महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह एवं संगठन महामंत्री हितानंद ने प्रदेश कार्यालय में भोपाल जिले की बैठक की। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी रचनात्मकता के साथ जुट जाएं। उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि देवी अहिल्याबाई ने 300 साल पहले जिस तरह महिला सशक्तीकरण की अलख जगाई थी, उसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी महिला सशक्तीकरण का संकल्प लेकर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई की जयंती का कार्यक्रम बहनों का कार्यक्रम है और हमें इस कार्यक्रम की तैयारियों में पूरे उत्साह के साथ जुटना है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि कार्यक्रम में प्रत्येक बूथ पर बहनों की भागीदारी हो, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी भूमिका तय करें और क्रमबद्ध तरीके से योजना बनाकर काम करे। हमें कार्यक्रम में आने वाली मेहमान बहनों तथा अतिथियों के स्वागत की तैयारी पूरे उत्साह के साथ करना है। इस दौरान प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह जादौन, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, पार्टी के प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, महापौर मालती राय, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, जिला प्रभारी महेन्द्र यादव एवं जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र एवं संगठन महामंत्री हितानंद ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक की

खास बातें

- प्रदेश नेतृत्व ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में भोपाल जिले की बैठक को किया संबोधित
- 31 मई को देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर जम्बूरी मैदान में होगा ऐतिहासिक आयोजन

कार्यक्रम की हर व्यवस्था संभालें महिला कार्यकर्ता: डॉ. सिंह

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने 300 साल पहले जिन मुश्किलों के बीच शासन व्यवस्था संभाला और अपनी सक्षमता साबित की। 21 वीं सदी की हमारी बहनें भी उतनी ही सक्षम हैं, यह संदेश हमें इस कार्यक्रम के माध्यम से देना है। महासम्मेलन महिलाओं का है, इसलिए हमें आयोजन की जिम्मेदारी भी बहनों के हाथों में सौंपना है। इसके लिए 2000 बहनों का चयन करें और उनकी एक बैठक आयोजित कर उन्हें प्रशिक्षित करें। हमारा प्रयास हो कि कार्यक्रम में सुरक्षा से लेकर इसके प्रचार तक की व्यवस्थाएं महिलाएं संभालें और उनकी पोशाक भी एक जैसी हो। डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भोपाल आ रहे हैं, इसलिए हमें उनके स्वागत की भी उत्साहपूर्वक तैयारियां करना है।

देवी अहिल्याबाई ने किया हर वर्ग का उत्थान : हितानंद

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने इंदौर-महेश्वर से 300 साल पूर्व हर समाज के उत्थान के साथ-साथ स्वावलंबन, सुशासन और महिला सशक्तिकरण को लेकर मिसाल पेश की थी। हमें गर्व है कि देवी अहिल्याबाई होल्कर की कर्मभूमि मध्यप्रदेश रही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात कार्यक्रम' में भोपाल जिला भी प्रदेश के टॉप छह जिलों में शामिल है। इस बात की प्रसन्नता है कि 'मन की बात कार्यक्रम' में सहभागिता करीब सौ प्रतिशत के आस-पास रह रही है। सभी इसके लिए बधाई के पात्र हैं, लेकिन लोगों से हमेशा जुड़ाव रहे, इसके लिए हमें हमेशा निरंतर प्रयास कर नवचारों को अपनाते रहना होगा।

टैक्स लॉ बार एसो. की सदस्यों के लिए आयोजित हुई परिचर्चा

जीएसटी ट्रिब्यूनल की राजधानी में स्थापना से मिलेंगे शहर के कर सलाहकारों को विशेष अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में जीएसटी ट्रिब्यूनल की स्थापना केवल भोपाल में हो रही है, इसमें करदाताओं की ओर से उपस्थित होने वाले भोपाल के कर सलाहकारों के लिए एक विशेष अवसर रहेगा। ट्रिब्यूनल में द्वितीय अपील कैसे फाइल करना है उसके लिए क्या प्रक्रिया रहेगी, इस बारे में युवा कर सलाहकार पलाश खुरपिया ने टैक्स लॉ बार एसोसिएशन द्वारा सदस्यों के लिए आयोजित परिचर्चा में जानकारी दी।

पलाश ने बताया कि जीएसटी कानून में जीएसटी ट्रिब्यूनल को अपील प्रस्तुत करने में हुई देरी को क्षमा करने की शक्ति नहीं दी गई है, जबकि आयकर विधान में ट्रिब्यूनल को देरी को क्षमा करने की शक्तियां है। उन्होंने कहा कि यहां अपील प्रस्तुत करने के लिए न्यूनतम शुल्क 5000 रुपए है एवं अधिकतम शुल्क 20000 रुपए है, जो अधिक है इसे कम किया जाना चाहिए।

रजिस्ट्रार मुख्य धुरी के रूप में काम करेगा

पलाश ने बताया कि जीएसटी ट्रिब्यूनल की मुख्य बैंच दिल्ली में है एवं अन्य राज्यों में केंद्र सरकार द्वारा जरूरत के हिसाब से बैंचों की संख्या नोटिफाई की जा चुकी है, प्रत्येक बेंच में दो जुडिशियल एवं एक-एक टेक्निकल सदस्य राज्य जीएसटी एवं केंद्रीय जीएसटी से सदस्य होंगे। इसमें रजिस्ट्रार एक मुख्य धुरी के रूप में कार्य करेगा, क्योंकि ट्रिब्यूनल के संचालन में उन्हें बहुत अधिक जिम्मेदारियां दी गई हैं। उन्होंने बताया कि अगर किसी पारित आदेश में एक से अधिक वर्षों के प्रकरण हैं तो प्रत्येक के लिए अलग-अलग अपील प्रस्तुत करनी होगी एवं सबके लिए अलग-अलग फीस जमा करनी होगी, जिस कारण करदाताओं पर अनावश्यक भार आएगा, इसके लिए सरकार को कुछ रास्ता निकालना चाहिए।

शादी समारोह से ठीक पहले उठाया कदम पुलिस कर रही जांच

संदिग्ध परिस्थिति में फंदे पर लटका मिला युवती का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

भिलाई छावनी थाना क्षेत्र के पावर हाउस के आधुनिक लॉज के एक कमरे में युवती ने आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान पूजा साहनी निवासी बलिया के रूप में हुई है।

पूजा की शादी भिलाई में होने वाली थी इसके लिए वह दो दिन पहले ही अपने परिवार के साथ भिलाई आई थी। जानकारी के मुताबिक, पूजा और उसका पूरा परिवार पावर हाउस के आधुनिक लॉज में रुका हुआ था। इसी बीच अचानक डोली उठने के पहले ही पूजा साहनी की अर्थी उठ गई। बताया जा रहा है कि पूजा साहनी ने लॉज के एक रूम में फांसी का फंदा बनाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली तो वही मृतका पूजा साहनी ने किसी भी प्रकार का कोई सुसाइडल नोट भी नहीं छोड़ा है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजा है। मृतका के मोबाइल की कॉल डिटेल भी खंगाली जा रही है। पूजा साहनी ने शादी से ठीक पहले आत्महत्या क्यों की, इसका जवाब अभी तक नहीं मिला है। पुलिस मामले में परिजनों से पूछताछ कर जांच कर रही है।

भिलाई में होने वाली थी शादी, दो दिन पहले आई थी परिवार के साथ

कोरोना प्रोटोकॉल के तहत हो रहा उपचार

रायपुर में मिला कोविड-19 का पहला मरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कोविड-19 का पहला मामला सामने आया है। रायपुर में कोरोना संक्रमित मरीज मिला है, जिसका इलाज एक निजी अस्पताल में जारी है। जहां उसका

इलाज कोरोना प्रोटोकॉल के तहत किया जा रहा है। मरीज को सिंगल वार्ड में रखा गया है और इलाज की अलग से विशेष व्यवस्था की गई है। जानकारी के सानूर, रायपुर के पचपेड़ी नाका, लक्ष्मीनगर निवासी है।

बीते दिनों वह सर्दी-खांसी के रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल गया था। डॉक्टर्स ने मरीज के लक्षणों के आधार पर कोरोना की आशंका जताई। इस दौरान उस व्यक्ति का सैंपल लिया गया। रिपोर्ट पॉज़िटिव आने के बाद तुरंत उसे आइसोलेट कर इलाज शुरू किया गया। देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। केरल से लेकर मुंबई और दिल्ली तक बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित मिले चुके हैं। इसे लेकर सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। अस्पतालों को कहा गया है कि वे बेड और ऑक्सीजन का पर्याप्त इंतजाम कर लें। दिल्ली में अब तक 23 केस मिल चुके हैं।

नाखून गायब, प्राइवेट पार्ट सहित गले व अन्य हिस्सों में गंभीर चोट

जंगल के बीच चट्टानों में मिली घायल युवती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कबीरधाम

जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार शाम के समय बंदौरा के जंगल में चट्टानों के बीच एक लड़की बेहोशी की हालत में पड़ी मिली है। उसी स्थान पर पिकनिक मनाने गए पहुंचे कुछ लोगों ने लड़की को देखा।

देर शाम तक कवर्धा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वर्तमान में लड़की की हालत नाज़ुक बताई जा रही है। पुलिस को लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म का शक है। लड़की के प्राइवेट पार्ट में चोट के निशान हैं। लड़की कबीरधाम जिले के पंडरिया ब्लॉक की निवासी है। लड़की की गंभीर स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को रायपुर रेफर किए जाने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि युवती के साथ बर्बरता की सारी सीमाएं लांघी गई हैं। युवती के पैर का नाखून गायब है। गले व शरीर के दूसरे हिस्सों में भी गंभीर चोट हैं।

पीड़िता का प्रेमी हिरासत में

इस संबंध में कुकदूर थाना प्रभारी टीआई जेएल शांडिल्य ने बताया कि मामले में कुछ संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रहीं है। वर्तमान में लड़की कवर्धा के जिला अस्पताल में भर्ती है। लड़की की स्थिति ठीक नहीं है। वह बोलने की स्थिति में नहीं है। ठीक होने के बाद उसका बयान लिया जाएगा। प्रारंभिक पूछताछ में लड़की ने बताया कि वह अपने प्रेमी के साथ जंगल घूमने गई थी। इसी दौरान उनकी आपस में लड़ाई व हाथापाई हुई। प्रेमी युवक ने लड़की को जंगल में छोड़कर चला गया। लड़की के गले व शरीर के अन्य भाग में संघर्ष, चोट के निशान है। लड़की को मेकाहारा रायपुर रेफर कर दिया गया है। युवती की स्थिति सामान्य होने पर संपूर्ण बयान दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा लड़की के प्रेमी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

गरज-चमक के साथ आंधी-तूफान की संभावना

20 जिलों में मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है। राजधानी रायपुर में सुबह से बारिश हो रही है। रात में मौसम में बदलाव हुआ, जिसके बाद सुबह के समय बादल छाए रहे। आठ बजे से झमाझम हो रही है। प्रदेश के 20 जिलों में मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। यहां गरज-चमक के साथ बारिश और आंधी-तूफान चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के नारायणपुर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद और दुर्ग में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली और हवा 40-50 किमी की रफ्तार से चलने की संभावना है। साथ ही महासमुंद, रायपुर, जांजगीर- चांपा, बिलासपुर, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली और तेज हवा चलने की संभावना है। इस दौरान कई जगहों पर तेज बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक अनेक जगहों पर गरज चमक के साथ हल्की मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। इस दौरान अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। दूसरी ओर केरल में अगले दो दिनों में मानसून के आगमन के लिए परिस्थितियों अनुकूल होने की संभावना है।

गीतम डीम्ड यूनिवर्सिटी गीतम बिजनेस स्कूल ने अभिनव प्रबंधन कार्यक्रम शुरू की

विशाखापत्तनम। गीतम डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बिजनेस (**GSB**) ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए प्रबंधन में कई अत्याधुनिक स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की शुरुआत की घोषणा की है, जिन्हें कॉर्पोरेट मांगों को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय मानकों को बनाए रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह घोषणा **GSB** के डीन प्रो. राजा पी. पप्पू ने की। उन्होंने बताया कि जीएसबी एसीसीए योग्यता के साथ बी.कॉम की पेशकश कर रहा है जो कि विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट (एसीसीए) प्रमाणन है, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज अकादमी (एनएसईए) के सहयोग से बीबीए (वित्तीय बाजार) और ब्लूमबर्ग और एनएसई लैब्स के साथ बीबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) की पेशकश की जा रही है। उन्होंने आगे घोषणा की कि जीएसबी आंध्र प्रदेश मेडटेक ज़ोन (एएमटीजेड) और एकेडमी ऑफ़ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (एएचए) के सहयोग से हेल्थकेयर और हॉस्पिटल मैनेजमेंट में एक नया एमबीए प्रोग्राम एमबीए भी शुरू कर रहा है। उन्होंने कहा कि जीएसबी ने यूनिवर्सिटी ऑफ़ नॉर्थ कैरोलिना विलमिंगटन (यूएनसीडब्ल्यू), यूएसए और यूनिवर्सिटी ऑफ़ सरे, यूके के सहयोग से इंटरनेशनल कंसल्टिंग इमर्शन प्रोग्राम (आईसीआईपी) भी पेश किया है।

गुरुग्राम में जश्न-ए-अदब कल्चरल कारवां विरासत: सुरों शब्दों और संस्कृति का दो दिवसीय महासंगम की शुरुआत

गुरुग्राम। जब सुर, शायरी, कथक और कहानियाँ एक मंच पर सजें, तो समझ लीजिए कि जश्न-ए-अदब कल्चरल कारवां विरासत की रूहानी शामें लौट आई हैं। इस बार यह शानदार साहित्योत्सव की शुरुआत 24 मई को गुरुग्राम के द एस्प्लेनेड मॉल, सेक्टर 37सी में शुरुआत हुई, सबसे खास बात कि सभी के लिए प्रवेश निःशुल्क है।उद्घाटन के साथ ही शुरू हुई 'कथक-कथा', जहाँ रिचा जैन और उनके ग्रुप के थिरकते पैरों और घुँघरुओं की आवाज़ में इतिहास और नृत्य की मधुर मिलन गाथा सुनाई दी। रिचा जैन और उनके ग्रुप ने अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम पर शानदार परफॉरमेंस दी । इसके बाद लेखक डॉ. महेन्द्र भीष्म अपनी चर्चित कृति 'कहानी एक किरदार अनेक' के बहाने भारती जी के साथ संवाद में भारतीय समाज की परतें खोली।शाम को महफिल में कवियों और शायरों - गुलज़ार वानी (आईआरएस), मीनाक्षी जिजीविषा, रंजन निगम,

अनस फैज़ी, इमरान राही, शाकिर देहलवी, हमज़ा बिलाल और नितिन कबीर जैसी नामचीन हस्तियों ने अपनी रचनाओं से दर्शकों के दिलों को छू लिआ। शाम ढलते-ढलते मंच पर पद्म भूषण पं. साजन मिश्रा और स्वरांश मिश्रा ने शास्त्रीय गायकी से मन को वृंदावन की गलियों में पहुँचा दिया और फिर डॉ. ममता जोशी और उनके ग्रुप की सूफियाना पेशकश 'मोहे लागी लगन' के साथ पहले दिन का समापन किया। सुरों, शब्दों और संस्कृति का महासंगम कल भी जारी रहेगा ।

मंत्री सारंग की मदद से लिवर की बीमारी से ग्रसित मासूम को मिलेगा इलाज

सात साल की बच्ची को एयरलिफ्ट कर गुड़गांव के अस्पताल में किया शिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग की मदद से लिवर की गम्भीर बीमारी से ग्रसित भोपाल के नरेला विधानसभा वार्ड क्रमांक 40 निवासी 7 वर्षीय बच्ची को एयरलिफ्ट कर गुड़गांव के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के पीडियाट्रिक लिवर यूनिट में शिफ्ट किया गया।

दरअसल बच्ची का परिवार अपनी समस्या के लेकर मंत्री सारंग के निवास पर 'जनदर्शन' में गया था। जहां सारंग ने तत्काल बच्ची को स्थिति को देखकर भोपाल एम्स में इलाज प्रारंभ करवाया था। जहां जांच के दौरान पता चला कि बच्ची को 'एक्यूट हेपेटाइटिस विथ इंपैंडिंग लिवर फैलियर' है। बच्ची को शुक्रवार को एयरलिफ्ट कर गुड़गांव भेजा गया है। बच्ची के इलाज के लिए परिवार ने मंत्री सारंग का आभार व्यक्त किया है।

परिवार ने मंत्री सारंग से लगाई थी गुहार

अपने निवास पर 'जनदर्शन' में मंत्री सारंग करते हैं लोगों की सहायता

उल्लेखनीय है कि मंत्री सारंग हर दिन अपने निवास पर जनदर्शन करते हैं। यहां भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचते हैं। जिनकी समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाता है।

सोवियत संघ के काल से ही रूस वस्तुतः कश्मीर विवाद के जटिल प्रश्न पर पाकिस्तान के विरुद्ध भारत को बिना किसी शर्त के एक तरफा समर्थन प्रदान करता आया है। लेकिन हाल ही में हुए भारत-पाक सैन्य संघर्ष में रूस द्वारा संघर्षरत दोनों देशों के मध्य तटस्थ रहकर द्विपक्षीय वार्ता अंजाम देने की पेशकश की गई। राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने फरमाया कि दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों के साथ अपने ताल्लुकात को रूस बराबरी के स्तर पर अपनी तवज्जो प्रदान करता है। जब से भारत कूटनीतिक तौर पर अमेरिका के निकट हुआ है, तभी से रूस का भारत के प्रति कूटनीतिक खिंचाव बढ़ता गया है। भारत पाक के बीच ताजा झड़प में हमने देख लिया कि कौन हमारे साथ खड़ा है। दूसरी ओर, ईयू-यूके में हुए ताजे समझौते के बाद यूरोप को भारत की याद आ रही है। बदलते विश्व में भारत की बड़ी भूमिका होगी, बशर्ते हम पिछलग्गू ना बनें। हमें आत्मावलोकन करना होगा। बयानबाजी और कड़े तेवर नहीं, बल्कि विनम्रता और धैर्य इस नए दौर की राजनयिक मुद्रा होगी। आजकल के ताजा अंक में पेश है विश्व पटल पर निर्मित हो रहे सैन्य गठबंधनों पर एक विश्लेषण...

भारत-पाक सैन्य संघर्ष में कूटनीति का दीदार

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

भारत और पाक के मध्य सैन्य संघर्ष के दौर में भारत के प्रति रूस की कूटनीति का एकदम नया चेहरा उजागर हो गया। ऐतिहासिक रूप से दृष्टि डालें तो फिर सोवियत संघ के काल से ही तथा सन् 1991 में सोवियत संघ के विघटन के तत्पश्चात के कालखंड में भी रूस वस्तुतः कश्मीर विवाद के जटिल प्रश्न पर पाकिस्तान के विरुद्ध भारत को बिना किसी शर्त के एक तरफा समर्थन प्रदान करता रहा। उस वक्त के सोवियत संघ ने संपूर्ण कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग करार दिया था। पहलगाम में अंजाम दिए गए जिहादी आक्रमण के बाद भारतीय सेना द्वारा पाक के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई को लेकर रूस की भारत के प्रति व्यक्त की गई प्रतिक्रिया को बहुत सकारात्मक तौर पर नहीं देखा जा सकता है।

सिर्फ चार दिनों के भारत-पाक सैन्य संघर्ष के दौरान विश्व पटल पर भारत द्वारा कूटनीतिक कलाबाजियों और जटिलताओं का जबरदस्त दीदार किया गया। विश्व पटल पर बनते और बिगड़ते सैन्य गठबंधनों के दौर में परमाणु बमों से लैस दुनिया तृतीय विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी है। भारत और पाक के मध्य सैन्य संघर्ष के दौर में भारत के प्रति रूस की कूटनीति का एकदम नया चेहरा उजागर हो गया।

ऐतिहासिक रूप से दृष्टि डालें तो फिर सोवियत संघ के काल से ही तथा सन् 1991 में सोवियत संघ के विघटन के तत्पश्चात के कालखंड में भी रूस वस्तुतः कश्मीर विवाद के जटिल प्रश्न पर पाकिस्तान के विरुद्ध भारत को बिना किसी शर्त के एक तरफा समर्थन प्रदान करता रहा। वर्तमान भारत-पाक सैन्य संघर्ष में रूस द्वारा संघर्षरत दोनों देशों के मध्य तटस्थ रहकर द्विपक्षीय वार्ता अंजाम देने की पेशकश की गई। जब कभी भी भारत और रूस के कूटनीतिक संबंधों की चर्चा होती है तो फिर सोवियत संघ के दौर वाली गर्म जोशी को प्रायः भारतवासी याद किया करते हैं। शीत युद्ध के दौर में कश्मीर विवाद पर अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा सदैव पाकिस्तान का पक्ष लिया गया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्यों में सोवियत संघ ही एकमात्र देश था, जिसने कि सन् 1957, 1962 और 1971 में कश्मीर विवाद में संयुक्त राष्ट्र की दखलंदाजी वाले पश्चिमी देशों के प्रस्ताव को वीटो करके निरस्त कर दिया था। उस वक्त के सोवियत संघ ने संपूर्ण कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग करार दिया था।

रूस की प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक नहीं

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के विरुद्ध पेश किए गए प्रस्तावों को रूस द्वारा कुल मिलाकर छह बार वीटो करके निरस्त किया गया। इनमें रूस द्वारा किए गए अधिकतर वीटो कश्मीर विवाद में संयुक्त राष्ट्र की दखलअंदाजी को लेकर थे। सन् 2019 में जब भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर प्रांत का विशेष दर्जा समाप्त करने का ऐलान किया था, तब भी प्रेसिडेंट पुतिन की रूसी सरकार ने भारत का खुलकर समर्थन किया था। लेकिन पहलगाम में अंजाम दिए गए नृशंस जिहादी आक्रमण के बाद भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध की गई सैन्य कार्रवाई को लेकर रूस की भारत के प्रति व्यक्त की गई प्रतिक्रिया को बहुत सकारात्मक तौर पर नहीं देखा जा सकता है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने फरमाया था कि भारत हमारा रणनीतिक पार्टनर है और पाकिस्तान भी हमारा राजनीतिक पार्टनर है। दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों के साथ अपने ताल्लुक़ात को रूस बराबरी के स्तर पर अपनी तवज्जो प्रदान करता है। राष्ट्रपति पुतिन का भारत का सरकारी दौरा दिसंबर 2021 में संपन्न हुआ था। फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के तत्पश्चात पुतिन भारत नहीं पधारे हैं। दूसरी तरफ राष्ट्रपति पुतिन दो दफा चीन का शासकीय दौरा कर चुके हैं। इस दौरान वह अन्य देशों का भी दौरा करते रहे हैं। यहां तक कि सितंबर 2023 में दिल्ली में आयोजित जी 20 समिट में भी राष्ट्रपति पुतिन ने शिरकत नहीं की। भारत-पाक सैन्य संघर्ष के दौर में जब पाकिस्तान को प्रेसिडेंट शी जिनपिंग का चीन खुलकर समर्थन प्रदान कर रहा था तो भारत की तरफ से यह उम्मीद व्यक्त की जाती रही कि रूस द्वारा भारत का खुलकर समर्थन किया जाना चाहिए। भारत और रूस के ताल्लुक़ात यकीनन अब पहले जैसे कदाचित नहीं रहे हैं। जब से भारत कूटनीतिक तौर पर अमेरिका के निकट हुआ है, तभी से रूस का भारत के प्रति कूटनीतिक खिंचाव बढ़ता गया है।

रूस से सैन्य हथियारों का आयात कम

सन् 2009 से लेकर सन् 2013 के मध्य रूस से भारत को हथियारों का आयात तकरीबन 76 फीसदी था, लेकिन 2019 से 2023 के मध्य रूस से सैन्य हथियारों के आयात में 36 फीसदी की गिरावट आई है। सैन्य हथियारों के लिए भारत की निर्भरता अमेरिका एवं पश्चिमी देशों पर बढ़ गई है। भारत द्वारा रूस से अपेक्षाकृत सस्ता तेल आयात करने में काफी वृद्धि नजर आई। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत द्वारा रूस के प्रति एक तरफा समर्थन व्यक्त नहीं किया गया, बल्कि रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत ने कूटनीतिक मध्यस्थता का प्रस्ताव पेश किया। ठीक ऐसा ही रवैया रूस द्वारा भारत-पाक सैन्य संघर्ष में भारत के प्रति अपनाया गया है जबकि रूस ने भी कश्मीर विवाद पर भारत-पाक के मध्य मध्यस्थता करने का प्रस्ताव पेश किया है। शीत युद्ध के नए दौर में रूस बहुत संभल कर कदम उठा रहा है। रूस वस्तुतः चीन का अत्यंत निकट राजनीतिक और रणनीतिक पार्टनर बन गया है। चीन के विरुद्ध किसी सैन्य संघर्ष में सन्नद होकर रूस वस्तुतः भारत के साथ कदाचित खड़ा नहीं होगा। पाकिस्तान के विरुद्ध सन् 1971 की बांग्लादेश जंग में रूस भारत के पक्ष में खुलकर सैन्य तौर पर खड़ा हुआ था। लेकिन अब तो दुनिया बहुत बदल चुकी है। पाकिस्तान के ताल्लुक़ात अमेरिका और पश्चिमी जगत से पहले की तरह कायम नहीं रह गए हैं। यही कारण है कि रूस की नजदीकियां पाकिस्तान के साथ निरंतर बढ़ रही है।

भारत और अमेरिका में नजदीकियां बढ़ीं

अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत से प्रतिबंध हटा लेने के बाद रूस अब पाकिस्तान की मदद से अफगानिस्तान में अपने पैर जमाना चाहता है। 9/11 को न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर जिहादी आक्रमण के पश्चात भारत और अमेरिका के मध्य नजदीकियां बढ़ीं। अंतरराष्ट्रीय जिहादी आतंकवाद पर भारत और अमेरिका प्रायः एकजुट रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त 2021 में जब अमेरिकन सेना अफगानिस्तान से पलायन कर रही थी, तब काबुल एयरपोर्ट पर एक आत्मघाती हमला अंजाम दिया गया। इस आत्मघाती हमले में तेरह अमेरिकी सैनिक मारे गए और सौ अफगान नागरिक हलाक किए गए। अमेरिका सरकार के मुताबिक इस आतंकवादी आक्रमण के मास्टरमाइंड मोहम्मद शरीफुल्ला को पाकिस्तान की सक्रिय मदद से गिरफ्तार कर लिया गया। जिहादी आतंकवादी मोहम्मद शरीफुल्लाह की गिरफ्तारी पर प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से पाकिस्तान हुकूमत का शुक्रिया अदा किया, उससे यह पैगाम दिया गया कि पाकिस्तान अब अंतरराष्ट्रीय जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध विश्वव्यापी युद्ध में अमेरिका के साथ शामिल हो गया है और इसको पराजित करने में अमेरिका की इमदाद भी कर रहा है।

जिहादी आतंकवाद पर अमेरिका की दोहरी नीति

विगत दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका का दौरा किया था, तब दोनों मुल्कों की तरफ से संयुक्त बयान जारी किया गया। बयान के तहत बाकायदा पाकिस्तान का नाम लेकर कहा गया कि पाकिस्तान को मुंबई के 26/11 के आतंकवादी आक्रमण की साजिश रचने वालों को तत्काल न्यायिक कटघरे में लाया जाना चाहिए। भारत और अमेरिका ने अपने साझा बयान में यह भी कहा कि दोनों देशों के नेताओं द्वारा वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध में निरंतर जंग जारी रखने की सहमति व्यक्त की गई है। दुनिया के हर कोने से आतंकवाद को खत्म कर देने के लिए भारत और अमेरिका ने प्रतिबद्धता प्रकट की है। दोनों देशों ने जिहादी आतंकवादी गिरोहों क्रमशः अलकायदा, जैश ए मोहम्मद, लश्कर ए तैयबा और आईएसआईएस के विरुद्ध पर परस्पर सहयोग बढ़ाने पर अपनी सहमति व्यक्त की थी। वैश्विक जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध अमेरिका सदैव से ही पाखंड पूर्ण दोहरी नीति अपनाता आया है। वैश्विक आतंकवाद को गुड टैरेरिज्म और बैड टैरेरिज्म के मध्य तकसीम करता रहा है। अमेरिका भी वैश्विक आतंकवाद को सिर्फ अपने खुदगर्ज चश्मे से निहारता है। यानी अमेरिका को जो नुकसान पहुंचाए वह तो आतंकवाद है और जो भारत को अथवा किसी अन्य देशों को क्षति पहुंचाए वह आतंकवाद नहीं है। अभी सीरिया को ही देख लें कि बशर-अल-असद को सत्ता से बेदखल करके किस तरह से एक करोड़ डॉलर के इनाम याफ्ता जिहादी आतंकवादी सरगना मोहम्मद अल जुलानी को अमेरिका द्वारा सत्तासीन कराया गया है। पाकिस्तान सदैव से ही अमेरिका का फ्रंटलाइन स्टेट बना रहा है। कुछ लोग उम्मीद बांधे हुए थे कि प्रेसिडेंट ट्रंप प्रशासन पाकिस्तानी फौज पर लगाम कसेगा और इमरान की रिहाई के लिए दबाव डालेगा। लेकिन जिहादी आतंकवादी शरीफुल्लाह की गिरफ्तारी से अमेरिका और पाकिस्तान के मध्य प्रबल सहयोग बनता हुआ प्रतीत हो रहा है। अमेरिका अभी तानाशाह पाकिस्तानी फौज पर अपना पूरा एतमाद रखता है। अमेरिकन सरकार का स्पष्ट नजरिया है कि पाकिस्तान अभी कुछ मोर्चेबंदी पर उसके लिए बड़ा मददगार साबित हो सकता है। वह पाकिस्तान को चीन के सैन्य गुट में शामिल हो जाने से भी रोकना चाहता है। भारत के प्रति कूटनीतिक निकटता होते हुए भी डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य संघर्ष के दौर में अमेरिका और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तोला है। पाकिस्तान को उसके एफ-16 प्रोग्राम को बाकायदा चलाए रखने के लिए 3.97 करोड़ डॉलर प्रदान करने का ऐलान कर दिया गया। जबकि डोनाल्ड ट्रंप ने 90 दिनों तक किसी तरह की विदेशी मदद स्थगित करने का ऐलान किया था। उस वक्त प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा यह उदारता पाकिस्तान के प्रति दिखाई गई और इसी रोज भारत की चार कंपनियों पर अमेरिका ने प्रतिबंध भी आयद कर दिया। अमेरिकन सरकार का कहना है कि भारत की इन चार कंपनियों से ईरान को इमदाद मिल रही थी।

कूटनीतिक कलाबाजियों के मध्य राह बनाए भारत

कूटनीति के अन्य पहलुओं पर नजर डालें तो चीन-पाकिस्तान इकोनामिक कॉरिडोर का अफगानिस्तान तक विस्तार करने पर सहमति जताई गई है। भारत सदैव से ही पाकिस्तान-चीन इकोनामिक कॉरिडोर की प्रबल मुखालफत करता रहा है, क्योंकि यह आर्थिक गलियारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है और भारत वस्तुतः पाक अधिकृत कश्मीर को अपना अभिन्न अंग करार देता है। चीन इस कूटनीतिक कोशिश में है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य शत्रुता खत्म हो जाए ताकि चीन की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव परियोजना का विस्तार अफगानिस्तान तक किया जा सके। भारत-पाक सैन्य संघर्ष ने हमें सिखा दिया है कि प्रत्येक राष्ट्र अपने राष्ट्रीय हितों को ही प्राथमिकता प्रदान करता है। प्रेसिडेंट पुतिन का वर्तमान रूस भी हमारा बहुत भरोसेमंद मित्र नहीं रह गया है। बहुत कोशिशों के बावजूद अमेरिका भी भारत का विश्वसनीय सहयोगी राष्ट्र नहीं रहा है। विस्तारवादी चीन तो खुलकर सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान के साथ सन्नद होकर खड़ा ही रहा। दो शक्तिशाली सैन्य ध्रुवों और जटिल कूटनीतिक कलाबाजियों के मध्य से भारत को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की राह निर्मित करनी है।

छात्र नेता-बीएनपी की जंग में उलझे यूनुस

बांग्लादेश में सियासी सरगर्मियों का दौर जारी है। दरअसल, देश में लगातार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। खासकर उसकी तरफ से किए गए सुधार और देश में लोकतंत्र की नई इबारत लिखने के वादों पर। बीते 10 महीने में जिस तरह से बांग्लादेश में अर्थव्यवस्था से लेकर सुधारों की गति ठहरी है, उसके बाद न सिर्फ आम लोग, बल्कि यूनुस के करीबियों ने भी अपने सुर बदल लिए हैं। अब बांग्लादेश में ताजा तनाव मोहम्मद यूनुस के बयान से उपजा है। बीबीसी बांग्ला को दिए एक इंटरव्यू में यूनुस के करीबी रहे छात्र नेता नाहिद इस्लाम ने कहा है कि अंतरिम सरकार के प्रमुख अपना पद छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। कभी यूनुस के सलाहकार रहे छात्रों की पार्टी नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिक के मुताबिक, यूनुस ने आशंका जताई कि देश की मौजूदा स्थिति में वे काम नहीं कर पाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक राजनीतिक दल सहमति नहीं बना लेते, मैं काम नहीं कर पाऊंगा। बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के दौरान शेख हसीना के सरकार से हटने के बाद छात्रों के ही एक गुट ने मांग की थी कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को पद से हटा दिया जाए। इसके पीछे वजह दी गई कि राष्ट्रपति, जो कि तीनों सेनाओं का प्रमुख होता है, उसकी नियुक्ति 2023 में शेख हसीना की सरकार ने ही की थी। हालांकि, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने छात्रों के गुट की मांग पर असहमति जता दी थी। इसके चलते बांग्लादेश में बीएनपी और छात्र संगठनों के बीच टकराव की शुरुआत हो गई। रिपोर्ट्स की मानें तो मोहम्मद यूनुस सरकार जल्द ही संविधान संशोधन के जरिए राष्ट्रपति का पद ही खत्म करने पर विचार कर रही है। हालांकि, इसे बीएनपी ने अब तक समर्थन नहीं दिया है। यहां तक कि बांग्लादेश के सेना प्रमुख तक ने ऐसे कदम की जानकारी न होने के साथ ऐसी कथित बातों को बकवास करार दिया है। हाल ही में जब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता इशराक हुसैन ने ढाका दक्षिण शहर निगम में मेयर पद के लिए शपथ लेने का अभियान शुरू किया तो उनके समर्थक इस मांग के साथ मोहम्मद यूनुस के बंगले के बाहर तक पहुंच गए।

ट्रंप बदले तो यूरोप को आई भारत की याद

कूटनीति
ओंकारेश्वर पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व रणनीतिकार

बीते हफ्ते जब भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम के बारूदी गुबार के बाद जीत-हार के दावे और नुकसान के आकलन कर रहे थे और वाशिंगटन में बैठे राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार सीज फायर कराने का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे, ठीक उसी समय ब्रुसेल्स में यूरोप और ब्रिटेन इतिहास के एक नये अध्याय पर हस्ताक्षर कर रहे थे। एक ऐसा इतिहास जो खामोशी से एक ध्रुवीय विश्व को बहुध्रुवीय दुनिया की तरफ ले जा रहा था। 19 मई 2025 को ब्रुसेल्स की सर्द हवाओं में यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने जो रणनीतिक समझौता किया, उसमें सुरक्षा, रक्षा, यूक्रेन समर्थन, प्रवास, जलवायु, शिक्षा और व्यापार तो शामिल था ही, इसमें अमेरिकी छत्रछाया से इतर एक नया यूरोप बनाने की दृढ़ इच्छा शक्ति की झलक भी थी। यह समझौता महीनों की उस गोपनीय बातचीत का नतीजा था, जो जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप की दी हुई अपमानजनक उपेक्षा और अवहेलना से शुरू हुई थी। यह ब्रेक्सिट के पुराने जख्मों पर मरहम नहीं, बल्कि यूरोप की उस जिद का प्रतीक था, जो अब अमेरिका के तलाकनामे के बाद अपनी नई राह तलाश रही है। इस साल की शुरुआत में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दोबारा कदम रखा, तो शायद उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका तमाशा विश्व मंच पर एक नयी पटकथा लिख देगा। एक ऐसी पटकथा, जिसमें दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका खुद अकेला पड़ता जायेगा, तो वहीं इस राह पर कदम बढ़ाते यूरोप को रूस और चीन से अलग भारत की याद आएगी, उस भारत की जिसने नेहरु के जमाने से ही गुट निरपेक्षता की राह पकड़ी थी। आज यूरोप को लग रहा है कि नेहरु के रास्ते ठीक थे, उसने अमेरिका पर निर्भर रहकर कई दशक गंवा दिये।

ट्रम्प के बयान से बदली दिशा : शायद ट्रंप को अंदाज़ा भी नहीं होगा कि यूरोप के प्रति उनके जहरीले बयान विश्व राजनीति की दशा और दिशा ही बदल देंगे। 20 जनवरी 2025 को, वाशिंगटन डीसी में ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ ली। इसके बाद, 15

मार्च 2025 को पेन्सिलवेनिया की एक रैली में उन्होंने नाटो को "बेकार का बोझ" ठहराया और यूरोप को "अमेरिकी खजाने पर पलने वाला मेहमान" बताया। 10 अप्रैल 2025 को टेक्सास में रूढ़िवादी दानदाताओं के सामने उन्होंने ईयू के ग्रीन डील को "आर्थिक हत्या" करार दिया, यह कहते हुए कि "अमेरिकी मज़दूर यूरोप के जलवायु सपनों का बोझ क्यों उठाए?" ट्रंप के ये तीखे बयान कोई तात्कालिक तुनकमिजाजी नहीं थे। राष्ट्रपति के रूप में उनका पहला कार्यकाल (2017–2021) भी इसी तरह के तानों से भरा था, जब उन्होंने नाटो को "पुराना ढाँचा" कहा, जर्मनी को "रूस का गुलाम" बताया, और ईयू को अमेरिका का "लाभ उठाने वाला" करार दिया। अब, 2025 में, इससे मर्माहत और तिलमिलाये यूरोप की आँखों में रोष है, मुट्ठियाँ बँधी हैं, और इरादे पक्के।

यूरोप की कलम में जागा विद्रोह : ट्रम्प के अपमान भरे बयानों ने यूरोप के गौरव को ललकारा, तो यूरोप की कलम ने विद्रोह की स्याही से जवाब लिखा। 5 मई 2025 को, फ्रांस के अखबार ले मॉन्ड ने अपने संपादकीय में लिखा, "ट्रम्प ने साफ कर दिया कि यूरोप उनके लिए एक पुराना कोट है, जिसे वे कबाड़खाने में फेंकने को तैयार हैं।" जर्मनी के डेर स्पीगल ने तंज कसा, "ट्रम्प हमें इसलिए नीचा दिखाते हैं, क्योंकि वे शक्ति को केवल बम-बारूद में देखते हैं। मगर यूरोप की ताकत उसकी कूटनीति, उसकी स्थिरता, उसका धैर्य है।" 15 अप्रैल 2025 को, ब्रुसेल्स में यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स (ईसीएफआर) ने अपने पेपर नो लॉन्गर पार्टनर्सः ए पोस्ट-अटलांटिक यूरोप में ऐलान किया कि "स्वायत्तता अब सपना नहीं, बल्कि ज़रूरत है।" तथ्य यह है कि यूरोप और अमेरिका कभी विश्व मंच के दो जिगरी दोस्त थे। 1949 में दोनों ने मिलकर नाटो की नींव रखी, मार्शल प्लान (1948–1952) के ज़रिए यूरोप का पुनर्निर्माण किया। 11 सितंबर 2001 को, 9/11 हमलों के बाद नाटो ने पहली बार आर्टिकल 5 लागू किया, और यूरोप के सैनिक अफगानिस्तान में अमेरिका के साथ लड़े। 2008 के आर्थिक संकट में, यूरोपीय बैंकों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के साथ मिलकर वैश्विक बाजारों को संभाला। मगर ट्रम्प के लिए ये सब पुरानी कहानियाँ हैं, जिन्हें वे लेन-देन के बहीखाते में बदलना चाहते हैं। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में तो उनके तेवर यूरोप ने सह लिए। पर दूसरी बार भी वाशिंगटन का यही रवैया रहा, तो आहत ब्रुसेल्स और लंदन ने एक नया गीत लिख डाला, जिसे 19 मई 2025 को गाया गया।

आदरांजलि

ऋषि तुल्य व्यक्तित्व रामजीलाल अग्रवाल

छत्तीसगढ़ की राजधानी में अविभाजित मध्यप्रदेश से लेकर वर्तमान काल तक जिन-जिन व्यक्तित्वों को सामाजिक सफलता का प्रतीक माना गया, उनमें आदर्श उदाहरण रहे- रामजीलाल अग्रवाल। जीवन पर्यंत जिन्होंने पीड़ित मानवता के कल्याण की अपनी राह नहीं छोड़ी। टीबा बसाई झुंझनू, राजस्थान से आकर वे छत्तीसगढ़ के रायपुर में रच बस गए और इस माटी के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। आज 96 वें वर्ष उन्होंने अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर मोक्ष की यात्रा अंगीकार कर ली। ऋषि तुल्य गौ साधक रामजीलालजी ने जितना जीवन जीया वह केवल अग्रवाल सभा के लिए ही नहीं, अन्य समाजों के लिए भी प्रेरक बना रहा। एक व्यक्ति अपने जीवन में परिवार सहित समाज के कल्याण की खातिर किस हद तक सोच सकता है वे इसका अतुलनीय उदाहरण थे। सही मायनों में अनथक कर्म योगी। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान उन्हें वरिष्ठ समाजसेवी, गौसेवक के रूप में पहचानता था।

अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय संरक्षक तो वे थे ही। इन सबके पहले एक विशाल कुटुम्ब को संभालने वाले आदर्श परिवार के मुखिया भी थे। श्रीमती सावित्री देवी अग्रवाल, गोपालकृष्ण अग्रवाल, राजधानी के सांसद एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश - छत्तीसगढ़ बृजमोहन अग्रवाल, विजय अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, यशवंत अग्रवाल के वे पिता और श्री विष्णु अग्रवाल के बड़े भाई, पूरनलाल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल के चाचा, एवं देवेंद्र अग्रवाल, गणेश अग्रवाल के ताऊजी थे।

रामजीलाल अग्रवालजी से जो कोई एक बार मिल ले तो उन्हें भूलता नहीं था। ता-उम्र शुभ्र वस्त्रों में रहे। गांधी टोपी उनकी सुगठित कदकाठी को अधिक सम्मोहक बनाती थी। उनका जीवन संघर्षों की मिसाल था तो सफलता का भी सुंदर प्रतीक था। सक्रियता के दौर तक उन्होंने भरपूर जीवन जीया और दूसरों को प्रेरणा देते रहे। कैसी भी परिस्थितियाँ क्यों न रही हों, व्यक्ति को सदैव अपना आत्मविश्वास बनाये रखना चाहिए। जीवन में दुःख और निराशा को वे पानी का बुलबुला कहते थे जो टिकता नहीं। प्रत्येक आगंतुकों के लिए सदैव मुस्कुराते हुए उपलब्ध रहना वैसा गुण आज के समय में दिखाई नहीं देता! अपनी सक्रियता के दिनों में वे हरेक के लिए उपलब्ध रहा करते थे। उनसे कोई कभी भी मिल सकता था। आगंतुकों की उम्मीदों को यथा संभव पूरा करने की सकारात्मकता ऐसी कि कोई भी मुग्ध हो जाए। स्वास्थगत समस्याओं से जूझने के दौरान भी व्हील चेयर पर बैठे रहते और स्वयं से मिलने वालों को इशारों से भोजन का आग्रह करते जाते थे - जिसके लिए उनका प्रायः सभी कौतुक करते थे।

इधर दो वर्षों से, जब से वे उम्र की चुनौतियों से जूझ रहे थे उसके पहले उन्हें खाली बैठे हुए कभी देखा नहीं जाता था। यदि कुछ न कर रहे हों, तब भी व्यस्त रहना उनकी जीवन शैली थी। दिनचर्या रात 11 बजे बिस्तर पर जाते समय तक निर्बाध चलती जाती। पहट के 4.30 बजे या 5.00 बजे तक किसी भी परिस्थितियों में बिस्तर छोड़ देने की आदत हमेशा बनाए रखीं। इसके बाद गौ-सेवा से दिन का आरंभ होता था।

आज अग्रवाल समाज यदि वृहद पैमाने पर सक्रिय और एकजुट है तो इसमें उनका योगदान और समर्पण एक बड़ा कारण है। अविभाजित मध्यप्रदेश के समय अनेक जिलों की भरपूर यात्राएँ वे किया करते थे। कारण होता था समाज के प्रत्येक आम-ओ-खास को अग्रसेन जयंती उत्सव हेतु प्रेरित करना। इसके पीछे उनका मानना था कि भागीदारी से ही समाज एकजुट होता है। कालांतर में वे इस बात से प्रसन्न होते थे कि जो बिरवा कभी अपने साथियों के साथ उस काल में रोपा था वह आज आदर्श और अनुकरणीय ऊंचाइयाँ छू रहा है। नए लोगों को यह तथ्य पता न होगा कि विवाह के तुरंत बाद पैतृक ग्राम टीबाबसई (राजस्थान) से उन्हें रायपुर आने का अवसर मिला। सन 1951 का साल था वह और देश आजाद हुए 3 साल ही बीते थे। जब आए तो रामसागरपारा में ही अपने व्यवसायिक स्वप्न पूरा करने में जुट गए। सामाजिक गतिविधियों से उनका जुड़ाव शुरू हुआ 1969 के दौरान।

समाज बिखरा और बेतरतीब क्यों है?

यह सवाल उन्हें चुभता जाता था। हालांकि 1961 से ही उनकी दिलचस्पी सामाजिक मामलों को लेकर जाग गई थी। स्व. बिशम्भर दयाल अग्रवाल, स्व. महावीर प्रसाद अग्रवाल आदि उस दौर के वे बड़े नाम थे जिनके साथ काम करने का सिलसिला शुरू हुआ। नौजवान होते हुए भी उनके इरादों में छिपी समाज के लिए कुछ कर गुजरने की तड़फ उभरने लगी थी। उस दौर में रायपुर शहर में आयोजित एक बड़ा परिचय सम्मेलन समाज सेवा की ओर खुलने वाला उनका पहला बड़ा क़दम था। तब समाज के भीतर इस बात को ठीक तरह से बिठाना कि 'सामूहिक विवाह में ही भला है!' एक कठिन काम था। इसी प्रकार मितव्ययिता के लिए उस दौर में प्रेरित करना भी कितना मुश्किल रहा होगा समझना आसान है। उनकी कामयाबी और सफलता का असर उनके समूचे खानदान और तीसरी , चौथी पीढ़ी तक फैला हुआ दिखाई देता है। लेकिन पीछे मुड़कर देखा जाए तो उनकी संघर्ष गाथा अपने आप में एक मिसाल बनकर सामने आती है।

वे समाज में अनेक-अनेक पदों पर वे रहे। जैसे- मध्यप्रदेश अग्रवाल सभा का उपाध्यक्ष पद 1991 से 2003 तक और अग्रवाल सभा में अध्यक्ष दायित्व उन्होंने 4 बार उठाया। तीन मर्तबा तो सर्वसम्मति से उनका नाम तय हुआ और एक मर्तबा लोकतांत्रिक ढंग से यानी जीतकर आये। उस चुनाव को पुराने हमराही आज भी रामजीलाल अग्रवाल के जीवन के दुर्लभतम उदाहरणों में रखकर याद करते हैं। कारण था "हारा हुआ प्रतिद्वंद्वी भी अपना ही भाई है!" यह सोचकर उसे तत्काल रामजीलाल जी ने गले से लगाकर संदेश दिया कि समाज को बिखरने से बचाये रखना है।

महावीर गौशाला के साथ तो उनका नाता रहा। 1967 से गौशाला जाने का प्रारंभ किया। गौशाला का दायित्व अध्यक्ष के रूप में 1988 से संभालना आरंभ किया। बाद में अनेक साल उन्हें यह जिम्मेदारी उठानी पड़ी। गौ सुरक्षा की दृष्टि से भी उनका कार्यकाल बहुतेरी योजनाओं के लिए लोकप्रिय रहा। मसलन शेड, पानी और हरा चारा की भरपूर व्यवस्था। गौशाला में आम भागीदारी बढ़े इस दिशा में सोचने वाले भी वे ही कहलाए। यदि सामाजिक जिम्मेदारियों की ही बात की जाए तो अग्रवाल सभा रायपुर में संरक्षक, छत्तीसगढ़ प्रदेश अग्रवाल महासभा में अध्यक्ष और छत्तीसगढ़ प्रदेश अग्रवाल सम्मेलन में सलाहकार की हैसियत से भी काम किया, करवाया। पदों को लेकर उनका अपना दृष्टिकोण भी उनकी खुली दृष्टि को बयान करता था जैसे कि प्रायः कहते थे कि "अध्यक्ष जैसे पद उनकी नजर में सिर्फ नाम के लिए होते हैं, वरना काम तो सभी को करना पड़ता है। उनकी लगन और क्षमता ने उन्हें और भी संस्थाओं, संस्थानों से जोड़ा। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय , रायपुर ने उन्हें 1991 में कार्यकारिणी के रूप में भी गौरवान्वित किया।

उनके जीवन का लंबा समय समाज के साथ गुजरा। लेकिन जैसे कल की बात हो। आँखों के सामने वह बीता दौर रह-रह कर घूमने लगता है। कैसे एक-एक ईंट जोड़कर समाज को मजबूत करने की कोशिश उन्होंने की थी। संगठन जैसा आधार उस समय विकसित नहीं था, लेकिन नजरें लक्ष्य पर थीं और पीछे हटना या परिस्थितियों से हार जाना मंजूर नहीं रहा। खुली आँखों से सपने देखें जो पूरे होते गये। इसे उनकी कार्यशैली ही कहें कि प्रतिष्ठा और सम्मान भी निरंतर पाया।

तत्कालीन उप राष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत, हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला और गुजरात के राज्यपाल से भी सम्मानित हुए। बतौर गौ-सेवक छत्तीसगढ़ राज्य ने भी उन्हें (राज्य अलंकरण) सम्मानित किया। उन्होंने अपने लम्बे अनुशासित जीवन के कुछ मूल मंत्र बना रखे थे। उस दौर में छोटे-मोटे मतभेद तो होते ही थे बावजूद मतभेदों को मनभेद नहीं बनने दिया और विरोधियों के प्रति भी स्नेह भाव रखा। वास्तविक अर्थों में वे विशाल कुटुम्ब छोड़ गए हैं। सभी संतानें भी सफल सामाजिक, व्यवसायिक जीवन में भी व्यस्त हैं। जीवन में अच्छा आहार, अच्छा ज्ञान, अच्छी संगत मिलें तो नौजवानों से बेहतर नतीजा प्राप्त किया जा सकता है। इस ध्येय वाक्य के साथ अपने समस्त जीवनकाल में पथ प्रदर्शक की हैसियत से ऊर्जा देते रहे।

धूप-छांव से भरी हुई इस खूबसूरत, लेकिन (उन्हीं के शब्दों को दोहराएं तो) "श्रम से भरी हुई अपनी इस गहरी यात्रा को जब भी पीछे मुड़कर देखता था तो संतोष का यही धन मुझे अपनी जमा पूंजी नज़र आता रहा।"

पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की बैठक में छाए छग के सीएम साय

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य का दूरदर्शी विकास मॉडल प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि कभी नक्सल हिंसा के लिए पहचाना जाने वाला बस्तर अब देश को विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता का नया मॉडल देने जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने नीति आयोग के मंच पर छत्तीसगढ़ के लिए 75 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था का दीर्घकालिक लक्ष्य रखा और इसके केंद्र में '3टी मॉडल' (टेक्नॉलजी, ट्रांसपरेंसी, ट्रांसफॉर्मेशन) को बताया। उन्होंने कहा कि राज्य प्रशासन अब तकनीक आधारित, पारदर्शी और तेज गति से निर्णय लेने वाला बन रहा है। हर योजना को डिजिटली ट्रैक किया जा रहा है, ताकि आम जनता को समय पर और सही सेवाएं मिल सकें। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह मॉडल न सिर्फ छत्तीसगढ़ को विकसित राज्यों की श्रेणी में लाने में मदद करेगा, बल्कि भारत के विकसित राष्ट्र बनने के वर्ष 2047 लक्ष्य में राज्य की बड़ी भूमिका सुनिश्चित करेगा।

75 लाख करोड़ की इकॉनमी और 3टी मॉडल के साथ 2047 के लक्ष्य की खूब हुई सराहना

छग ने 2047 तक की रणनीति तैयार की

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार ने वर्ष 2047 तक के लिए एक विस्तृत रणनीति तैयार की है, जिसके तहत राज्य की अर्थव्यवस्था को 6 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर 75 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें प्रति व्यक्ति आय में 10 गुना वृद्धि होगी। इस रणनीति को 'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन डाक्यूमेंट' नाम दिया गया है, जिसमें राज्य के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय विकास की विस्तृत योजना है।3

13 प्रमुख क्षेत्रों को दी प्राथमिकता

उन्होंने बताया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, कृषि, आईटी, पर्यटन और कौशल विकास जैसे 13 प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दी है। इन सभी क्षेत्रों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए 10 अलग-अलग मिशन बनाए गए हैं।

बस्तर संघर्ष का नहीं संभावनाओं का क्षेत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर अब केवल संघर्ष का नहीं, बल्कि संभावनाओं का क्षेत्र बन गया है। बस्तर और आसपास के 32 ब्लॉकों में स्किल डेवलपमेंट सेंटर खोले गए हैं, जहां युवाओं को कंप्यूटर, स्वास्थ्य सेवा, फूड प्रोसेसिंग और तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब यहां के बच्चे जंगल में लकड़ी चुनने के बजाय लैपटॉप और मशीनें चला रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बस्तर में अब बड़े निवेश आ रहे हैं। नवा रायपुर में स्थापित होने जा रही देश की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट और एआई डेटा सेंटर से बस्तर और पूरे राज्य में युवाओं के लिए रोजगार के रास्ते खोल दिए है। अब बस्तर 'मेक इन इंडिया' का उपयुक्त स्थल बनने जा रहा है।

2026 तक राज्य नक्सलमुक्त होगा

नक्सलवाद पर बात करते हुए मुख्यमंत्री साय ने बताया कि मार्च 2026 तक पूरे राज्य को नक्सलमुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए पुनर्वास, प्रशिक्षण और स्वरोजगार की योजनाएं बनाई गई हैं। बस्तर में अब आदिवासियों को स्वरोजगार, प्रशिक्षण और बाजार की सुविधाएं मिल रही हैं। स्थानीय उत्पादों की बिक्री से रोजगार के नए रास्ते खुल रहे हैं। बस्तर का धुड़मारास गांव तो संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव' की सूची में भी शामिल किया गया है।

रेलनेटवर्क 2200 किमी तक ले जाने का लक्ष्य

राज्य में रेल नेटवर्क को 1100 किलोमीटर से बढ़ाकर 2200 किलोमीटर तक ले जाने का काम किया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर 21 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। रायपुर एयरपोर्ट से अब कार्गो सेवा भी शुरू हो चुकी है, जिससे राज्य एक प्रमुख लॉजिस्टिक हब बनने की ओर अग्रसर है।

देश में बिजली उत्पादन में प्रथम होंगे

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में है। खासकर स्टील, कोयला, डोलोमाइट और लिथियम जैसे संसाधनों की उपलब्धता से छत्तीसगढ़ औद्योगिक दृष्टि से अग्रणी बन रहा है। स्टील उत्पादन क्षमता को 28 मिलियन टन से बढ़ाकर 45 मिलियन टन करने और बिजली उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 2030 तक हम देश में पहले स्थान पर पहुँच जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां लिथियम ब्लॉक की सफल नीलामी हुई है। यह लिथियम इलेक्ट्रिक वाहनों और ग्रीन एनर्जी की दिशा में भारत को आत्मनिर्भर बनाएगा।

350 सुधारों की दी जानकारी

मुख्यमंत्री साय ने राज्य सरकार द्वारा किए गए 350 से अधिक नीतिगत सुधारों की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि अब जमीन के पंजीकरण जैसे कार्य घर बैठे केवल 500 रुपये में किए जा सकते हैं। नई औद्योगिक नीति में ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले स्कूल, हॉस्पिटल और कॉलेज खोलने पर विशेष छूट दी जा रही है।

खबर संक्षेप

जुबान काटने की धमकी, 2 गिरफ्तार

बरेली। यूपी के बरेली में दो स्थानीय युवकों को शनिवार को सोशल मीडिया पर देशविरोधी वीडियो पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। युवकों के नाम इरफान और वाजिद शाह बताया गया है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था जिसमें 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे थे। वीडियो में लोगों की जुबान काटने की धमकी दी थी।

आंध्र प्रदेश में ट्रक और कार की टक्कर में 4 की मौत

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में शनिवार सुबह एक ट्रक के कार से टकरा जाने की घटना में 2 बच्चों समेत 4लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। बेंगलुरु के सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्रीकांत अपने परिवार के साथ चिंतापुट्टायपल्ली गांव जा रहे थे। सुबह गुव्वलचेरुवु घाट रोड पर यह हादसा हुआ।

कोणार्क मंदिर के गर्भगृह से हटाई जाएगी रेत

भुवनेश्वर। कोणार्क स्थित सूर्य मंदिर के गर्भगृह में भरी रेत को जल्द ही हटा दिया जाएगा। एएसआई के महानिदेशक यदुबीर सिंह रावत ने शनिवार को कोणार्क सूर्य मंदिर का निरीक्षण किया है। उनके साथ 15 सदस्यीय विशेषज्ञ टीम भी थी। टीम ने सूर्य मंदिर के संरक्षण और गर्भगृह से रेत हटाने पर विस्तार से चर्चा की।

अब तिहाड़ के कैदी बनाएंगे शूज-चप्पलें

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। अब तिहाड़ जेल में बंद कैदी रोजाना उपयोगी सामान का निर्माण खुद ही करेंगे। इसके लिए तिहाड़ जेल प्रशासन इन हाउस यूनिट लगवाएगा। चप्पल, टूथपेस्ट और अंडरवियर से लेकर ये सभी सामान तिहाड़ जेल के कैदी बनाएंगे।

पीएम की अध्यक्षता में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 10वीं बैठक में मुख्यमंत्री सैनी ने लिया हिस्सा

नीति आयोग की बैठक में नायब ने रखा हरियाणा का रोडमैप और पेश किया विजन डॉक्यूमेंट-2047

2047 तक हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का रखा लक्ष्य

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को नई दिल्ली में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 10वीं बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'विकसित भारत एट द रेट 2047' की अवधारणा में राज्य के सक्रिय योगदान को रेखांकित करते हुए हरियाणा का विजन डॉक्यूमेंट-2047 प्रस्तुत किया, जिसमें वर्ष 2047 तक हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने और 50 लाख नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है।

बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य विजन डॉक्यूमेंट में वर्ष 2047 तक हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर की बनाने का हमारा लक्ष्य है। मेरा अनुरोध है कि हरियाणा विजन-2047 को अंतिम रूप दिए जाने के बाद इसे राष्ट्रीय स्तर के विकसित भारत डैशबोर्ड में एकीकृत किया जाए।

'इंटिग्रेटिड स्किल हब' का रखा प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अर्थव्यवस्था के तेज विकास में तकनीकी बाधा बड़ी समस्या है और कौशल की शेल्फ लाइफ कम होती जा रही है। इसलिए कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को आधुनिक बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने 'इंटिग्रेटिड स्किल हब' विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने गत वर्ष 'मिशन हरियाणा-2047' नामक एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की शुरुआत की है। इसने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने व 50 लाख नए रोजगार पैदा करने के लिए काम शुरू कर दिया है।

ए.आई. मिशन से लेकर 'फंड ऑफ फंड्स' तक, युवाओं के लिए नए अवसर होंगे सृजित

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए हरियाणा एआई मिशन की स्थापना कर रहे हैं। हाल ही में, हरियाणा ने इसके लिए विश्व बैंक से समझौता किया है। युवाओं को स्टार्टअप्स के लिए प्रोत्साहित करने हेतु इंटर्नशिप, मेंटरशिप और सस्ता इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए 'हरियाणा वेंचर कैपिटल फंड' तेजी से कार्य कर रहा है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने निजी निवेशकों को 2 हजार करोड़ रुपए का एक 'फंड ऑफ फंड्स' बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। यह स्टार्टअप्स में निवेश करके हरियाणा को नवाचार व उद्यमिता के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

भविष्य की नींव: हरियाणा ने बनाया 'डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर'

नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में योगदान के लिए छः महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष बल दिया है। इन बिंदुओं का राज्य के इस वित्त वर्ष के बजट में भी समावेश किया गया है। हमने हरियाणा को भविष्य सक्षम बनाने के लिए 'डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर' नाम से एक नया विभाग बनाया है। यह विभाग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कम्प्यूटिंग और रोबोटिक्स जैसी नवीनतम तकनीकों द्वारा विकास की संभावनाओं की तलाश करेगा। डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर हरियाणा के विजन-2047 के अनुरूप एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए दीर्घकालिक रणनीतिक पहल, तकनीकी दूरदर्शिता और एकीकृत नीति बनाने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगा।

37 विभागों के 230 अधिनियमों में अपराधीकरण समाप्त करने की दिशा में प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की प्रगति के बारे में साझा करते हुए बताया कि पीएम गति शक्ति में हरियाणा ने लगातार तीन वर्षों-2022, 2023 और 2024 के लिए लीड्स सर्वेक्षण में लैंड लॉक्ड राज्यों में 'अचीवर' श्रेणी को लगातार बरकरार रखा है। हमने 100 करोड़ रुपए से अधिक लागत की सभी परियोजनाओं का पीएम गति शक्ति के राष्ट्रीय मास्टर प्लान से एकीकरण अनिवार्य कर दिया है। विनियामक बोझ को कम करने के लिए 1,100 से अधिक जटिल अनुपालनों को सरल किया है। इससे प्रदेश में निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण बना है। जल्द ही राज्य सरकार 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सेल' की स्थापना भी करने जा रही है। हम 37 विभागों में 230 से अधिक अधिनियमों के छोटे-छोटे प्रावधानों से अपराधीकरण को समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए, एक राज्य स्तरीय 'जन विश्वास विधेयक' का मसौदा तैयार किया जा रहा है। इसे दिसंबर, 2025 तक अधिसूचित किया जाएगा। इससे विश्वसनीय, पारदर्शी और कुशल शासन प्रणाली सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए केंद्र सरकार जो कदम उठाएगी, उस के अनुरूप हरियाणा भी विकसित भारत में अधिकतम योगदान देने के लिए कार्य करेगा।

'जन विश्वास विधेयक' का मसौदा तैयार

मुख्यमंत्री ने नीति आयोग की बैठक में हरियाणा के साथ पानी का विवाद उठाया

पंजाब के साथ भेदभाव बंद करे केंद्र सरकार, पीएम के सामने बोले भगवंत

एससी स्कॉलरशिप फंडों का बकाया जारी करने, विशेष आर्थिक क्षेत्र, आर्थिक कॉरिडोर और अन्य निर्माणों की मांग की

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

नीति आयोग की शनिवार को नई दिल्ली में हुई बैठक में केंद्र सरकार की ओर से पंजाब के साथ सौतेले व्यवहार से संबंधित मुद्दों को उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि राज्य के साथ इस तरह का पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण व्यवहार अनुचित है। मान ने बैठक में प्रधानमंत्री के सामने पानी, वाईएसएल, बीबीएमबी और चंडीगढ़ का मुद्दा उठाया। इसके अलावा पंजाब की तरफ से उद्योगों के लिए रियायतें, कांटेदार तारों वाली सीमावर्ती जमीन के मालिक किसानों के लिए मुआवजा बढ़ाने और सीमावर्ती विकास के लिए फंडों के खुले वितरण की मांग की। एससी स्कॉलरशिप फंडों का बकाया जारी करने, विशेष आर्थिक क्षेत्र, आर्थिक कॉरिडोर और अन्य निर्माणों की मांग की गई।

पंजाब के पास अतिरिक्त पानी नहीं

मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पंजाब के पास किसी अन्य राज्य के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है। राज्य में पानी की गंभीर स्थिति पर सतलुज-यमुना लिंक नहर के बजाय यमुना-सतलुज लिंक नहर के निर्माण के विचार पर जोर देते हुए मान ने कहा कि रावी, ब्यास और सतलुज नदियों में पहले ही पानी कम है और अतिरिक्त पानी को कमी वाले बेसिनों की ओर मोड़ा जाना चाहिए। पंजाब ने सदा यमुना के पानी के बंटवारे के लिए बातचीत में शामिल होने की मांग की है।

जल बंटवारे में यमुना के पानी पर विचार नहीं किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समझौते में यमुना के पानी से सिंचाई के लिए किसी विशेष क्षेत्र को निर्दिष्ट नहीं किया गया था। पुनर्गठन से पहले यमुना नदी भी पुराने पंजाब राज्य से होकर बहती थी। उन्होंने दुख जताया कि पंजाब-हरियाणा के बीच नदी के पानी के बंटवारे के दौरान यमुना के पानी पर विचार नहीं किया गया, जबकि रावी और ब्यास के पानी को ठीक तरह से ध्यान में रखा गया था। इरिगेशन कमीशन की 1972 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए मान ने कहा कि इस रिपोर्ट के अनुसार पंजाब यमुना नदी बेसिन में आता है।

छग में आएगा मेदांता अस्पताल, जयपुरिया के ड्रिंक्स भी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य और उद्योग क्षेत्र में बड़े निवेश की दिशा में अहम कदम बढ़ते हुए आज दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से दो प्रमुख उद्योग समूहों ने मुलाकात की।

मेदांता अस्पताल के संस्थापक और प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नरेश त्रेहन ने रायपुर में एक अत्याधुनिक मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने बताया कि वे इस परियोजना में लगभग 500 करोड़ रुपए का निवेश करना चाहते हैं। यह अस्पताल उन्नत चिकित्सा तकनीक, विशेषज्ञ डॉक्टरों, रिसर्च और प्रशिक्षण सुविधाओं से लैस होगा।

वरुण बेवरेजेस करेगी 250 करोड़ का निवेश

वहीं, वरुण बेवरेजेस लिमिटेड के चेयरमैन रवि जयपुरिया ने रायपुर में कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स और फ्रूट जूस आधारित संयंत्र लगाने का प्रस्ताव दिया, जिसमें 250 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया जाएगा। यह परियोजना राज्य में औद्योगिक विकास के साथ-साथ रोजगार सृजन को गति देगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दोनों प्रस्तावों का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार स्वास्थ्य और उद्योग जैसे क्षेत्रों में ऐसे गुणवत्तापूर्ण निवेश के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि ये दोनों परियोजनाओं पर राज्य शासन विचार कर इसे हर संभव मदद देगी, इस प्रकार की परियोजनाओं से जनता को लाभ और युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी सुलभ होंगे।

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के सचिव ने कहा

केंद्र सरकार की नई पहल पायलट प्रोजेक्ट

अब दुर्गम इलाकों में ड्रोन के सहारे पहुंचाई जाएगी मछली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कहा है कि अब जल्द ही ड्रोन तकनीक के जरिए दुर्गम इलाकों में मछली पहुंचाई जाएगी। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी ने बताया कि जीवित मछलियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक सुरक्षित और तेजी से पहुंचाने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य 70 किलोग्राम तक भार उठाने में सक्षम ड्रोन तैयार करना है।

मत्स्य पालन क्षेत्र को मजबूत बनाएं

डॉ. लिखी ने राज्यों से आग्रह किया कि वे नवाचार आधारभूत ढांचे और संस्थागत सहयोग के जरिए मत्स्य पालन क्षेत्र को मजबूत बनाएं। उन्होंने मछुआरों की सुरक्षा और उनके कार्यों की दक्षता बढ़ाने के लिए सैटेलाइट टेक्नोलॉजी का उपयोग करें।

बंदरगाहों और मछली बाजार विकास पर जोर

सरकार की प्राथमिकता अब ग्रीन और ब्लू सस्टेनेबिलिटी सिद्धांतों से जुड़ी स्मार्ट और एकीकृत मछली पकड़ने के बंदरगाहों और आधुनिक मछली बाजारों के विकास पर है। इसके अलावा, ड्रोन तकनीक को मजबूती देने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर और सब्सिडी ढांचे को बेहतर बनाने की बात कही गई। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की मदद से उन्नत मत्स्य पालन तकनीक को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

हिमाचल पुलिस अधिकारियों में अंतर्कलह उजागर

कोर्ट में बताएंगे सारी सच्चाई

एसपी शिमला ने पत्रकार वार्ता कर डीजीपी पर गंभीर आरोप 'जड़े'

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के चीफ इंजीनियर विमल नेगी मौत मामले की जांच में प्रदेश मुख्यालय अधिकारियों व शिमला जिला पुलिस अधिकारियों के बीच चल रही अंतर्कलह अब सबके सामने आ गई है। प्रदेश पुलिस महानिदेशक अतुल वर्मा की ओर से कोर्ट में दायर किए गए हलफनामे पर सवाल उठाने के बाद एसएसपी शिमला संजीव कुमार गांधी ने शनिवार को पत्रकार वार्ता कर कई गंभीर आरोप लगाए।

.... तो मैं पद छोड़ना पसंद करूंगा

संजीव ने कहा कि 25-26 वर्षों का मैंने ईमानदारी भरा अपना पुलिस कॅरियर तपस्या की तरह लगाया है। अगर कोई मेरी इस ईमानदारी व प्रोफेशनल अखंडता पर सवाल उठाता है तो मैं पुलिस का पद छोड़ना पसंद करूंगा। इसलिए हमारी एसआईटी इस मामले को दोबारा अदालत में लेकर जाएगी। जो हमने जांच की है, उसे सुरक्षित करवाना चाहते हैं ताकि नेगी को न्याय मिल सके।

मैं हाईकोर्ट जाऊंगा

कहा कि इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे और सारी सच्चाई कोर्ट के समक्ष रखेंगे। विमल नेगी को न्याय दिलाकर रहेंगे। संजीव ने डीजीपी पर कई गंभीर आरोप लगाए।

राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र बोले

2 माह और करिए इंतजार, सभी मंदिरों में होंगे प्रभु के दीदार

अब बस दो महीने का इंतजार शेष है। इसके बाद रामजन्मभूमि के सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं को दर्शन मिलने लगेंगे। यह जानकारी राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक दूसरे दिन नृपेंद्र मिश्र ने दी।

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

रामनगरी अयोध्या में शनिवार को राम मंदिर निर्माण समिति की दूसरे दिन की बैठक हुई। बैठक के पहले भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने राम मंदिर निर्माण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परकोटा में 31 मई को भोलेनाथ विराजमान होंगे। प्राण प्रतिष्ठा के लिए 3 जून से अनुष्ठान शुरू होगा। 5 जून को प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। नृपेंद्र ने बताया कि मंदिर अब अपनी पूर्णता की ओर है। परकोटा का 90 फीसदी काम जुलाई तक पूरा हो जाएगा। साल के अंत तक सभी निर्माण पूरे हो जाएंगे। हम आशावान हैं कि मंदिर का निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा।

अगले साल तक बन जाएगा संग्रहालय

मिश्र ने बताया कि संग्रहालय और सभागार का काम अभी शुरू हुआ है। इसका काम अप्रैल 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। श्रद्धालु अप्रैल 2026 से संग्रहालय का अवलोकन कर सकेंगे। रामजन्मभूमि परिसर में सभी मंदिरों और अन्य स्थानों पर दो माह के अंदर श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति दे दी जाएगी।

31 को विराजेंगे बाबा भोलेनाथ

मंदिर का निर्माण कार्य 5 जून को पूरा हो जाएगा: उत्तर प्रदेश के अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर का निर्माण कार्य 5 जून को पूरा हो जाएगा। राम मंदिर निर्माण के दौरान आने वाली चुनौतियों पर नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि टीम वर्क ने हमें सभी चुनौतियों का समाधान दिया है।

मंदिर न्यास ने सभी बाधाओं पर पाई विजय

नृपेंद्र ने कहा कि मैं न्यास को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने आर्थिक बाधाओं को आड़े नहीं आने दिया। इंजीनियरिंग और डिजाइन एक चुनौती थी, क्योंकि हमसे एक ऐसा मंदिर बनाने की उम्मीद थी जो अगले 1000 सालों तक किसी भी तरह की आपदा को झेल सके।

डिफेंस म्यूचुअल फंड ने तीन महीने में दिया 54% तक का रिटर्न

- ऑपरेशन सिंदूर के चलते निवेशकों की बन रहे पहली पसंद
- भारत का डिफेंस सेक्टर अब पहला फोकस बनता जा रहा
- डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी, म्यूचुअल फंड भी कर रहे बेहतरीन प्रदर्शन
- म्यूचुअल फंड ने 1 महीने में 27% तक रिटर्न दिए

बिजनेस डेस्क

'ऑपरेशन सिंदूर' ने एक बार फिर दुनियाभर को भारत के डिफेंस सेक्टर की ताकत दिखा दी है। भारतीय मिसाइलों ने जिस तरह से पाकिस्तान में दहशत पैदा की है, उससे ब्रम्होस जैसे देश में बनने वाले हथियारों की ताकत को दिखाया है। इसका नतीजा यह है कि भारत का डिफेंस सेक्टर अब निवेशकों का पहला फोकस बन गया है। डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी है, तो डिफेंस म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन भी बेहतरीन दिख रहा है। इन फंड्स का औसत रिटर्न, ब्रॉडर इक्विटी मार्केट से काफी बेहतर है, वहीं शॉर्ट टर्म में दूसरे अन्य सेक्टोरल फंड के मुकाबले भी ज्यादा है।

म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी

भारतीय डिफेंस सेक्टर पर केंद्रित म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी देखी जा रही है। इस सेक्टर पर आधारित म्यूचुअल फंड ने जहां 1 महीने में 27 फीसदी, 3 महीने में 54 फीसदी तक रिटर्न दिए हैं, वहीं इनमें 6 महीने का रिटर्न 38 फीसदी तक हो गया है। खास बात है कि इनमें से ज्यादातर म्यूचुअल फंड 1 साल के अंदर लॉन्च किए गए हैं, जिससे यह बात साफ होती है कि इस सेक्टर की ओर म्यूचुअल फंड भी आकर्षित हो रहे हैं, वहीं हाल की घटनाओं के बाद निवेशक की पहली पसंद बन गया है।

3 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

- ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ : 53.82%
- मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स : 53.19%
- मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ : 53.12%
- एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स : 52.92%
- ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ : 52.82%
- एचडीएफसी डिफेंस फंड : 38.44%

6 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

- ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ : 37.94%
- मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स : 37.82%
- मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ : 37.78%
- ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ : 37.46%
- एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स : 37.15%
- एचडीएफसी डिफेंस फंड : 16.86%

1 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

- ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ : 27.09%
- मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स : 26%
- मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ : 26%
- एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स : 26%
- ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ : 26%
- एचडीएफसी डिफेंस फंड : 18%

डिफेंस स्टॉक्स में रैली जारी

डिफेंस सेक्टर में निवेशकों का भरोसा और इंटरेस्ट तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्टॉक्स और इंडेक्स दोनों में मजबूत प्रदर्शन हो रहा है। इस सेक्टर में जारी तेजी ने लिस्टेड डिफेंस कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन को बड़ा बूस्ट दिया है। 18 लिस्टेड कंपनियों का कंबाइंड मार्केट कैप अब 11.23 लाख करोड़ रुपये पर है। यह फरवरी के लो लेवल 6.95 लाख करोड़ रुपये से करीब 50 फीसदी ग्रोथ है। मार्च में निफ्टी डिफेंस इंडेक्स में करीब 25 फीसदी, अप्रैल में 11.50 फीसदी और मई में अब तक करीब 9 फीसदी की मजबूती आई है. मझगांव डॉक, कोचिन शिपयार्ड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पारस डिफेंस, गार्डेन रिच शिपबिल्डर्स, एमटीएआर टेक, डाटा पैटर्न, मिश्रा धातु निगम, जेन टेक और स्पेस टेक्नोलॉजीज जैसे स्टॉक का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के फायदे

- **स्थिर मांग :** डिफेंस सेक्टर में मांग स्थिर रहती है, क्योंकि सरकारें हमेशा अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत बनाने के लिए निवेश करती रहती हैं।
- **लंबी अवधि का निवेश :** डिफेंस सेक्टर में निवेश लंबी अवधि के लिए उपयुक्त हो सकता है, क्योंकि इसमें अक्सर बड़े पैमाने पर परियोजनाएं और अनुबंध शामिल होते हैं।
- **सरकारी समर्थन :** डिफेंस सेक्टर में सरकारी समर्थन अक्सर अधिक होता है, जो निवेशकों के लिए एक सुरक्षित विकल्प प्रदान कर सकता है।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के नुकसान

- **नियामक जोखिम :** डिफेंस सेक्टर में नियामक जोखिम अधिक हो सकता है, क्योंकि सरकारें अक्सर नीतियों और नियमों में बदलाव करती रहती हैं।
- **जोखिम और अनिश्चितता :** डिफेंस सेक्टर में जोखिम और अनिश्चितता अधिक हो सकती है, खासकर जब नए उत्पादों या प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की बात आती है।
- **प्रतिस्पर्धा :** डिफेंस सेक्टर में प्रतिस्पर्धा अधिक हो सकती है, खासकर जब बड़ी कंपनियां शामिल होती हैं।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के विकल्प

- **डिफेंस स्टॉक्स:** डिफेंस स्टॉक्स में निवेश करना एक विकल्प हो सकता है, खासकर उन कंपनियों में जो डिफेंस सेक्टर में विशेषज्ञता रखती हैं।
- **डिफेंस म्यूचुअल फंड:** डिफेंस म्यूचुअल फंड में निवेश करना एक अन्य विकल्प हो सकता है, जो डिफेंस सेक्टर में विविध पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं।
- **प्राइवेट इक्विटी:** प्राइवेट इक्विटी फंड जो डिफेंस सेक्टर में निवेश करते हैं, एक अन्य विकल्प हो सकता है, जो उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना प्रदान करते हैं।
- **अंततः**, डिफेंस सेक्टर में निवेश करने से पहले अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

घूमने फिरने के शौकीन हैं तो शुरू कर लें ट्रैवल एसआईपी

- म्यूचुअल फंड से पूरा कर सकते हैं अपने ड्रीम वेकेशन का पूरा खर्च
- अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम
- हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना जरूरी
- आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन नहीं बनेगा
- ट्रैवल के लिए एसआईपी बेहतरीन तरीका, यात्राओं के लिए जोड़ सकते हैं पैसे और कर सकते हैं घूमने का सपना पूरा, नहीं होगी कोई परेशानी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी घूमने फिरने के शौकीन हैं या गर्मी की छुट्टियों में कहीं घूमने का प्लान कर रहे हैं तो ट्रैवल एसआईपी आपके लिए सबसे बेहतरीन प्लान हो सकता है। इससे आपको अपने घूमने फिरने की चिंता नहीं रहेगी। आसानी से अपना खर्च मैनेज कर सकेंगे। जैसे ही गर्मी की छुट्टियां शुरू होती हैं, लोगों में घूमने फिरने (ट्रैवल करने) का ट्रेंड बढ़ जाता है, चाहे देश के अंदर घूमना फिरना हो या विदेश जाकर छुट्टियां मनाना। घूमने-फिरने का शौक पूरी तरह से लौट आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 2024 के पहले छह महीनों में ही 1.5 करोड़ भारतीय विदेश यात्रा पर गए, जो पिछले साल के समान अवधि मुकाबले 14% ज्यादा है और इस दौरान उन्होंने घूमने फिरने पर कुल 2.83 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। लेकिन अपने सपनों की जगह पर छुट्टियां मनाने जाना सस्ता नहीं होता, सिर्फ पहाड़ों की अकेले ट्रिप का खर्च 1 लाख रुपये तक हो सकता है, जबकि यूरोप में 12 दिनों के लिए कपल टूर की शुरुआत 6 से 7 लाख रुपये (जिसमें हवाई टिकट भी शामिल है) से होती है। तो इसका उपाय क्या है?

समझदारी से करें प्लानिंग

यदि घूमने के लिए जाना है तो समझदारी से प्लानिंग करना, सही बजट बनाना और अपनी वित्तीय स्थिति को अपनी यात्रा की ख्वाहिशों (इच्छा) के साथ जोड़ना यानी सही कदम उठाकर आप बिना किसी आर्थिक तनाव के पूरी दुनिया घूम सकते हैं। जानकारों का कहना है कि अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम है हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना, ताकि आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन न बने। आप यह काम कुछ चुनी हुई म्यूचुअल फंड स्कीम्स में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके धुमंतू स्टाइल को बिना किसी चिंता के चमका देंगी।

शॉर्ट-टर्म लक्ष्य के लिए लिक्विड फंड्स

अगर आपकी यात्रा की योजना अगले एक साल के अंदर की है, तो लिक्विड फंड के बारे में विचार करें। ये फंड आपके सेविंग्स अकाउंट से ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं, साथ ही इनमें से पैसा निकालना आसान (हाई लिक्विडिटी) होता है और जोखिम भी कम होता है। उदाहरण के लिए, अगर आप 1 लाख रुपये के बजट की मानसून रिट्रीट प्लान कर रहे हैं, तो लिक्विड फंड या आर्बिट्रेज फंड में निवेश करके आप अपना लक्ष्य हासिल कर सकते हैं और आपकी रकम आसानी से उपलब्ध रहेगी। जहां सेविंग्स अकाउंट में आपको सालाना सिर्फ 1.75% तक ब्याज मिल सकता है, वहीं लिक्विड फंड्स में कंपाउंडिंग के जरिए आप इसे बढ़ाकर 6% तक रिटर्न हासिल कर सकते हैं। अगर आप थोड़ा और समझदारी से निवेश करें और आर्बिट्रेज फंड में लगाएं, तो आप साल भर में 7.5% तक रिटर्न कमा सकते हैं।

ट्रैवल एसआईपी शुरू करें

ट्रैवल के लिए एसआईपी यह एक ऐसा बेहतरीन तरीका है, जिसमें आप अपनी यात्राओं के लिए पैसे बचा सकते हैं। चाहे आप देश के अंदर किसी छोटी जगह घूमने जा रहे हों या विदेश की लंबी यात्रा पर, एसआईपी आपको हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करने की सुविधा देता है। ये पैसे धीरे-धीरे बढ़ते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि जब आपको अपनी यात्रा के लिए पैसों की जरूरत होगी, तो फंड तैयार रहेगा। उदाहरण के तौर पर, अगर आप 3 साल बाद अपने पार्टनर के साथ पेरिस घूमने की योजना बना रहे हैं और आपका बजट 5 से 6 लाख रुपये है, तो सालाना 13% रिटर्न मानते हुए, आपको हर महीने लगभग 12,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी या फिर, आप 1.5 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश करके अपनी मंथली

लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड

क्या आप 5-10 साल में दुनिया घूमने या किसी शानदार क्रूज पर जाने की योजना बना रहे हैं? लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड सबसे बेहतर विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि इनमें हाई रिटर्न मिलने की संभावना होती है। कंपाउंडिंग की ताकत से ये फंड आपको एक बड़ा फंड बनाने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप हर महीने 10,000 रुपये किसी इक्विटी फंड में निवेश करते हैं और 12% सालाना रिटर्न की उम्मीद करते हैं, तो 10 सालों में आपके पास लगभग 20 लाख रुपये जमा हो सकते हैं, जो आपके ड्रीम वेकेशन के लिए काफी होंगे।

सीजनल यात्रियों के लिए खास टिप्स

सर्दियों की यात्राओं के लिए

जनवरी में एक एसआईपी शुरू करें जो अगले साल दिसंबर तक चले। 12 महीने की एसआईपी बैलेंस्ड या हाइब्रिड फंड में करें। यह आपके छुट्टी के खर्चों को पूरा करने में मदद करेगा। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जैसे हाइब्रिड फंड आमतौर पर आर्बिट्रेज फंड की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं।

गर्मियों की छुट्टियों के लिए

पीक सीजन के खर्च को अच्छे से मैनेज करने के लिए 18 महीने पहले से निवेश शुरू करें। इसके लिए मल्टी एसेट फंड जैसे हाइब्रिड फंड का उपयोग करें। अगर आप 3-5 साल की अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं, तो आप प्योर इक्विटी फंड पर भी विचार कर सकते हैं, जिसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता होती है. ऐसे में लार्ज कैप फंड आपकी पहली पसंद होनी चाहिए।

(डिसक्लेमर : यह जानकारी एक्सपर्ट के हवाले से दी है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए अपनी यात्रा के लक्ष्यों से मेल खाने वाली निवेश रणनीतियों के लिए किसी एम्फी रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर या म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर से सलाह लें।)

दस साल में 19 से 22% सालाना रिटर्न के साथ विनर बने ये 5 स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा
- इनमें से 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की
- इस दौरान निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ा
- इन स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत

बिजनेस डेस्क

बीते 1 दशक यानी 10 साल की बात करें तो इक्विटी म्यूचुअल फंड में स्मॉलकैप कैटेगरी क्लीयर विनर साबित हुई है। 10 साल में जिन 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा है, उनमें से 50 फीसदी यानी 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की हैं। इन 5 स्कीम ने लम्प सम निवेश पर 10 साल में 19 से 22 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न दिया है। इनमें निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ गया, वह भी सिर्फ 10 साल में। वहीं, एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए किए गए निवेश पर 20 से 24 फीसदी सालाना रिटर्न मिला है। 10 साल की अवधि में रिटर्न देने में डॉमिनेट करने वाले इन स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत है। इन सभी स्कीम को 3 स्टार से 5 स्टार रेटिंग मिली हुई है। इनमें एसबीआई म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड और एक्सिस म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप स्कीम शामिल हैं। हम इस रिपोर्ट में 1 से नंबर 5 रही स्कीम की जानकारी देंगे।

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 30,880 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.78% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.15% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 5,76,687 रुपये (5.77 लाख)
- कुल फायदा : 4,76,687 रुपये (4.77 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.80%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 42,53,472 रुपये

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 23,318 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.56% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.68% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,02,859 रुपये (6.03 लाख)
- कुल फायदा : 5,02,859 रुपये (5.03 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.68%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 44,77,632 रुपये

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 31,790 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.90% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,14,033 रुपये (6.14 लाख)
- कुल फायदा : 5,14,033 रुपये (5.14 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.52%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 41,84,206 रुपये

क्वांट स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 5 स्टार
- एसेट्स : 26,222 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 20.29% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,34,301 रुपये (6.34 लाख)
- कुल फायदा : 5,34,301 रुपये (5.34 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24.98%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 54,33,614 रुपये

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 4 स्टार
- एसेट्स : 58,029 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 22.27% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 7,46,791 रुपये (7.47 लाख)
- कुल फायदा : 6,46,791 रुपये (6.47 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 23.96%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 51,18,853 रुपये

इक्विटी में घट रहा निवेश तो डेट और हाइब्रिड फंड्स में बढ़ रहा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में इन दिनों मंदड़ियों का ही राज है। इस वजह से म्यूचुअल फंड के निवेशकों ने भी पहले की तरह से खुले हाथ से पैसा लगाना कम कर दिया है। तभी तो बीते महीने यानी अप्रैल 2025 के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ है। बीते अप्रैल में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 24,269 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि एक महीने पहले यानी मार्च 2025 यह आंकड़ा 25,082 करोड़ रुपये का था।एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अप्रैल महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च के मुकाबले लगभग 3% की गिरावट आई है। लोग अब इक्विटी फंड से ज्यादा, डेट म्यूचुअल फंड में पैसा लगा रहे हैं। बीते महीने डेट म्यूचुअल फंड में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। जबकि इस साल मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। अप्रैल में इसमें यह एक बड़ा बदलाव आया है।

ईएलएसएस का जलवा खत्म!

आप जानते ही होंगे कि इक्विटी म्युचुअल फंड्स में कई तरह की कैटेगरी होती हैं। इनमें से 11 कैटेगरी में से ईएलएसएस फंड्स को छोड़कर बाकी सभी में अप्रैल महीने के दौरान उल्लेखनीय निवेश आया। फ्लेक्सी-कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा, 5,541 करोड़ रुपये का निवेश आया। हालांकि, ये मार्च के 5,615 करोड़ रुपये से थोड़ा कम था। स्मॉल-कैप फंड्स दूसरे नंबर पर रहे। इनमें लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निवेश आया।

ये हैं तेज बढ़ते फंड्स

बीते अप्रैल महीने के दौरान सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश बहुत तेजी से बढ़ा। अप्रैल में इनमें 2,000 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये सिर्फ 170 करोड़ रुपये आया था। वहीं, ईएलएसएस फंड्स से अप्रैल में 372 करोड़ रुपये निकाले गए। जबकि मार्च में इसमें 735 करोड़ रुपये का निवेश आया था। पिछले साल अप्रैल 2024 में भी इससे 144 करोड़ रुपये निकाले गए थे।

डेट फंड का बढ़ा वैल्यू

डेट म्यूचुअल फंड्स की 16 कैटेगरी में से 12 में निवेश आया। लिक्विड फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश आया। अप्रैल में लिक्विड फंड्स में 1.18 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में इससे 1.33 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। यह एक बड़ा बदलाव है।

कम अवधि के फंड में क्या?

मनी मार्केट फंड्स और अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन फंड्स में भी अच्छा निवेश आया। इनमें अप्रैल में क्रमशः 31,507 करोड़ रुपये और 26,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। डेट फंड्स की चार कैटेगरी ऐसी रहीं जिनसे अप्रैल में पैसा निकाला गया। इनमें गिल्ट फंड्स से सबसे ज्यादा, 425 करोड़ रुपये निकाले गए। इसके बाद क्रेडिट रिस्क फंड्स से 301 करोड़ रुपये निकाले गए। डायनेमिक बॉन्ड फंड्स से सबसे कम, 10.23 करोड़ रुपये निकाले गए। मार्च में इससे 372 करोड़ रुपये निकाले गए थे, जिसके मुकाबले ये बहुत बेहतर है।

हाइब्रिड फंड्स में भी बढ़ा निवेश

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में अप्रैल में 14,247 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 946 करोड़ रुपये निकाले गए थे। हाइब्रिड फंड्स की छह कैटेगरी में से डायनेमिक एसेट एलोकेशन, मल्टी-एसेट एलोकेशन और आर्बिट्राज फंड्स में पॉजिटिव फ्लो देखने को मिला। आर्बिट्राज फंड्स में सबसे ज्यादा, 11,790 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 2,854 करोड़ रुपये निकाले गए थे। मल्टी-एसेट एलोकेशन और डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड्स में क्रमशः 2,105 करोड़ रुपये और 881 करोड़ रुपये का निवेश आया।

इन फंड्स से निकाले गए पैसे

इस महीने कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स, एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स और इक्विटी सेविंग्स फंड्स से क्रमशः 236 करोड़ रुपये, 151 करोड़ रुपये और 141 करोड़ रुपये निकाले गए। दूसरे स्कीम्स, जिनमें इंडेक्स फंड्स और ईटीएफएस शामिल हैं, में भी निवेश 43% बढ़ा। अप्रैल में इस कैटेगरी में 20,229 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये 14,48 करोड़ रुपये था।

डेट फंड्स

डेट फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो मुख्य रूप से डेट सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जैसे कि बॉन्ड, डिबेंचर, और सरकारी सिक्योरिटीज। डेट फंड्स का उद्देश्य नियमित आय और पूंजी की सुरक्षा प्रदान करना है।

डेट फंड्स के फायदे

- नियमित आयः डेट फंड्स नियमित आय प्रदान कर सकते हैं।
- कम जोखिमः डेट फंड्स आमतौर पर इक्विटी फंड्स की तुलना में कम जोखिम वाले होते हैं।
- पूंजी की सुरक्षाः डेट फंड्स का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा करना है।

हाइब्रिड फंड्स

हाइब्रिड फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करते हैं। हाइब्रिड फंड्स का उद्देश्य इक्विटी के उच्च रिटर्न और डेट की सुरक्षा दोनों को प्रदान करना है।

हाइब्रिड फंड्स के फायदे

- विविधीकरणः हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करके विविधीकरण प्रदान करते हैं।
- जोखिम प्रबंधनः हाइब्रिड फंड्स जोखिम प्रबंधन में मदद कर सकते हैं।
- नियमित आय और पूंजी प्रशंसाः हाइब्रिड फंड्स नियमित आय और पूंजी प्रशंसा दोनों प्रदान कर सकते हैं।
- इन दोनों प्रकार के फंड्स में निवेश करने से पहले, अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

‘शुभ आरंभ’ : सुदर्शन-अर्शदीप नए चेहरे, नायर-शार्दुल की वापसी, तीन अनुभवी और 15 को मौका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। शुभमन गिल को नया टेस्ट कप्तान चुना गया है। वहीं, ऋषभ पंत टेस्ट में नए उपकप्तान हैं। गिल भारत के 37वें टेस्ट कप्तान हैं। इसके अलावा करुण नायर की आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। शार्दुल ठाकुर भी भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं।

इसके अलावा भारतीय-ए टीम के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को भी मौका दिया गया है। साई सुदर्शन और अर्शदीप सिंह टेस्ट टीम में दो नए चेहरे हैं। जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा और केएल राहुल अनुभवी खिलाड़ी हैं। इस दौरे के लिए बीसीसीआई ने अनुभवी प्लेयर्स के साथ-साथ युवा खिलाड़ियों पर भी भरोसा जताया है। भारतीय टीम में छह मुख्य बल्लेबाज, दो विकेटकीपर बल्लेबाज, दो स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर, दो पेस बॉलिंग ऑलराउंडर और पांच मुख्य तेज गेंदबाज और एक विशेषज्ञ स्पिनर है।

सुदर्शन-अर्शदीप की एंट्री

टीम में सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की एंट्री हुई है। दोनों खिलाड़ी पहली बार टेस्ट टीम में चुने गए हैं। सुदर्शन और अर्शदीप दोनों इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं।

करुण-शार्दुल की वापसी

मिडिल आर्डर बल्लेबाज करुण नायर और फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की भी टीम में वापसी हुई है। करुण ने अपना आखिरी टेस्ट मैच मार्च 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। उसके बाद वो टीम से बाहर थे। जबकि शार्दुल ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन में खेला था।

पंत बने उपकप्तान

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जसप्रीत बुमराह टीम के उप-कप्तान थे और उन्होंने उस दौरे पर दो टेस्ट मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी भी की थी, लेकिन उन्हें अब इस रोल से मुक्त कर दिया गया है।

टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

दिनांक	प्रारुप	स्थान
20-24 जून	टेस्ट	हेडिंग्ले, लीड्स
2-6 जुलाई	टेस्ट	एजबेस्टन, बर्मिंघम
10-14 जुलाई	टेस्ट	लॉर्ड्स, लंदन
23-27 जुलाई	टेस्ट	ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर
31 जुलाई से 4 अगस्त	टेस्ट	द ओवल, लंदन

अय्यर, सरफराज और शमी ड्रॉप

श्रेयस अय्यर

श्रेयस अय्यर का पिछले सीजन घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन मिला-जुला रहा था। दलीप ट्रॉफी में श्रेयस अय्यर ने इंडिया-डी की अगुवाई की। साथ ही रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए श्रेयस ने कुछ बेहतरीन पारियां खेली थीं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए मध्य क्रम में खुद को साबित किया और 5 मैचों में 68.57 की औसत से 480 रन बनाए।

सरफराज खान

घरेलू क्रिकेट में गदर काटने के बाद सरफराज खान को इंग्लैंड के खिलाफ साल 2024 में टेस्ट डेब्यू करने का मौका मिला। भारत में खेली गई इस सीरीज में सरफराज ने तीन टेस्ट मैच की पांच पारियों में 200 रन बनाए। इसमें नाबाद 68 रन की सर्वोच्च पारी भी शामिल रही। सरफराज ने कुल तीन अर्धशतक जमाए थे। हालांकि, वह इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया-ए टीम का हिस्सा हैं।

मोहम्मद शमी

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी इंग्लैंड दौरे के लिए टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली। शमी ने इंग्लैंड के खिलाफ 2012 से 2022 तक कुछ 15 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 27 पारियों में कुल 44 विकेट चटकाए। शमी ने 2014 से 2023 तक इंग्लैंड की धरती पर कुल 14 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 25 पारियों में उनके नाम कुल 42 विकेट दर्ज हैं। शमी के टीम से बाहर होने की प्रमुख वजह उनकी एड़ी की चोट है, जो इस सीजन आईपीएल में भी देखने को मिली है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	13	9	4	18
पंजाब	13	8	4	17
बेंगलुरु	13	8	4	17
मुंबई	13	8	5	16
दिल्ली	14	7	6	15
लखनऊ	13	6	7	12
कोलकाता	13	5	6	12
हैदराबाद	13	5	7	11
राजस्थान	14	4	10	8
चेन्नई	13	3	10	6

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
638 रन
गुजरात

पर्पल कैप

नूर अहमद
21 विकेट
चेन्नई

खबर संक्षेप

मणिपुर शुरुआती खेलो इंडिया ‘बीच गेम्स’ 2025 का बना चैंपियन

दीव। मणिपुर शनिवार को सबसे ज्यादा रजत पदक की बदौलत महाराष्ट्र और नगालैंड को पछाड़कर शुरुआती खेलो इंडिया ‘बीच गेम्स’ 2025 का चैंपियन बना। इन सभी तीनों टीम के पास पांच पांच स्वर्ण पदक थे लेकिन मणिपुर (6) ने महाराष्ट्र (5)और नगालैंड (3) से ज्यादा रजत पदक हासिल कर तालिका में शीर्ष पर रहकर खिताब जीता। नगालैंड खेलो इंडिया प्रतियोगिता में पहली दफा शीर्ष तीन में शामिल रहा जो उसके लिए ऐतिहासिक क्षण रहा। हरियाणा और जम्मू कश्मीर ने संयुक्त चौथा स्थान हासिल किया।

हम अभी ऐसी हार को पसंद करेंगे : साल्ट

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार को सकारात्मक तरीके से लेते हुए कहा कि वे आईपीएल प्ले-ऑफ की बजाय लीग चरण में ऐसी हार पसंद करेंगे। जीत के लिए मिले 232 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सॉल्ट (62) और दिग्गज विराट कोहली (43) ने आरसीबी को आक्रामक शुरुआती दिलाई लेकिन टीम एक गेंद शेष रहते 189 रन पर आउट हो गई।

पाटीदार और कमिंस पर लगा भारी जुर्माना

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान अपनी-अपनी टीमों की धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। कमिंस पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया क्योंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

किंग्स के टॉप-2 फिनिश की उम्मीदें कम, मुस्तफिजुर को 3 विकेट

रिजवी और नायर ने कैपिटल्स को आखिरी मैच में दिलाई पंजाब पर जीत

भाषा ▶▶| जयपुर

युवा समीर रिजवी के पहले अर्धशतक और भारतीय टेस्ट टीम में वापसी करने वाले करूण नायर की उम्दा पारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराकर शनिवार को आईपीएल के इस सत्र से जीत के साथ विदा ली। जीत के लिये 207 रन के कठिन लक्ष्य के जवाब में दिल्ली ने 19.3 ओवर में जीत हासिल कर ली। 21 वर्ष के रिजवी 25 गेंद में पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं इंग्लैंड दौरे के लिये भारतीय टेस्ट टीम में चुने गए नायर ने 27 गेंद में 44 रन का योगदान दिया जिसमें दो छक्के और पांच चौके शामिल थे। पंजाब ने मार्कस स्टोइनिस और कप्तान श्रेयस अय्यर की आतिशी पारियों के दम पर आठ विकेट पर 206 रन बनाये थे। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए दिल्ली के लिये लक्ष्य कठिन लग रहा था लेकिन इंपैक्ट खिलाड़ी केएल राहुल (21 गेंद में 35 रन) और कार्यवाहक कप्तान फाफ डु प्लेसी (15 गेंद में 23 रन) ने टीम को अच्छी शुरूआत दी और छह ओवर के भीतर 55 रन जोड़े। राहुल ने अजमतुल्लाह उमरजई को चौका और हरप्रीत बरार को छक्का लगाया लेकिन मार्को यानसेन की आफ कटर पर शशांक सिंह को कैच दे बैठे। वहीं आठ साल बाद भारतीय टेस्ट टीम में लौटे नायर ने यानसेन को छक्का लगाकर पारी का आगाज किया। डु प्लेसी अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा सके और प्रियांश आर्य को कैच देकर लौटे। नायर ने लेग स्पिनर प्रवीण दुबे को 11वें ओवर में लगातार चार चौके लगाये। नायर को बरार ने बोल्ड करके पवेलियन भेजा तो दिल्ली की जीत मुश्किल नजर आने लगी। इसके बाद हालांकि रिजवी ने मोर्चा संभाला और टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले स्टोइनिस के 16 गेंद में नाबाद 44 रन और अय्यर के आक्रामक अर्धशतक की मदद से पंजाब किंग्स ने आठ विकेट पर 206 रन बनाये।

अय्यर ने 34 गेंद में 53 रन बनाये जबकि स्टोइनिस ने अपनी ताबड़तोड़ पारी में चार छक्के और तीन चौके जड़कर पंजाब को 200 रन के पार पहुंचाया। टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनने वाली दिल्ली को पहली सफलता जल्दी ही मिली जब प्रियांश (छह) ने मुस्तफिजुर रहमान की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर ट्रिस्टन स्टब्स को कैच थमा दिया। गेंद हवा में ऊपर उछली थी और स्टब्स ने कुछ कदम पीछे की ओर दौड़ते हुए यह कैच लपका।

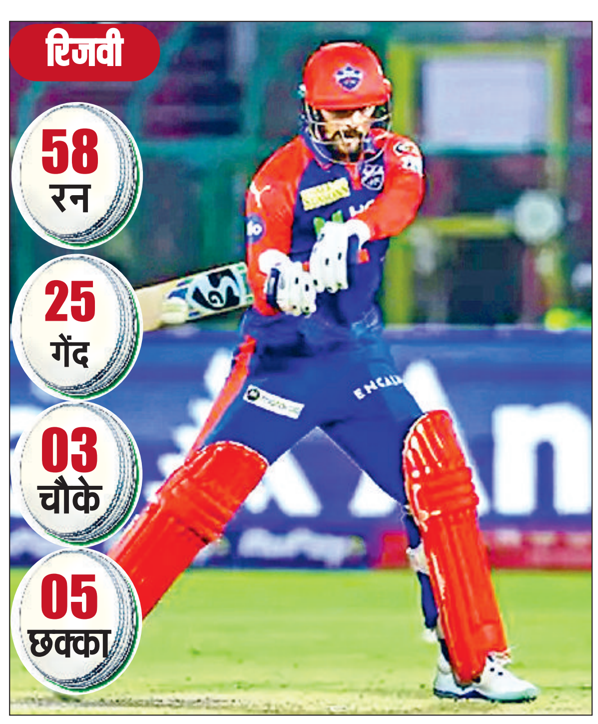

शीर्ष टीमों को मिल रही हार, चेन्नई के खिलाफ उलटफेर से बचेगा गुजरात

अहमदाबाद। गुजरात टाइटन्स की टीम जब रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी निगाहें तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने की होगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सनराइजर्स हैदराबाद से हारने के बाद गुजरात टाइटन्स प्लेऑफ के लिए तालिका में नियंत्रण बनाए हैं। सीएसके के खिलाफ जीत से उसके 20 अंक हो जाएंगे, इससे वह शीर्ष दो में जगह बनाने में सफल रहेगी और उसे फाइनल में जगह बनाने के दो मौके मिलेंगे। पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी सीएसके का ध्यान भविष्य की तैयारियों पर रहेगा क्योंकि इस सत्र में उसके लिए नतीजे मिले जुले रहे हैं और अब वह युवा खिलाड़ियों और अन्य संयोजनों को आजमाना चाहेगा। गुजरात टाइटन्स के लिए बल्लेबाजी में सफलता शीर्ष तीन खिलाड़ी शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर पर टिकी है। बटलर रविवार को टीम के आखिरी लीग मैच के बाद राष्ट्रीय टीम के साथ होने लिए रवाना हो जाएंगे।

श्रीकांत छह साल में पहली बार खेलेंगे बीडब्लूएफ टूर्नामेंट का कोई फाइनल

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने शनिवार को यहां मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जापान के युशी टनाका पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर छह साल में पहली बार बीडब्लूएफ टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश किया। 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सटीक नेट प्ले और आक्रामक खेल की बदौलत दुनिया के 23वें नंबर के खिलाड़ी टनाका को रोमांचक मुकाबले में 21-18, 24-22 से शिकस्त दी।

श्रीकांत ने जीत के बाद कहा, ‘मैं बहुत खुश हूं, काफी समय के बाद यहां तक पहुंचा हूं।’ वह रविवार को होने वाले फाइनल में दूसरे वरीय चीन के लि शि फेंग से भिड़ेंगे। श्रीकांत 2019 इंडिया ओपन में उपविजेता रहे थे और इसके बाद से इस 32 वर्षीय खिलाड़ी का बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर में पहला फाइनल है। उन्होंने 2017 में चार खिताब जीते थे। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत पिछले कुछ सत्र में खराब फॉर्म और फिटनेस के दौर से गुजर रहे हैं जिससे अब वह विश्व रैंकिंग में 65वें स्थान पर मौजूद हैं।

हसन ने फ्रेंच ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंचने रचा इतिहास

पेरिस। बेंजामिन हसन ने ओपन युग में फ्रेंच ओपन के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई करने वाले लेबनान का पहला टेनिस खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया। तीस वर्षीय खिलाड़ी ने क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में शुक्रवार को जापान के जेम्स ट्रॉटर को 6-2, 7-6 से हराया। जर्मनी में जन्मे हसन ने पेरिस के क्ले कोर्ट पर क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में लगातार तीन मैच जीतकर फ्रेंच ओपन के मुख्य ड्रा में अपनी जगह पक्की की। दुनिया में 177वें नंबर पर काबिज हसन लेबनान टेनिस के लिए पहले भी कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की है। उनकी यह सफलता इस साल लेबनान की टेनिस के लिए दूसरी बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले जनवरी में हादी हबीब (मौजूदा विश्व रैंकिंग 159) ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पहले दौर का मैच जीता था।

टेस्ट टीम में चुना जाना ‘अविश्वसीनय’

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किए गए युवा बल्लेबाज बी साई सुदर्शन ने शनिवार को इस मौके को ‘अविश्वसनीय’ करार देते हुए कहा कि यह तो महज शुरूआत है और उनकी ‘कहानी में अभी बहुत कुछ बाकी’ है। सुदर्शन को घरेलू क्रिकेट, मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन और उनकी तकनीक निपुर्णता के आधार पर भारतीय टीम में जगह दी गई। उनकी तकनीकी समझ इंग्लैंड में मददगार साबित हो सकती है। टीम में चयन की खबर मिलने पर सुदर्शन ने कहा, ‘मुझे लगता है कि एक क्रिकेटर के लिए देश के लिए खेलना ही बहुत बड़े सम्मान की बात है। यह बहुत शानदार, विशेष और अविश्वसनीय अहसास है। कोई भी खिलाड़ी जो क्रिकेट खेलना शुरू करता है, वह टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता है जो उसका अंतिम लक्ष्य होता है।’

कैग्लियारी पर 2-0 से हराया

नेपोली बना सिरी ए चैंपियन

एजेंसी ▶▶| रोम

स्कॉट मैकटोमिने और रोमेलु लुकाकू के गोल की बदौलत नेपोली ने इटली की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग सिरी ए में कैग्लियारी पर 2-0 की जीत के साथ तीन साल में अपना दूसरा खिताब हासिल किया। नेपोली के कोच एंटोनियो कोन्टे इसके साथ ही तीन अलग-अलग टीमों के साथ सिरी ए चैंपियनशिप जीतने वाले पहले कोच बन गए।

मैकटोमिने ने मध्यांतर से पहले (42वें मिनट में) एक्रोबैटिक बाइसिकल किक से गोल किया जबकि लुकाकू ने 51 मिनट में गोल करके टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। नेपोली ने एक अंक के अंतर से इंटर मिलान को पछाड़कर यह खिताब जीता। नेपोली के 38 मैचों में 24 जीत से 82 अंक है जबकि मिलान के नाम इतने ही मैच और जीत से 81 अंक है। मिलान ने कोमो को 2-0 से हराया लेकिन यह टीम को खिताब दिलाने के लिए काफी नहीं था।

मैकटोमिने और लुकाकू का गोल 38 मैचों में 24 जीत से 82 अंक

कोच कोन्टे को दिया खिताब का श्रेय

नेपोली के कप्तान जियोवानी डि लोरेंजो ने इस खिताब का श्रेय कोच कोन्टे को देते हुए कहा, ‘इसमें सभी ने योगदान दिया लेकिन सबसे अधिक योगदान कोच का था।’ कोन्टे के कोच रहते युवेंटस और इंटर मिलान ने सीरी ए खिताब जीते हैं जबकि उनकी देखरेख में चेल्सी प्रीमियर लीग चैंपियन बना है। कोन्टे ने इस सभी खिताबों की तुलना में नेपोली के चैंपियन बनने को सबसे अप्रत्याशित करार दिया।

चौथा सिरी-ए खिताब

नेपोली का यह चौथा सिरी ए खिताब है। दिग्गज डिएगो माराडोना ने 1987 और 1990 में नेपोली को उसके शुरुआती दो खिताब दिलाए थे। विक्टर ओसिमेन और ख्विचा क्वारात्सखेलिया की मौजूदगी वाली 2023 की टीम ने पांच राउंड शेष रहते ही खिताब जीत लिया।

द्रविड़ ने राष्ट्रीय टीम के लिए सुझाया नाम

भारतीय टीम जब 2018 दौरे के लिए इंग्लैंड जा रही थी जब एमएसके प्रसाद की चयन समिति ने टीम में अनमोलप्रीत सिंह को मौका देने का मन बनाया था लेकिन कोच राहुल द्रविड़ की अनुरोध पर गिल को चुना गया। प्रसाद ने कहा, ‘उस सत्र में अनमोलप्रीत ने शानदार बल्लेबाजी की थी और पांच में से एक चयनकर्ता किसी भी हाल में उन्हें टीम में चुनने की मांग कर रहे थे। उस समय द्रविड़ एनसीए और भारत ए टीम के कोच थे उन्होंने इंग्लैंड दौरे के लिए गिल को टीम में रखने की वकालत करते हुए अनमोलप्रीत को किसी और दौरे (ए टीम) पर भेजने की सलाह दी।’ हम उनकी मांग को ठुकरा नहीं सके।

मुख्य कोच श्रीजेश के साथ मिलकर करेंगे काम

लाकड़ा बने जूनियर पुरुष हॉकी टीम के सहायक कोच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने शनिवार को बताया कि पूर्व डिफेंडर बीरेंद्र लाकड़ा को इस साल के अंत में होने वाले जूनियर विश्व कप से पहले भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया है। पैतीस वर्षीय लाकड़ा पूर्व दिग्गज गोलकीपर और टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के साथ मिलकर काम करेंगे। लाकड़ा ने कहा, ‘ऐसे महत्वपूर्ण समय में भारतीय जूनियर पुरुष टीम का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे पता है कि भारत की जर्सी पहनने के लिए क्या करना पड़ता है। मैं अब अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को बड़े मंच के लिए तैयार करने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं।श्रीजेश जैसे दिग्गज के साथ काम करना एक रोमांचक चुनौती है। वह टीम के साथी और प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। हम आने वाले टूर्नामेंटों, खासकर इस साल के अंत में होने वाले सबसे महत्वपूर्ण जूनियर विश्व कप के लिए एक बेखौफ और अच्छी तरह से तैयार टीम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।’ भारतीय टीम 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर पुरुष विश्व कप के लिए तैयार कर रही है और उम्मीद है कि लाकड़ा टीम की रक्षापंक्ति को मजबूत करने के अलावा खेल के अन्य पहलुओं पर भी काम करेंगे।’

बीरेंद्र का जुड़ना बड़ा कदम

श्रीजेश ने कहा, ‘बीरेंद्र का हमारे साथ जुड़ना एक बड़ा कदम है। वह अनुभव, रणनीतिक समझ और धैर्य का खजाना लेकर आए हैं। ये गुण इन युवा खिलाड़ियों के लिए अमूल्य होगा। हमने मैदान पर एक साथ कई मैच खेले हैं। मुझे विश्वास है कि हम कोच के रूप में इस नए अध्याय में समान तालमेल और प्रतिबद्धता लाएंगे। हम एक ऐसी टीम तैयार करना चाहते हैं जो देश को गौरवान्वित कर सके।’

देश के विश्वसनीय डिफेंडर

लाकड़ा ने 2010 में भारत के लिए पदार्पण किया और देश के सबसे विश्वसनीय डिफेंडरों में से एक बन कर उभरे। उन्होंने दो ओलंपिक खेलों लंदन 2012 और तोक्यो 2020 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। तोक्यो में भारत ने ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। वह इसके साथ ही एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे हैं।

अभियुक्तों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तों **1. रोहित** पुत्र श्री बलवान सिंह, **2. अमित** पुत्र श्री बिजेन्द्र और **3. विजय पुत्र** श्री राजपाल सभी निवासी गांव व डाकखाना कुतुबगढ़, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 143/2011 धारा 420/34 भा.द.स. थाना कंझावला, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1. रोहित, 2. अमित** और **3. विजय पुत्र** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1. रोहित, 2. अमित** और **3. विजय पुत्र** फरार हो गए हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। इनके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 143/2011 धारा 420/34 भा.द.स. थाना कंझावला, दिल्ली के उक्त अभियुक्तों **1. रोहित, 2. अमित** और **3. विजय पुत्र** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **01.07.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री अपूर्व भारद्वाज,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–02 (उत्तर–पश्चिम),
कमरा नं. 113, प्रथम तल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/6299/RD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल कुमार, पुत्र नंद किशोर सिंह निवास आरजेड-147, कटवारिया सराय, हौज खास, नई दिल्ली ने ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 00205/2023, भा.द.सं. की धारा 379/411 के तहत, थाना सफदरजंग एन्कलेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 00205/2023, भा.द.सं. की धारा 379/411 के तहत, थाना सफदरजंग एन्कलेव, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राहुल कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.08.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री निधि सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी-03
(दक्षिण), कमरा नं. 212
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/6355/SW/2025

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

भारत के विदेश मंत्री की जर्मनी से पाकिस्तान को खरी-खरी

अब भारत के सामने नहीं चलेगी 'परमाणु हथियारों के इस्तेमाल' की धमकीः जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पहलगाम हमले की जवाबी प्रतिक्रिया में किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद के मामले पर भारत का रुख बिलकुल साफ है यानी 'जीरो टॉलरेंस की नीति'। विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने जर्मनी से इस पर दृढ़ संकल्प के साथ बनी हुई प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि भारत अब आतंकवाद और उसके साथ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी के सामने नहीं झुकेगा।

उनका यह सीधा संदेश पाकिस्तान के लिए था। जो भारत पर किए गए किसी भी आतंकी हमले के बाद तुरंत बाद परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी देने पर उतारू हो जाता है।

डॉ. जयशंकर ने यह जानकारी अपने जर्मनी के समकक्ष विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के साथ बर्लिन में हुई बातचीत के बाद आयोजित की गई संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में दी। यहां बता दें कि विदेश मंत्री बीते 19 मई से नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की आधिकारिक यात्रा पर थे। उनका ये बयान इसी से जुड़ा हुआ है।

पाकिस्तान के साथ 'द्विपक्षीय' हल होंगे मसले

जयशंकर ने कहा कि मैं, पहलगाम आतंकी हमले और भारत की जवाबी कार्रवाई के तुरंत बाद यहां आया हूं। भारत पाकिस्तान के साथ अपने मामले को पूरी तरह से द्विपक्षीय ही रखेगा। इसे लेकर किसी को भी कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। यहां बता दें कि भारतीय विदेश मंत्री की यह टिप्पणी बीते दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए किए गए संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाने के दावे से जुड़ी हुई है। जिससे हालांकि अमेरिका के अलावा भारत का उक्त संदेश स्पष्ट रूप से दुनिया के बाकी देशों को भी चला गया है।

भारत के खिलाफ आतंकवाद को बनाया हथियार

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद को भारत के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। वह वर्ष 1947 में हमारे देश की आजादी से जम्मू-कश्मीर की सीमा का उल्लंघन कर रहा है। यह सिलसिला 80 वर्षों से जारी है। फिर चाहे पाकिस्तान सरकार चाहे कोई सी (सैन्य सरकार या लोकतांत्रिक सरकार) रही हो। जयशंकर ने कहा कि भारत ने दशकों तक संयम बरतने के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकवाद को मजबूती से जवाब दिया है। जो कि अभी खत्म नहीं सिर्फ स्थगित ही हुआ है।

आतंकवाद पर मिला जर्मनी का साथ

उधर, आतंकवाद के मसले पर भारत को जर्मनी का मजबूत समर्थन मिला है। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने कहा कि 22 अप्रैल 2025 को भारत में पर्यटकों पर किए गए बर्बरतापूर्ण आतंकी हमले को लेकर हम सब स्तब्ध थे।

जर्मनी इस हमले की सख्ती के साथ निंदा करता है। हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति हम अपनी ओर से गहन संवेदनाएं प्रकट करते हैं। दोनों देशों के बीच हुई सैन्य कार्रवाई। जिसमें भारत को आत्मरक्षा में आतंकवाद के खिलाफ जवाब देने का पूरा अधिकार है।

लेकिन वर्तमान में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम लागू है, जिसका हम पूरी तरह से स्वागत करते हैं। जयशंकर ने जर्मनी के भारत को आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई पर दिए गए समर्थन का स्वागत किया। साथ ही भारत में जर्मनी के विदेश मंत्री का स्वागत करने की इच्छा भी जताई।

बातचीत में द्विपक्षीय, क्षेत्रीय-वैश्विक मुद्दे उठे

भारत-जर्मनी के विदेश मंत्रियों की वार्ता में पड़ोस से जुड़े हुए मामलों के अलावा, द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न आयामों और क्षेत्रीय-वैश्विक चुनौतियों के मुद्दे पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। दोनों ने अपनी बातचीत में सामरिक भागीदारी को और अधिक निकटता और मजबूती के साथ गहराई प्रदान करने पर सहमति जताई। जिसमें भावी वादों और क्षमता से जुड़े क्षेत्रों की पहचान का मसला भी शामिल है।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के जांच अधिकारी की मौत

चंडीगढ़। मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के हत्या की जांच करने वाले जांच अधिकारी रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर की मौत हो गई है। शुक्रवार को उनकी मानसा कोर्ट में पेशी थी लेकिन इसी दिन बीमारी से उनके निधन की खबर आई। उन्हें लुधियाना के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसके बाद कोर्ट ने सुनवाई की तारीख जुलाई महीने में तय कर दी। बता दें कि 29 मई 2022 को मानसा के जवाहरके में सिद्धू मूसेवाला की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। इसकी जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। उस वक्त सब इंस्पेक्टर अंग्रेज सिंह मानसा के थाना सिटी-1 के इंचार्ज थे। हालांकि जांच शुरू करने के बाद बीमार होने पर वह रिटायर हो गए थे। उनका बेटा भी पंजाब पुलिस में है। वह कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए 2016 में अपने परिवार के सदस्यों के साथ अमेरिका भाग गया था।

पाकिस्तान में राष्ट्रपति की बेटी के काफिले पर हमला, बाल बाल बचीं आसीफा भुट्टो

एजेंसी ▶▶ कराची

पाकिस्तान में एक बार फिर सरकार के खिलाफ गुस्सा सड़कों पर दिखाई दिया, जब पाकिस्तान के राष्ट्रपति और देश की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की बेटी और सांसद आसिफा भुट्टो जरदारी के काफिले पर उस समय हमला हुआ जब वह कराची से नवाबशाह की ओर जा रही थीं। आसिफा का काफिला जैसे ही जमशोरो टोल प्लाजा के पास पहुंचा, प्रदर्शनकारियों ने उसे बीच सड़क पर रोक लिया। प्रदर्शनकारी गुस्से में दिख रहे थे और उन्होंने लाठी-डंडों से आसिफा भुट्टो के काफिले की गाड़ियों पर अचानक हमला किया, जिससे कुछ समय के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि हमले में आसिफा भुट्टो को किसी तरह की कोई चोट नहीं आई है।